@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 289 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संघ सरकार के फैसले नहीं लेता : मोहन भागवत

हम सिर्फ सलाह देते हैं; भाजपा-आरएसएस में मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा- भाजपा और संघ में कोई विवाद नहीं है। हमारे भाजपा सरकार ही नहीं सभी सरकारों के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन मनभेद नहीं हैं।

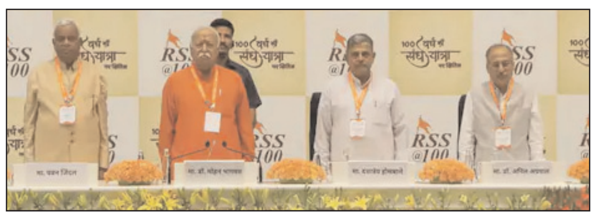

सरकार में फैसले लेने के सवाल पर भागवत ने कहा कि यह कहना गलत है कि सरकार में सब कुछ संघ तय करता है। हम सलाह दे सकते हैं, लेकिन निर्णय वे ही लेते हैं। हम तय करते तो इतना समय नहीं लगता पीएम-सीएम को जेल जाने पर पद से हटाने वाले नए बिल पर संघ प्रमुख ने कहा कि नेतृत्व-नेताओं की छवि साफ होना चाहिए। इस पर कानून बने या नहीं ये संसद तय करेगी। RSS के 100 साल पूरे होने पर दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज कार्यक्रम का आखिरी दिन था, जिसमें प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

तकनीक और शिक्षा नीति

तकनीकी शिक्षा का विरोध नहीं है लेकिन नई तकनीक का सदुपयोग हो। हमारे यहां विदेशी शिक्षा लाई गई, जिससे हम अंग्रेजों के गुलाम बने रहें। नई शिक्षा नीति में पंचकोशीय शिक्षा का कॉन्सेप्ट रखा गया है। जैसे कला, खेल और योग। अपनी संस्कृति की शिक्षा देना जरूरी है। इंग्लिश एक भाषा है, भाषा सीखने में समस्या नहीं होनी चाहिए। इंग्लिश के लिए हिंदी नहीं छोड़ना चाहिए। भारत को जानना है तो संस्कृत का ज्ञान जरूरी है।

जनसंया नियंत्रण पर तीन बच्चों की सीमा जरूरी : मोहन भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण और संतुलन समाज तथा राष्ट्र के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि हर परिवार को अधिकतम तीन बच्चों तक सीमित रहना चाहिए ताकि जनसंख्या पर्याप्त और नियंत्रित बनी रहे।

बॉम्बे उच्च न्यायालय में 14 अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 14 अधिवक्तताओं को बॉम्बे उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है। विधि और न्याय मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि ये नियुक्ति उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद की गयी हैं। राष्ट्रपति ने जिन अधिवक्ताओं को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है उनमें सिद्धेश्वर सुंदरराव थोम्ब्रे , मेहरोज अशरफ खान पठान, रणजीतसिंह राजा भोंसले, नंदेश शंकरराव देशपांडे, अमित सत्यवान जामसंदेकर , आशीष सहदेव चव्हाण, संदेश दादासाहेब पाटिल, श्रीमती वैशाली निम्बाजीराव पाटिल-जाधव, आबासाहेब धर्मजी शिंदे, श्रीराम विनायक शिरसाट, हितेन शामराव वेनेगावकर , फरहान परवेज़ दुबाश , रजनीश रत्नाकर व्यास और राज दामोदर वाकोडे शामिल हैं।

कांग्रेस के मंच से अमर्यादित टिप्पणी

● सीएम योगी, फडणवीस से लेकर चिराग तक का जोरदार पलटवार

एजेंसी
पटना/नई दिल्ली । बिहार के दरभंगा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ऐसी टिप्पणी की गई, जिससे भाजपा से लेकर सहयोगी दलों के नेता आक्रोशित हो गए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से लेकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने टिप्पणी पर कड़ा ऐतराज जताया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस और आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रयुक्त अभद्र भाषा अत्यंत निंदनीय एवं राजनीतिक मर्यादा का पतन है। इंडी गठबंधन के नेताओं द्वारा किया गया यह कृत्य सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों की भावनाओं का अपमान है। याद रहे, एक साधारण मां ने अपने संघर्षों और संस्कारों से ऐसे पुत्र को गढ़ा, जिसने स्वयं को राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया और आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता

के रूप में जन-जन के मन में बसते हैं। बिहार की जनता निश्चित ही इस घृणित राजनीति का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी और भारतीय संस्कृति व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेगी।' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी पर कहा, 'मैंने पहले भी कहा था कि राहुल गांधी का दिमाग चोरी हो चुका है और जब दिमाग चोरी हो जाता है तो लोग इस प्रकार की बातें करते हैं। आप राष्ट्रीय नेता कहलाते हो और इतनी ओछी बातें करते हो, आपको राष्ट्रीय नेता कहलाने का क्या अधिकार है? मुझे लगता है जब किसी का दिमाग चोरी हो जाता है तो उसे इग्नोर कर देना चाहिए।' केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'जिस भाषा का इस्तेमाल ये लोग करते हैं। राजनीति में मतभेद होंगे ही और वो स्वाभाविक है और भारत जैसे लोकतंत्र में जहां पर इतनी विविधताएं हैं और इतने राजनीतिक दल हैं। हर किसी का अपना पक्ष और मत होगा। मैंने हमेशा कहा कि राजनीति में भाषा की मर्यादा का पालन करना होगा। आप तीखा से तीखा वार आप मर्यादित शब्दों में कर सकते हैं। लेकिन, इस तरीके से टिप्पणी करना, ये कोई स्वीकार नहीं कर सकता है। इसे बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है। कांग्रेस पार्टी के रहते हुए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है।'

कांग्रेस ने किया देश की हर मां-बहन का अपमान : आठवले

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री तथा रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि कांग्रेस की 'वोट अधिकार यात्रा' के दौरान मंच से दुनिया के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग एक अक्षम्य अपराध है। आठवले ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि भारतीय राजनीति में ऐसी नीचता पहले कभी नहीं देखी गई

थी। कांग्रेस के मंच से खुलेआम गाली-गलौज से यह बात साबित हो गई है कि सत्ता से दूर रहने की हताशा में कांग्रेसी नेता अब मानसिक दिवालियापन के शिकार हो गये हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के दरभंगा में महागठबंधन के मंच से लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में प्रधानमंत्री की दिवंगत मां को अपशब्द कहने की घटना बहुत ही शर्मनाक है और इस घृणित टिप्पणी ने देश की हर मां-बेटी का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और परंपरा का सम्मान करने वाला कोई भी व्यक्ति ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाली पार्टी और नेता का कभी समर्थन नहीं करेगा। केंद्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि ये घटना एनडीए और प्रधानमंत्री मोदी की निरन्तर बढ़ती लोकप्रियता से हताश हो चुकी कांग्रेस की खोखली मानसिकता व चरम निराशा को प्रमाणित किया है। देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित व अभद्र टिप्पणी करना कांग्रेस का 'पारिवारिक संस्कार' है।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला, कहा-

लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा आज हो रही तार-तार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी की 'गाली की दुकान' सील होगी और इसकी शुरुआत बिहार से होगी। दरभंगा में एक सभा के दौरान राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां को कहे गए अपशब्द को लेकर पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र में एक मर्यादा होती है। आज भाषा की मर्यादा तार-तार हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी की मां के लिए कटुता और असभ्य भाषा का प्रयोग होना मर्यादा के खिलाफ है।

भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस को अपनी भाषा के लिए शर्मसार होना चाहिए। कांग्रेस अब स्वतंत्र गाली वाली पार्टी बन गई है। नकली गांधी परिवार की हार से छटपटाहट इस कदर बढ़ गई थी कि अब वे भारत के प्रधानमंत्री की मां को गाली देने से नहीं चूक रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता इस प्रकार की भाषा देख रही है, उसका जवाब भी देगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री के लिए तू तड़ाक की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जनता देख रही है। प्रधानमंत्री 140 करोड़ जनता के प्रधानमंत्री हैं। अमर्यादित भाषा को लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। पात्रा ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने मणिशंकर अय्यर की जगह को भरने का काम किया है। चुनाव आयोग को चोर कहना और अन्य संवैधानिक संस्थाओं के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना कांग्रेस की आदत बन गई है। कांग्रेस पहले गली-गली की पार्टी हुआ करती थी अब वो गाली की पार्टी बन गई है।

प्रधानमंत्री ने दी नुआखाई की शुभकामनाएं

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नुआखाई पर्व पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने नुआखाई द्वारा प्रदर्शित कृतज्ञता और एकता की भावना पर ज़ोर दिया और देश की प्रगति एवं जीविका की रीढ़ किसानों के अथक प्रयासों को नमन किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, 'सभी को नुआखाई की हार्दिक शुभकामनाएं। यह प्रिय त्योहार हमारे किसानों के परिश्रम और त्याग का

स्मरण कराता है। यह त्योहार हमें उन अन्नदाताओं के प्रति गहरी कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर देता है, जिनकी मेहनत हम सभी का भरण-पोषण करती है। मैं सभी के जीवन में अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं। नुआखाई जुहार।'उल्लेखनीय है कि नुआखाई पूर्वी भारत, विशेषकर ओडिशा और छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों में धूमधाम से मनाया जाने वाला कृषि पर्व है, जिसमें नई फसल की पूजा कर धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है।

विरार इमारत हादसे में मृतकों की संख्या 17 हुई, 5-5 लाख रुपये की सहायता का ऐलान

मुंबई। पालघर जिले के विरार में हुए इमारत हादसे में गुरुवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की सहायता दिए जाने की घोषणा की है। इस घटना में नौ लोगों को बचा लिया गया है और उनका इलाज नजदीकी अस्पतालों में हो रहा है। साथ ही इस घटना के लिए जिम्मेदार बिल्डर को भी विरार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विरार के विजय नगर में स्थित रमाबाई

बिल्डिंग का हिस्सा मंगलवार की रात को पास ही स्थित चाल पर गिर गया था। इससे चाल पूरी तरह ध्वस्त हो गई थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही वसई-विरार नगर निगम की टीम और एनडीआरएफ की टीम मंगलवार रात से अब तक राहत और बचाव कार्य कर रही है। आज दोपहर में तलाशी मुहिम के दौरान इमारत के मलबे से दो और शव निकाले गए, जिससे इस घटना में मृतकों की संख्या 17 हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चौथी मंजिल पर एक साल की बच्ची की जन्मदिन की पार्टी चल रही थी, जब इमारत के एक हिस्से के 12 फ्लैट ढह गए, जिससे मलबे में रहने वाले और मेहमान दब गए। मृतकों में जिस बच्ची का जन्मदिन मनाया जा रहा था, वह बच्ची और उसकी मां भी शामिल है। मौके पर अब भी तलाशी मुहिम जारी है। वीवीएमसी के सहायक आयुक्त गिलसन गोंसाल्वेस ने कहा कि सभी प्रभावित परिवारों को चंदनसर समाज मंदिर में अस्थायी रूप से रखा गया है। उन्हें भोजन, पानी, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सेवाएं दी जा रही हैं।

डीयू के छात्रों के लिए फिर से शुरू की गई यू-स्पेशल बस सेवा: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली। गुरुवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीयू के छात्रों के लिए यू-स्पेशल बस सेवा को फिर से शुरू किया। यू-स्पेशल बस सेवा की शुरुआत 25 बसों के साथ की गई, जो डीयू के 67 कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को कवर करेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यू-स्पेशल बस सेवा (-स्श्चद्गष्द्बड्डद्य क्चह्वह्य) को फिर से शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार छात्रों को मेट्रो ट्रेनों में रियायती पास उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 नई बसों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें 30 साल बाद वापस आ रही 50 पुनर्निर्मित यू स्पेशल बसें भी शामिल हैं। यू-स्पेशल बस सेवा डीयू के 67 कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को कवर करेगी। इस सेवा के तहत इलेक्ट्रिक बसें 25 से ज्यादा रूटों पर चलेंगी और मेट्रो स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर रुकेंगी। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि सभी यू-

स्पेशल बसें इलेक्ट्रिक और वातानुकूलित हैं और छात्रों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन से लैस हैं। उन्होंने बताया कि छात्र इन बसों में क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके अपने पसंदीदा गाने भी सुन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यू-स्पेशल बसों की संख्या में नियमित रूप से वृद्धि की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रदूषण से लड़ने के लिए कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और शून्य प्रदूषण वाली ई-बसें इसमें मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में भाजपा सरकार दिल्ली को आगे ले जाने और यहां के लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उधर दिल्ली विश्वविद्यालय ने भी मुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना की है। विश्वविद्यालय ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से सीएम को इस पहल को फिर से शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया। डीयू ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए समर्पित ई-बसें और यू-स्पेशल बसें शुरू करने के लिए माननीय दिल्ली के मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार व्यक्त करता है। शेष पृष्ठ 3 पर

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला

महिलाओं को 25 सितंबर से हर महीने मिलेंगे 2,100 रुपए

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने महिलाओं के सामाजिक सम्मान और सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना का शुभारंभ 25 सितंबर, 2025 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर होगा। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने ?2,100 की वित्तीय सहायता दी जाएगी। योजना के मुख्य बिंदु पात्रताः पहले चरण में 23 वर्ष या उससे अधिक उम्र की वे सभी महिलाएं (विवाहित और अविवाहित) शामिल होंगी, जिनके परिवार की सालाना आय ?1 लाख से कम है। भविष्य में अन्य आय समूहों को भी चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाएगा।

●**निवास:** योजना का लाभ लेने के लिए आवेदिका या उसके पति का हरियाणा में पिछले 15 साल से निवासी होना अनिवार्य है।

●**कोई सीमा नहीं:** योजना में एक परिवार में पात्र महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। अगर एक परिवार में तीन पात्र महिलाएं हैं, तो उन सभी को लाभ मिलेगा। कुछ मामलों में मिलेगा अतिरिक्त लाभः मंत्रिमंडल ने कुछ विशेष परिस्थितियों में महिलाओं को इस योजना का अतिरिक्त लाभ देने

का भी निर्णय लिया है। स्टेज 3 और 4 कैंसर से पीड़ित मरीज, 54 दुर्लभ बीमारियों, हीमोफिलिया, थैलेसिमिया और सिकल सेल से पीड़ित जिन आवेदिकाओं को पहले से ही पेंशन मिल रही है, उन्हें 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' का भी लाभ मिलेगा। हालांकि, अन्य 9 योजनाओं (जैसे वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा पेंशन) में अगर महिला को पहले से अधिक राशि मिल रही है, तो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

योजना का एक खास पहलू यह भी है कि अविवाहित लाभार्थी 45 वर्ष की आयु पूरी करने पर स्वतः ही 'विधवा और निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना' के लिए पात्र हो जाएंगी, और 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर 'वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन योजना' के लिए पात्र होंगी। पहले चरण में इस योजना से लगभग 20 लाख महिलाओं को फायदा मिलेगा।

आगामी प्रक्रिया:

जल्द ही इस योजना की अधिसूचना जारी की जाएगी और एक ऐप लॉन्च होगा, जिस पर पात्र महिलाएं अपना पंजीकरण कर सकेंगी। हर पात्र महिला को एसएमएस के जरिए आवेदन के लिए सूचित किया जाएगा। सभी पात्र महिलाओं की सूची ग्राम सभाओं और वार्डों में भी प्रकाशित की जाएगी, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

जम्मू-कश्मीर और पंजाब में सेना-वायु सेना ने त्वरित बाढ़ राहत अभियान चलाया

● दोनों सेनाओं ने बाढ़ राहत और बचाव कार्यों के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किए

एजेंसी
जम्मू-कश्मीर/चंडीगढ़। जम्मू-कश्मीर और पंजाब के कुछ हिस्सों में आई भीषण बाढ़ के बाद भारतीय सेना और वायु सेना ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किये हैं। दोनों सेनाओं ने बाढ़ राहत और बचाव कार्यों के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। उड़ान कौशल का प्रदर्शन करते हुए आर्मी एविएशन इकाइयां जीवन बचाने के लिए खराब मौसम में भी चौबीसों घंटे अथक परिश्रम कर रही हैं। उत्तरी पंजाब और जम्मू क्षेत्रों में भारतीय वायु सेना ने त्वरित बाढ़ राहत अभियान चलाया है।

भारतीय सेना ने 27 अगस्त को शाम लगभग 4 बजे पंजाब के गुरदासपुर के लस्सियां क्षेत्र में बाढ़ से लोगों की जान को खतरा होने की? स्थिति में साहसिक बचाव अभियान चलाया। आर्मी एविएशन इकाइयों के तीन चीता हेलीकॉप्टरों ने कई उड़ानें भरकर अत्यंत विषम उड़ान परिस्थितियों में 27 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला। भारतीय सेना इस संकट के समय में सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। व्हाइट नाइट कोर की विमानन इकाइयों ?ने जलमग्न द्वीपों में फंसे 27 संकटग्रस्त कर्मियों को हवाई मार्ग से निकालकर सुरक्षित स्थान पर ?पहुंचाया। जम्मू क्षेत्र में व्हाइट नाइट कोर के सैनिकों ने

बहुमूल्य जानें बचाई और संकटग्रस्त लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

भारतीय वायु सेना ने हेलीकॉप्टर बेड़ा सक्रिय? करके उत्तरी क्षेत्र में निकटवर्ती ठिकानों से पांच एमआई-17 हेलीकॉप्टर और एक चिनूक हेलीकॉप्टर को तैनात किया है। वायु सेना ने बचाव कार्यों में शामिल होने के लिए अतिरिक्त हेलीकॉप्टर स्टैंडबाय पर रखे हैं। चल रहे बचाव कार्यों के लिए आवश्यक आपूर्ति और प्रशिक्षित कर्मियों को उपलब्ध कराने के लिए राहत और बचाव सामग्री के साथ एक सी-130 परिवहन विमान एनडीआरएफ की एक टीम के साथ जम्मू पहुंच गया है। जम्मू के अखनूर क्षेत्र में समन्वय और दक्षता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 12 सैन्य टुकड़ियों और 3 महिला बीएसएफ कांस्टेबलों सहित 11 बीएसएफ कर्मियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित निकाला गया है। पंजाब के पठानकोट क्षेत्रमें बाढ़ के तीव्र होने पर भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने फंसे हुए 46 नागरिकों को सफलतापूर्वक निकाला। इसके अलावा स्थानीय समुदायों की सहायता के लिए 750 किलोग्राम से अधिक आवश्यक राहत सामग्री हवाई मार्ग से गिराई गई।

भारतीय सेना ने पश्चिमी सीमा पर किया ड्रोन अभ्यास

जोधपुर। दक्षिणी कमान के अंतर्गत बैटल एक्स डिवीजन ने कोणार्क कोर के तत्वावधान में जैसलमेर में ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम की सफलतापूर्वक जांच और मान्यता के लिए एक्सरसाइज ड्रोन अस्त्र- ।। का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आधुनिक युद्धक्षेत्र में ड्रोन तकनीक और उसके प्रतिरोधक उपायों की क्षमता का परीक्षण करना था। अभ्यास के दौरान वास्तविक समय में बैटल स्पेस मैनेजमेंट की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया गया। बड़े पैमाने पर ड्रोन एवं काउंटर ड्रोन ऑपरेशन्स को अंजाम देते हुए यह अभ्यास भारतीय सेना की बढ़ती तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण साबित हुआ। अभ्यास में विभिन्न प्रकार के ड्रोन सिस्टम का संचालन और उनके विरुद्ध प्रतिरोधक उपायों की तैनाती की गई। इस दौरान सेना ने यह सुनिश्चित किया कि हर परिस्थिति में ड्रोन हमलों का सामना करने और उन्हें निष्क्रिय करने की रणनीति प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

निजी स्कूल की बस खाई में गिरी...12 से ज्यादा बच्चे घायल

हल्द्वानी (एजेंसी)। उत्तराखंड के हल्द्वानी के बरेली रोड पर जयपुर बीसा गांव में सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। निजी स्कूल की बस, जिसमें बच्चे सवार थे, दूसरी बस को साइड देने के चक्कर में अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई।हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई कर सभी बच्चों को बाहर निकाला, जिसमें 12 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बस चालक और परिचालक को भी गंभीर चोटें आई हैं। बताया जा रहा हैं कि हादसा पदमपुर देवलिया गांव के पास हुआ, जहां बस बच्चों को स्कूल ले जा रही थी। घटनास्थल स्कूल के करीब होने की वजह से स्थानीय लोगों ने निजी वाहनों से घायलों को हल्द्वानी के निजी अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दो स्कूल बसें चौराहे के पास साइड ले रही थीं। इस दौरान एक बस ज्यादा किनारे चली गई और खाई में पलट गई। उन्होंने बताया कि बस में करीब 40 बच्चे सवार थे, जिनमें से 12 से ज्यादा घायल हुए। प्रधान ने कहा, इस क्षेत्र के बस चालक अक्सर नशे की हालत में गाड़ी चलाते हैं। पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने बताया कि हादसे वाली जगह पर नाला है, लेकिन शुक्र है कि नाले में पानी नहीं था, वरना कई बच्चों की जान जा सकती थी।

भूस्खलन के कारण चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे बंद... कंगना ने प्रभावित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे फिर से बंद हुआ है।इस भूस्खलन में पंडोह डैम के करीब, कैंची मोड़ पर, हाईवे का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। इस घटना ने यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी बढ़ा दी है। बात दें कि वर्तमान में हाईवे पूरी तरह बंद है। वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए कोई रास्ता नहीं। इस घटनाक्रम पर मंडी से सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने दुख जाहिर कर प्रभावित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि वह प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं और राहत कार्य जारी है। फिलहाल, मंडी से कुल्लू-मनाली के लिए कटौला मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।यहां छोटे वाहनों को हर एक घंटे में जाने की अनुमति है।2023 में भी इसी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ था, जिससे हाईवे को ठीक करने में 8 महीने लगे थे। स्थानीय प्रशासन और एनएचएआई की टीमें मौके पर मौजूद हैं और मरम्मत कार्य में लगी हैं, लेकिन लगातार बारिश और भूस्खलन का खतरा काम को मुश्किल बना रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे जरूरी होने पर ही यात्रा करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

वैष्णो देवी मंदिर के पास हुए भीषण भूस्खलन में अब तक 35 शव बरामद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर के पास भीषण भूस्खलन के बाद बचाव दल ने गुरुवार सुबह तक मलबे से 35 शव बरामद कर लिए हैं। जम्मू के कई इलाकों में बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कुल 39 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कटरा भूस्खलन में मारे गए लोग भी शामिल हैं। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुंवारी के पास मलबे से अभी तक 35 शव बरामद किए गए हैं। अब तक 22 शवों की पहचान हो चुकी है। इसमें ज्यादातर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से कई के परिवार कटरा पहुंच चुके हैं और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव उनके परिजनों को सौंपे जा रहे हैं। भूस्खलन की घटना के बाद माता वैष्णो देवी यात्रा स्थगित की थी, लेकिन बुधवार शाम को पुराने मार्ग से बहाल कर दी गई।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता, एनकाउंटर के बाद बिश्नोई गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में अपराध पर लगाम कसते हुए दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो अपराधियों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में हुई, जहां पुलिस ने दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर दोनों बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दोनों के पैरों में गोली मारी और उन्हें घायल कर दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कार्तिक जाखड़ और कविश के रूप में हुई है। दोनों लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं और इन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए हैं। इस बीच झारखंड एटीएस ने भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। इसी महीने की शुरुआत में झारखंड पुलिस ने गैंगस्टर मयंक सिंह को अजरबैजान की राजधानी बाकू से प्रत्यर्पित कर भारत लाया। एटीएस के एसपी ऋषव कुमार झा ने इसे झारखंड पुलिस के इतिहास में पहला सफल प्रत्यर्पण बताया है। बताया जा रहा है कि मयंक सिंह, अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई के बीच संपर्क का माध्यम था। उसके खिलाफ झारखंड, राजस्थान समेत कई राज्यों में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उससे गिरोह के नेटवर्क और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग में भूकंप के झटके से सहमे लोग

पूर्वी कामेंग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले में गुरुवार की सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह 8.05 बजे आया और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में एनसीएस ने बताय कि भूकंप की तीव्रता 3 ।6 मैग्निट्यूड आंकी गई है। भूकंप के बाद किसी जानमाल की हानी की बात सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, इससे पहले 23 अगस्त को असम के कार्बी आंगलोंग में 2.7 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं: भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि संघ का कार्य शुद्ध सात्त्विक प्रेम और समाजनिष्ठा पर आधारित है। संघ का स्वयंसेवक कोई व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा नहीं रखता। यहां इंसेंटिव नहीं हैं, बल्कि डिसइंसेंटिव अधिक हैं। स्वयंसेवक समाज-कार्य में आनंद का अनुभव करते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को प्राथमिकता दें तथा भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला 100 वर्ष की संघ यात्रा - नए क्षितिज के दूसरे दिन बुधवार को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, उत्तर क्षेत्र के प्रांत संघचालक पवन जिंदल और दिल्ली प्रांत संघचालक डॉ. अनिल अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे।सरसंघचालक ने चिंता जताई कि दुनिया कट्टरता, कलह और अशांति की ओर जा रही है। पिछले साढ़े तीन सौ वर्षों में उपभोगवादी और जड़वादी दृष्टि के कारण मानव जीवन की भद्रता क्षीण हुई है। उन्होंने गांधी जी के बताए सात सामाजिक पापों, काम बिना परिश्रम, आनंद बिना विवेक, ज्ञान बिना चरित्र, व्यापार बिना नैतिकता, विज्ञान बिना मानवता, धर्म बिना बलिदान और राजनीति बिना सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे समाज में असंतुलन गहराता गया है।

भागवत ने कहा कि आज दुनिया में समन्वय का अभाव है और दुनिया को अपना नजरिया बदलना होगा। दुनिया को धर्म का मार्ग अपनाना होगा। पूजा-पाठ और कर्मकांड से परे धर्म है। सभी प्रकार के रिलिजन से ऊपर धर्म है। धर्म हमें संतुलन सिखाता है - हमें भी जीना है, समाज को भी जीना है और प्रकृति को भी जीना है। धर्म ही मध्यम मार्ग है जो अतिवाद से बचाता है। धर्म का अर्थ है मर्यादा और संतुलन के साथ जीना। इसी दृष्टिकोण से ही विश्व शांति स्थापित हो सकती है। उन्होंने कहा कि आज समाज में संघ की साख पर विश्वास है। संघ जो कहता है, उसे समाज सुनता है।यह विश्वास सेवा और समाजनिष्ठा से अर्जित हुआ है।

भविष्य की दिशा पर सरसंघचालक ने कहा कि संघ का उद्देश्य है कि सभी स्थानों, वर्गों और स्तरों पर संघ कार्य पहुँचे। साथ ही समाज में अच्छा काम करने वाली सज्जन शक्ति आपस में जुड़े। इससे समाज स्वयं संघ की ही तरह चरित्र निर्माण और देशभक्ति के कार्य को करेगा। इसके लिए हमें समाज के कोने-कोने तक पहुंचना होगा। भौगोलिक दृष्टि से सभी स्थानों और समाज के सभी वर्गों एवं स्तरों में संघ की शाखा पहुंचानी होगी। सज्जन शक्ति से हम संपर्क करेंगे और उनका आपस में भी संपर्क कराएंगे। आर्थिक दृष्टि पर उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयोग हुए हैं, लेकिन अब राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक प्रतिमान गढ़ना होगा। हमें एक ऐसा विकास मॉडल प्रस्तुत करना होगा, जिसमें आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और पर्यावरण का संतुलन हो। ताकि वे विश्व के लिए उदाहरण बनें। पड़ोसी देशों से रिश्तों पर उन्होंने कह कि ÷नदियाँ, पहाड़ और लोग वही हैं, केवल नक्शे पर लकीरें खींची गई हैं। विरासत में मिले मूल्यों से सबकी प्रगति हो, इसके लिए उन्हें जोड़ना होगा। पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं, पर संस्कारों पर मतभेद नहीं है।

झारखंड विधानसभा में शिबू सोरेन को भारत रत्न देने को लेकर प्रस्ताव पारित

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में दिशोम गुरु दिवगंत शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया है। यह प्रस्ताव गुरुवार को मानसून सत्र के आखिरी दिन रखा गया था। प्रस्ताव में, सामाजिक कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने शिबू सोरेन के झारखंड आंदोलन में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके संघर्ष ने झारखंड को एक नया राज्य और नई पहचान दी। इस प्रस्ताव के साथ, झारखंड के नेता प्रतिपक्ष, बाबूलाल मरांडी ने जयपाल सिंह मुंडा और विनोद बिहारी महतो को भी भारत रत्न देने की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने भी प्रस्ताव में एक महत्वपूर्ण बात जोड़ने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में आदिवासी समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है, लेकिन अभी तक किसी भी आदिवासी आंदोलनकारी, राजनीतिज्ञ, या बुद्धिजीवी को भारत रत्न नहीं मिला है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शिबू सोरेन को भारत रत्न दिया जाना चाहिए, और यह बात भी प्रस्ताव में जोड़ी जाए। बता दें कि लंबी बीमारी के बाद 4 अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद से ही उन्हें भारत रत्न देने की मांग जोर पकड़ रही थी, और अब इस प्रस्ताव को विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया है।

ट्रंप के टैरिफ विवाद के बीच शिवराज की अपील... स्वदेशी अपनाना, भारत को अपनाने जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ विवाद के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वदेशी अपनाओ का नारा देकर कहा है कि अगर हमें आगे बढ़ना है, तब हम सभी को स्वदेशी को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना, भारत को अपनाने जैसा है। केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने पोस्ट कर लिखा, स्वदेशी ही भारत की असली शक्ति है। अगर हमें आगे बढ़ना है, तब स्वदेशी को अपनाना होगा। स्वदेशी सिर्फ वस्त्र या वस्तु नहीं, यह आत्मनिर्भरता का मंत्र है। यह हमारे किसानों की मेहनत का सम्मान है, हमारे कारीगरों के हुनर की पहचान है और हमारे उद्योग व युवाओं की ताकत है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने लिखा, स्वदेशी यानी अपनी माटी की खुशबू है। स्वदेशी यानी वह समान, जिस सामान को बनाने में हमारे देशवासियों का पसीना बहाया है। जब हम स्वदेशी अपनाते हैं, तब हम सिर्फ एक वस्तु नहीं चुनते, बल्कि भारत के भविष्य को चुनते हैं।

चौहान ने लिखा है, हमारे स्वदेशी सामान अपनाने से गांव मजबूत, किसान संपन्न, उद्योग बढ़ने और भारत आत्मनिर्भर बनेगा। इससे पहले चौहान ने एक कार्यक्रम कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपील की है और हम सभी को अपील पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हम अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करें। उन्होंने अनुरोध कर कहा, आप सबसे अपील है कि अपने दैनिक जीवन में काम आने वाली चीजों में स्वदेश में बने उत्पादों का ही उपयोग करें। यह हमारे देश के लोगों को रोजगार देगा और हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगा।

हिमाचल में बारिश का तांडव, तीन दिन में जाम में फंसे ट्रक... सब्जी और खाने की चीजों की किल्लत

कुल्लू (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा। भारी बारिश के चलते बानला में हुए भूस्खलन ने चंडीगढ़-मनाली हाईवे को पूरी तरह ठप किया है। यहां कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। हिमाचल में कई सड़कें टूट गई हैं और नदियां उफान पर हैं। इसके बाद यात्रियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

कुल्लू जिले के बानला में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, इससे चंडीगढ़-मनाली हाईवे अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क की मरम्मत का काम जोर-शोर से चल रहा है, लेकिन प्रकृति के इस प्रकोप के आगे अभी राहत की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। ब्यास नदी के उफान ने हाईवे का एक हिस्सा बहा दिया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

बीते तीन दिनों से मंडी जिले के पंडोह से ऑट तक हाईवे बंद है। सैकड़ों ट्रक और कारें सड़क पर फंसी हैं और ड्राइवरों का सब्र भी जवाब दे रहा है। सब्जियां और सामान खराब हो रहे हैं, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। अमृतसर से कुल्लू-मनाली जा रहे ड्राइवर ने बताया, चार दिन हो गए, हम यहीं फंसे हैं। सड़क की हालत खराब है और टोल टैक्स के 260 रुपये भी वसूल रहे हैं। प्रशासन से कोई जवाब नहीं मिल रहा।

वहीं, ड्राइवर ने कहा, घर पहुंचना मुश्किल हो गया है। सड़कें टूटी हैं, नदियां उफान पर हैं। प्रशासन ने खाने-पीने या ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं की। कुछ ढाबे वाले और लंगर वालों की मदद से जैसे-तैसे गुजारा हो रहा है।

कुल्लू की उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि जिले के कई हिस्सों को खाली कराया जा रहा है। लगातार बारिश से नेशनल हाईवे कई जगह क्षतिग्रस्त है। ब्यास नदी का जलस्तर बहुत ऊंचा है। लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील है। उन्होंने बताया कि बिंदु ढांक में हाईवे को भारी नुकसान पहुंचा है और बहंग में कुछ दुकानें और रेस्तरां पानी की चपेट में हैं।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू....पात्र महिला के खाते में 2100 रुपए आएंगे

चंडीगढ़ ।हरियाणा में नायाब सैनी सरकार की कैबिनेट की गुरुवार को हुई बैठक में बीजेपी के चुनावी संकल्प पत्र के वादे को पूरा कर लाडो लक्ष्मी योजना पर मुहर लगाकर महिलाओं को बड़ी सौगात दी गई।हरियाणा सीएम ने कैबिनेट की बैठक के बाद बताया कि 25 सितंबर से हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू की जाएगी।हर महीने पात्र महिला को 2100 रुपए मिलने है।सीएम सैनी ने बताया कि कुछ ही दिनों में लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का नोटिफिकेशन भी सरकार जारी करेगी।उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए एक एप तैयार होगा।उन्होंने इस दौरान कांग्रेस और पंजाब की मान सरकार पर निशाना साधकर कहा कि उन्होंने कभी अपने वादे पूरे नहीं किए लेकिन हरियाणा की बीजेपी सरकार ने जो भी वादे किए थे, सभी को पूरा किया जा रहा है।हरियाणा सीएम ने गुरुवार को बड़ा सरप्राइज देकर हरियाणा की महिलाओं को ये सौगात दी।इससे पहले उन्होंने कहा था कि पहले बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और दूसरे बजट आने के साथ ही योजना को लागू कर दिया जाएगा।

कहीं शशि थरूर सीएम तो नहीं बनना चाह रहे..? केरल कांग्रेस में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर इन दिनों अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने कहा है कि वह केरल की अर्थव्यवस्था को सुधारने और राज्य को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने पर काम करना चाहते हैं। थरूर ने साफ किया कि यदि वह इस दिशा में योगदान दे सके तो यह उनके लिए किसी भी पद से ज्यादा महत्वपूर्ण होगा। उनके हालिया बयान ने सियासी हलचल तेज कर दी है और पार्टी के भीतर चर्चाएं होने लगी हैं कि क्या थरूर आने वाले समय में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने जा रहे हैं।

यहां ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम में बोलते हुए थरूर ने कहा, कि केरल को एक 'इन्वेस्टर प्रोटेक्शन एक्ट' की सख्त जरूरत है। उनके मुताबिक, निवेशकों को भरोसा होना चाहिए कि उनका पैसा सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा, कि कारोबार में नुकसान अलग बात है, लेकिन राजनेताओं, अधिकारियों या यूनियनों की वजह से कोई निवेशक प्रभावित नहीं होना चाहिए। थरूर ने यह भी कहा कि राज्य में हड़तालों पर रोक लगाई जानी चाहिए और अनावश्यक नियमों को 90 प्रतिशत तक कम करना होगा।

अर्थव्यवस्था को सुधारने पर फोकस

सांसद थरूर ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि केरल कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है और उसे बदलाव की सख्त जरूरत है। उनका कहना है कि सही नीतियों के जरिये राज्य को निवेश और विकास का केंद्र बनाया जा सकता है। इसी बीच जब उनसे पूछा गया कि क्या वह मुख्यमंत्री पद की ओर देख रहे हैं, तो थरूर ने कहा, कि मैंने कभी किसी पद की चाह नहीं रखी। मुझे हमेशा लोगों ने बुलाया और मैंने सेवा की। कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में भी मैंने केवल इसलिए हिस्सा लिया क्योंकि कई लोगों ने मुझसे ऐसा करने को कहा था।

यहां बताते चलें कि अगले साल केरल विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अगुवाई में एलडीएफ तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के लिए यह चुनाव करो या मरो की स्थिति जैसा है। पार्टी के भीतर इस बात पर मंथन जारी है कि आगामी चुनाव में किसे नेतृत्व की जिम्मेदारी दी जाए।

थरूर के अलावा वीडी सतीसन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्नीथला के नाम भी संभावित चेहरों में गिने जा रहे हैं। कुल मिलाकर, थरूर के बयानों ने कांग्रेस खेमे में नए समीकरणों की चर्चा को हवा दे दी है। अब देखना यह होगा कि पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने पर विचार करती है या नहीं।

जब तक मैं जीवित हूं, लोगों का मताधिकार किसी को भी छीनने नहीं दूंगी... बीजेपी पर बरसीं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश के विभाजन के दौरान, लोगों की भाषा बांग्ला थी, इसीलिए वे बांग्ला में बात करते हैं। भाजपा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 500 सदस्यीय टीम लाकर सर्वेक्षण कर रही है। अपने दस्तावेज़ उनके साथ साझा न करें। क्योंकि वे आपके दस्तावेज़ एकत्र करने और मतदाता सूची से आपके नाम हटाने की योजना बना रहे हैं। बस आधार कार्ड ले जाएं क्योंकि यह एक अनिवार्य आईडी प्रूफ है।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका (आयोग का) अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभायी गयी भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''अगर बांग्ला ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को भुला दें। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

मता बनर्जी ने कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं देंगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों पर भाषाई आतंक फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हम महिलाओं के लिए 'लक्ष्मी भंडार' योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास 'भ्रष्टाचार भंडार' और भाई-भतीजावाद है। वे देश को लूट रहे हैं, जबकि हम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम दल पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह (वाम दल) उनसे मुकाबला करने के लिए भाजपा से हाथ मिला रहा है।

पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहले हम देखते थे कि हर कोई वोट देकर अपने प्रतिनिधियों को चुनकर सत्ता में आता था। लेकिन आज हम देखते हैं कि मौजूदा सरकार अपने हितों की रक्षा के लिए अपने मतदाताओं को चुन रही है। पहले लोग सरकार चुनते थे, अब सरकार लोगों को चुन रही है (जिन्हें वोट देने की अनुमति होगी)। क्या बंगाल इसके खिलाफ लड़ेगा या नहीं?

उत्तर भारत में सबसे ज्यादा सक्रिय रहा मानसून, सामान्य से 21 प्रतिशत ज्यादा हुई बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 12 सालों में इस साल सबसे ज्यादा बारिश उत्तर भारत में हुई है। यहां अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत ज्यादा पानी गिरा है। पिछले साल अगस्त में भारी (64.4-115.5एमएम) से बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4एमएम) की घटनाएं ज्यादा हुई थीं, लेकिन अत्यंत भारी वर्षा की घटनाएं इस साल के मुकाबले कम थीं। पिछले साल उत्तर भारत में अगस्त का महीना 1996 के बाद (28 वर्षों में) सबसे अधिक बरसात वाला रहा। पूरे क्षेत्र में 256.4एमएम बारिश दर्ज की गई थी। लेकिन, इस साल मौजूदा महीने में अभी तक (26 अगस्त तक) 209.4 एमएम वर्षा दर्ज हो चुकी है और पांच दिन बाकी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अभी एक या दो दिन यही स्थिति बनी रह सकती है।

आईएमडी के अनुसार 25 अगस्त तक उत्तर भारत में अत्यंत भारी बारिश की 21 घटनाएं दर्ज की हैं, जो कि पिछले साल की ऐसी 14 घटनाओं से कहीं ज्यादा है। 2013 के मानसून में ही उत्तराखंड में केदारनाथ वाली तबाही आई थी। सबसे चिंताजनक बात ये है कि अगस्त में इस इलाके ने अबतक सबसे ज्यादा अत्यंत भारी वर्षा वाले दिन दर्ज किए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 2021 से यह डेटा जुटाना शुरू किया है। आशंका है कि इस महीने के अंत तक अत्यंत भारीवर्षा वाली घटनाओं की संख्या और बढ़ेगी, जिससे हाल के वर्षों में यह सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाले मानसून में शामिल हो जाएगा। आईएमडी के मुताबिक अत्यंत भारी वर्षा का मतलब है, जब किसी जगह पर 24 घंटे में 204.5एमएम से अधिक बारिश होती है। यही नहीं, इस बार के मानसून में उत्तर भारत ने अबतक के तीनों महीनों (जून, जुलाई, अगस्त) में सरप्लस बरसात दर्ज की है, जो कि देश के चारों क्षेत्रों में सबसे अधिक है और यह भी 2013 के बाद पहली बार हो रहा है।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही अत्यधिक बारिश

आईएमडी प्रमख मृत्युंजय महापात्रा के अनुसार, पिछले दो महीनों में उत्तर पश्चिम भारत (मौसम विभाग के हिसाब से उत्तरी भारत) में खूब बारिश हुई है। इसका मुख्य कारण है, पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आने वाली मॉनसूनी हवाओं का बार-बार टकराना। कभी-कभी अरब सागर से भी मानसूनी हवाएं आती हैं। आईएमडी उत्तर पश्चिम भारत में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को शामिल करता है। आईएमडी के अनुसार अत्यंत भारी वर्षा की ज्यादातर घटनाएं हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू और कश्मीर में हुई हैं।

डीयू के छात्रों के लिए फिर से शुरू की गई यू-स्पेशल बस सेवा: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

यह पहल स्थायी परिवहन को मजबूत करेगी और हजारों युवा छात्रों को लाभान्वित करेगी। गुप्ता राजधानी की पिछली सरकार पर वार करते हुए कहा, जहां पिछली सरकार यू-टर्न लेती थी, वहीं हमारी सरकार हमेशा आगे की ओर अग्रसर रहती है और दिल्ली को आगे ले जाती है। उन्होंने बताया कि यू-स्पेशल बसें विश्वविद्यालय की जीवन रेखा हुआ करती थीं, जिनमें हजारों छात्र अपने कॉलेजों तक आते-जाते थे, लेकिन यह सेवा बंद कर दी गई।

एम्स के डॉक्टरों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट में अपील खारिज

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने एम्स में जातिवादी भेदभाव और उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े एक मामले में पीड़िता की अपील को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति अमित शर्मा की एकल पीठ ने अपने फैसले में साकेत कोर्ट के 7 सितंबर 2024 के आदेश को बरकरार रखा। इस आदेश में आरोपी डॉक्टरों डॉ. विलास समृत (एसोसिएट प्रोफेसर) और डॉ. रितु दुग्गल (प्रोफेसर एंड चीफ) को एससी एसटी एक्ट और आईपीसी की कुछ धाराओं से डिस्चार्ज कर दिया गया था। हालांकि, तीसरे आरोपी पर यौन उत्पीड़न का मुकदमा चलाने का आदेश यथावत रहेगा। मामला 2020 का है, जब एम्स में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर (पीड़िता, अनुसूचित जाति वर्ग से) ने आरोप लगाया था कि डॉ. विलास समृत ने 16 मार्च 2020 को ओपीडी में उनके साथ जातिवादी टिप्पणियां कीं, जैसे तू एससी की है, अपने लेवल में रह और काली बिल्ली की तरह रास्ता मत काट। पीड़िता ने आरोप लगाया कि डॉ. समृत ने उन्हें शारीरिक रूप से असुविधाजनक तरीके से छुआ और कुर्सी से हिंसक तरीके से हटाया। डॉ. दुग्गल पर आरोप था कि उन्होंने पीड़िता की शिकायतों को नजरअंदाज किया और जातिवादी टिप्पणियां कीं। पीड़िता ने कहा कि इस उत्पीड़न से परेशान होकर उन्होंने 17 अप्रैल 2020 को दवा की ओवरडोज ली। उसके बाद वे अस्पताल में भर्ती हुईं। जांच के दौरान पीड़िता के बयान लिए गए, लेकिन हाईकोर्ट ने पाया कि पीड़िता की पहली शिकायत में जातिवादी टिप्पणियों का जिक्र नहीं था। बाद के बयानों में ये आरोप जोड़े गए, लेकिन जांच में कोई स्वतंत्र गवाह या सबूत नहीं मिला।

पिछली सरकार यू टर्न थी, हमारी सरकार फॉरवर्ड गियर है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 28 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिसर से 100 नई इलेक्ट्रिक बसों और कॉलेज छात्रों के लिए 25 यूनिवर्सिटी स्पेशल (यू-स्पेशल) बस सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कल विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई यह इलेक्ट्रिक बसें न केवल प्रदूषण कम करेंगी बल्कि यह सेवा छात्रों के लिए उनकी लाइफ-लाइन भी बनेगी। इस समारोह में सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, विधायक सूर्या प्रकाश खत्री, परिवहन आयुक्त निहारिका राय और डीटीसी के प्रबंध निदेशक प्रिंस धवन व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यू-स्पेशल बसों की शुरुआत युवाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और पर्यावरण हितैषी परिवहन का नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि कभी यू- स्पेशल बसें विद्यार्थियों के लिए लाइफ लाइन मानी जाती थी। अब हमने इसे दोबारा शुरू कर उसे फिर से छात्रों के लिए जीवन-रेखा बना दिया है। उन्होंने जानकारी दी कि छात्रों के लिए चलने वाली ये बसें आधुनिक सुविधाओं जैसे एसी, सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन और म्यूजिक सिस्टम से लैस हैं, ताकि छात्रों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा मिल सके। मुख्यमंत्री ने युवाओं को आह्वान किया कि वे केवल नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले भी बनें। उन्होंने कहा कि दिल्ली

सरकार स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए नई नीतियां ला रही है, ताकि युवाओं की नवाचार और रचनात्मकता समाज के विकास में अहम योगदान हो। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली का समुचित विकास इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि पिछली सरकार यू टर्न की सरकार थी। जब देखो यू टर्न करती थी। पर आज की यह सरकार फॉरवर्ड गियर की सरकार है। हर चीज को आगे बढ़ाना चाहती है। हमारी सरकार चाहती है कि दिल्ली प्रगति की राह में आगे बढ़े, देश की राजधानी का पर्यावरण बेहतर हो और जीवन-यापन आसान हो। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पिछली सरकारों ने दिल्ली को केवल लूटा, दिल्ली के अधिकारों का गबन किया और केवल अपने घर भरे। उन्होंने दिल्ली की चिंता नहीं की। आज जब ईमानदार सरकार काम करती है, तो यह दिल्ली की चिंता करती है। हम दिल्ली को बेहतरी के लिए पिछले छह माह से लगातार प्रभावी तरीके से काम कर रहे हैं। हमारी सरकार दिल्ली की गंदगी, प्रदूषण और बदहाल इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने के लिए कई योजनाओं पर अमल कर रही है। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि मैं दिल्ली की लोकप्रिय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी का धन्यवाद करना चाहता हूं जिनके नेतृत्व में इस घोषणा के एक महीने के अंदर ही डीटीसी की यू स्पेशल बसों का संचालन शुरू हो गया है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हम दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहते हैं। उनकी प्रेरणा से हम परिवहन सेवाओं को और बेहतर बना रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि डीटीसी की यू-स्पेशल बसों को राजधानी दिल्ली के 25 से ज्यादा रूटों पर चलाया जाएगा। ये स्पेशल बसें दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ और साउथ कैंपस के कॉलेजों को आपस में जोड़ने का काम करेंगी। साथ ही ये बसें दिल्ली के नॉर्थ और साउथ कैंपस में बने दिल्ली यूनिवर्सिटी के 67 कॉलेजों और उसके आपपास के इलाके और मेट्रो स्टेशनों को दिल्ली के कई महत्वपूर्ण स्थानों से भी जोड़ने का काम करेंगी। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने छात्रों से अपील की कि वे अपने निजी वाहनों के बजाए डीटीसी बसों का उपयोग करें।

चाकूबाज पत्नी की शिकायत कर पुलिस के सामने फूट-फूटकर रोया पति

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद स्थित लोनी से दो बच्चों के साथ बुधवार को पुलिस कार्यालय पर पहुंचा युवक पुलिस आयुक्त के समक्ष फूट-फूटकर रोया और प्रेमी पत्नी से जान बचाने की गुहार लगाई है। पीड़ित पति ने बताया कि उनकी पत्नी इंस्टाग्राम पर रील डालने और लाइक लेने के फेर में गैर मर्दों के साथ अश्लीलता करती है। विरोध करने पर होने वाली कहासुनी की भी रील बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड करती है। कभी बिजली का तार पकड़ती है तो कभी आत्महत्या के लिए खुद पर पेट्रोल छिड़कर रील बनाती है। पत्नी ने सभी हदें तब पार कर दी जब चाकू लेकर पति के पीछे दौड़ी। हमले की वारदात की वीडियो पुलिस आयुक्त को दिखाकर पीड़ित ने पत्नी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को जनसुनवाई के दौरान लोनी का युवक अपनी नौ वर्षीय बेटी और छह वर्षीय बेटे के साथ पुलिस आयुक्त कार्यालय में सबसे पीछे वाली कतार में गुमसुम बैठ गया। 15-20 जनसुनवाई होने के बाद युवक को अपनी शिकायत बताने का मौका मिला। इस पर उसने पुलिसकर्मियों को पुलिस आयुक्त से अकेले में मिलने की बात कही। जनसुनवाई के करीब डेढ़ घंटे बाद अकेले में पीड़ित पुलिस आयुक्त के पास पहुंचा और फूट-फूटकर रोने लगा। बताया कि वर्ष 2009 में उनका निकाह हुआ। 15 वर्षों तक सब कुछ ठीक चला और दो बच्चे भी हैं। वर्ष 2024 में पत्नी को इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाकर अपलोड़ करने का जुनून सवार हो गया। जुनून को पूरा करने के लिए रील की खातिर नई-नई तरकीब सोचने लगी। बताया कि उनकी पत्नी रील बनाते वक्त दूसरे मर्दों की बांहों में झूलती और अश्लील हरकत करती नजर आती है। विरोध करने पर उसके दोस्त हत्या की धमकी देते हैं। घरेलू कामकाज छोड़कर रील बनाने में व्यस्त रहती है। बताया कि दंपती में कहासुनी होने पर भी रील बनाती है और अपलोड करती है। रील के प्रति पत्नी का जुनून इस कद्र बढ़ गया है कि लोकप्रियता पाने के लिए कभी अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लेती है तो कभी दीवार में सिर पटकती है। कभी बिजली का तार पकड़कर तो कभी सिलेंडर खोलकर आग लगाने और आत्महत्या की धमकी देती है। आरोप है कि एक माह पूर्व पत्नी ने उन पर चाकू से हमला किया। बताया कि 29 जून 2025 को कहासुनी के बाद पत्नी ने डायल 112 पर कॉल कर घर पर पुलिस बुला ली और झूठे आरोप लगाकर उन्हें जेल भिजवा दिया। क्रूरता और गलत आचरण का विरोध करने पर अपने भांजे और दोस्त से हत्या की धमकी दिलाती है और झूठे मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी देती है। पीड़ित ने पत्नी की क्रूरता और गाली-गलौच और चाकू से हमला करने की वीडियो पुलिस आयुक्त को सौंपी है। 16 सेकंड की इस वीडियो में पति अपनी गोद में बच्चा लिए हुए है और उसकी पत्नी चाकू लेकर उसके सामने खड़ी है। दो बच्चे रोते-बिलखते नजर आ रहे हैं। वीडियो में पत्नी एक के बाद एक तीन चार हमले किए। किसी तरह पति चाकू के हमले से बच गया। उनकी बेटी ने अपने रील प्रेमी मां के हाथ से चाकू छीना। पिछले दो माह में 200 से अधिक युवकों ने अपनी-अपनी पत्नियों की शिकायत कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की हैं। पुख्ता सुबूत के आधार पर ऐसे तीन प्रार्थना पत्रों पर मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक एकता पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत-नेपाल हिमालयी लोक संस्कृति परिषद ने बुधवार को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक एकता, हिमालयी परंपराओं और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा की। परिषद ने घोषणा की है कि आगामी दिसंबर में उत्तराखंड के हल्द्वानी (नैनीताल) में वार्षिक संगोष्ठी आयोजित होगी, जिसमें पर्यावरण और लोकसंस्कृति संरक्षण में योगदान देने वाली महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्य अतिथि के तौर पर पटपड़गंज विधानसभा के विधायक रविंद्र सिंह नेगी ने कहा, भारत और नेपाल केवल पड़ोसी देश नहीं, बल्कि साझा संस्कृति और परंपराओं के धागों से जुड़े हैं। हिमालय हमारी सांस्कृतिक स्मृतियों और लोककथाओं का आधार है। ऐसे आयोजन हमारी पहचान को मजबूत करते हैं और भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। सम्मेलन में नेपाल की प्रसिद्ध लोक गायिका इब्सल संजयाल और उत्तराखंड की जिला पंचायत सदस्य शांति उप्रेती को विशेष हिमालय गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इब्सल ने महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपनी भूमिका पर जोर दिया, जबकि शांति उप्रेती ने जैविक खेती और हिमालयी पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। परिषद के संस्थापक भुवन भट्ट ने सभी अतिथियों और मीडिया का आभार व्यक्त किया।

पेट्रोल डालकर जलाए जाने से झुलसे बुजुर्ग ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

नई दिल्ली। पूर्वी जिला के गाजीपुर इलाके में पेट्रोल डालकर जलाए जाने से बुजुर्ग ने अस्पताल में दस दिनों तक चले उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पत्नी को ससुराल ले जाने से मना करने पर दामाद ने ससुर के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। गंभीर रूप से घायल 60 साल के रणवीर सिंह को लाल बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर घटना के तीन दिन बाद आरोपी दामाद संदीप को गिरफ्तार कर लिया था। ससुर की मौत के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया 16 अगस्त को रणवीर सिंह के बाद बेटे वृजेश कुमार ने वारदात की सूचना दी थी। बृजेश ने पुलिस को बताया, वह पेशे से एक ऑटो चालक है। बहन निशा की शादी लगभग आठ साल पहले गाजियाबाद निवासी संदीप से हुई थी। शराब के नशे का आदी संदीप शादी के बाद से ही उसे परेशान करने लगा। वह उसके साथ मारपीट करता था। वृजेश ने बताया 15 अगस्त को मारपीट करने के बाद पिता रणवीर सिंह बेटी को ससुराल से मायका ले आए। अगले दिन संदीप वहां पहुंचा और निशा को वापस ले जाने की बात कहने लगा। उनके मना करने पर पहले उसने कहासुनी की और फिर उनके कंधे और सीने पर पेट्रोल डालकर लाइटर से आग लगा दी। घटना को अंजाम देकर आरोपी भाग गया। जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को पता चला कि करीब 15 दिन पहले अपने घर में गैस सिलेंडर का नॉब खोलने की कोशिश की थी और एक हफ्ते पहले उसने अपनी मां के साथ मारपीट की थी। वह शराब पीने का आदी है और परिवार के सदस्यों से अकसर झगड़ा करता था। जांच में पुलिस को पता चला कि वह पहले मॉडर्न स्कूल विजय नगर गाजियाबाद में माली का काम करता था। लेकिन पिछले 10 दिनों से वह काम पर नहीं गया था। 19 अगस्त को स्कूल के कर्मचारी से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

न्यू अशोक नगर में एनकाउंटर, स्पेशल सेल ने रोहित गोदारा गैंग के 2 बदमाश पकडे

नई दिल्ली। दिल्ली के न्यू अशोक नगर में स्पेशल सेल ने मुठभेड़ में रोहित गोदारा गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। एक बदमाश के पैर में गोली लगी। एक बदमाश का नाम कार्तिक जाखड़ है और दूसरे का नाम कविश है। इन दोनों बदमाशों का यूएस में बैठे गैंगस्टर हैरी बॉक्सर से जुड़े हैं, जिनके खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक, स्पेशल सेल को उनके न्यू अशोक नगर इलाके में इन बदमाशों के आने का इनपुट मिला था। जिसके बाद स्पेशल सेल की टीम ने जाल बिछाया और इन्हें पकड़ने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने पुलिस पार्टी पर फायर किया। जिसके जवाब में पुलिस ने एक बदमाश के पैर में गोली मार कर इन्हें काबू किया। उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिला पुलिस ने केशवपुरम इलाके में मुठभेड़ के बाद गला घोटू गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश राजू उर्फ अजय उर्फ कंगारू के दाहिने पैर के घुटने के नीचे गोली लगी है।

NAME CHANGE
I Prashant Sharma S/o Ram Bir Sharma R/o Emerald Estate ,H -604,Sector-65,South City-II, Gurgaon Haryana -122018 have changed the name of my minor daughter namely Shareya Sharma aged 15 years and she shall hereafter be known as Shreya Sharma.

NAME CHANGE
I, TETARI is legally mother of No.2801553W Rank-HAV Name-YADAV RADHESHYAM SUBHAS, Ro VILL-BIRPURA, POST-BIRPURA, TEH-RASRA, DIST-BALLIA, STATE-UTTAR PRADESH, PIN-221709,have changed my name from TETARI to TETARI DEVI and date of birth from 22/11/1961 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 23.08.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAJNI DEVI W/O UDAY SINGH RAWAT R/O J-1425, DDA Flats Mansarover Park, Shahdara, PO: Shahdara, District Shahdara, Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine has been wrongly written as RAJNI RAWATin my minor daughter namely SHAKAHI RAWAT aged 14 years in her school record. The actual name of mine is RAJNI DEVI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, D K Tyagi S/O Chhidda Singh Tyagi R/O Near Rajkiya inter collage Sector 22 Raghunathpur Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh 201301 Have changed my name to Devender Tyagi for all future purposes.

NAME CHANGE
I ARCHNA W/O MALKHAN SINGH R/O 2997 OLD BUS STAND ROAD, TRI NAGAR DELHI-110035 HAVE CHANGE MY NAME TO ARCHANA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto Known as AMAN DEEP KAUR W/o HARDEEP SINGH residing at 555, Rishi Nagar, Rani Bagh, Shakur Basti, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name and shall hereafter be known as MANDEEP KAUR.

NAME CHANGE
I hitherto Known as TARUN KUMAR S/o VINOD KUMAR residing at WP - 412, Ground Floor, Wazirpur Village, Wazirpur, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi - 110052 have changed my name and shall hereafter be known as TARUN.

NAME CHANGE
I hitherto Known as HARDEEP SINGH S/o GAJENDER SINGH residing at WZ-957, Third Floor, Near Gurudwara, Rani Bagh, Shakur Basti, Rani Bagh, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name and shall hereafter be known as PARDEEP SINGH.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Dharm Veer Yadav S/o Shri R.N. Yadav residing at 252/3-A, P.K. Road, New Delhi declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Dharam Veer Yadav and Punam Yadav in my minor son's namely Rishabh Kumar Yadav aged 14 years in his educational documents. The actual name of mine and my wife are Dharm Veer Yadav and Poonam Yadav respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PREMWATI W/o GAUTAM R/o G-307,T-Huts, Jahangirpuri, N.S. Mandi, PO: N.S. Mandi, Dist. North West Delhi, Delhi-110033, declare that name of mine has been wrongly written as SONIA in my minor son KRISHNA aged 16 years in his School Records. The actual name of mine is PREMWATI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Saurabh Aggarwal S/o Anil Aggarwal R/o B-1/140/G2, DLF Dilshad Extn.2, Bhopura, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Sorabh Aggrwal and Anil Kumar Aggarwal in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are Saurabh Aggarwal and Anil Aggarwal.

NAME CHANGE
I, GAUTAM KUMAR S/O RAM PRASAD SAHU Permanent R/O CHAKMURTZA, PAGRA, SAMASTIPUR, BIHAR-848114 and Present R/O A-123, NEW ASHOK NAGAR, DELHI-110096 have changed the name of my minor daughter ANVI ENA alias AVISKA aged 15 years and she shall hereafter be known as AVISHKA SAH.

NAME CHANGE
I, YASHVIR SINGH, R/O X-4121, GALI NO.13, SHANTI MOHALLA, GANDHI NAGAR, DELHI-110031,have changed my minor son name from Aaryavir Singh Tomar to Aryavir singh for all future purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUHAIL S/O MOHD JAVED R/O A-130/6, ABUL FAZAL ENCLAVE PART-2, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name and shall hereafter be known as MUHAMMAD ISHAAN. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, POOJA D/O SHRI ASHOK SHARMA R/O C-3, NEELKANTH APARTMENT PART-2, OPPOSITE BANK OF BARODA, BURARI, DELHI-110084 Declare that in some documents my name is mentioned as POOJA SHARMA and in some documents as POOJA but actual name is POOJA. That POOJA and POOJA SHARMA, are one and the same person.

NAME CHANGE
I, Deepshikha Bhardwaj D/o Sh. Chander Mohan Bhardwaj R/o 2788, Gali No.246, Hansa Puri, Tri Nagar, New Delhi-110035 have changed my name from Deepshikha Kaushik to Deepshikha Bhardwaj for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohammad Faris Qureshi S/O Mohammad Arif Qureshi R/O -1596 3rd floor Gali Noor Khan Pataudi House Darya Ganj Delhi -110002, have changed my minor child name from FAAZ TO FAAZ QURESHI for all future purpose

NAME CHANGE
It is for general information that I, PREMWATI W/o GAUTAM R/o G-307,T-Huts, Jahangirpuri, N.S. Mandi, PO: N.S. Mandi, Dist. North West Delhi, Delhi-110033, declare that name of mine has been wrongly written as SONIA in my minor son KARAN aged 14 years in his School Records. The actual name of mine is PREMWATI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client SHAMBHU PRASAD S/o RAMCHANDRA PRASAD R/o H. No. 659, Gali No. 11, Baba 110037 Ji Store, Malik Pur Kohi alias Rangpuri Delhi, Permanent add. Village Dulchand Pur, Post Bhandari Ps. Rahui, Distt. Nalanda, Bihar, has disowned his son Rohit Kumar and his wife namely Reena Kumari from inheritance and all his moveable and immovable properties and my client has severed all relations with them and if they will do or have done any wrongful act, they will do so on their own responsibility and my client and his family shall not in any way be held responsible. Who so ever deals with Rohit Kumar and his wife namely Reena Kumari will do so at his own risk and responsibility.
NIKHIL GAUTAM ADVOCATE
CHAMBER NO.651, DWARKA COURT COMPLEX
NEW DELHI-110075

NAME CHANGE
It is for general information that I UMA SHANKAR SHARMA S/O SUKHARI SHARMA R/O 706/A, GALI NO-8, ACTIVE PEOPLE ACADEMY, SADARPUR COLONY SECTOR-45, NOIDA SECTOR-37, PO NOIDA SECTOR-37. DIST GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 declare that name of mine, my wife and my minor son have been wrongly written as UMA SHANKAR,Asha and KARTIK KUMAR in my minor son namely KARTIK KUMAR SHARMA aged 16 years in his school record. The actual name of mine, my wife and my minor son are UMA SHANKAR SHARMA ,ASHA DEVI and KARTIK KUMAR SHARMA, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I SATISH KUMAR CHORASIYA S/o SUBODH PRASAD R/o H No. 29, Gali No. 5, Railway Fatak, Saboli Village, Mandoli, North East Delhi, Delhi - 110093, declare that name of mine , my wife and my minor daughter has been wrongly written as SATISH KUMAR , RUPA DEVI and SANJANA KUMARI in my minor daughter namely SANJNA KUMARI aged 16 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my wife and my minor daughter are SATISH KUMAR CHORASIYA , ROOPA DEVI and SANJNA KUMARI , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I SAKSHI KUMARI D/o SATISH KUMAR CHORASIYA R/o H No. 29, Gali No. 5, Railway Fatak, Saboli Village, Mandoli, Po: NandNagri, Dist: North East Delhi, Delhi - 110093, declare that name of my Father and my Mother has been wrongly written as SATISH KUMAR and RUPA DEVI in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my Father and my Mother are SATISH KUMAR CHORASIYA and ROOPA DEVI , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto Known as SANJIV KUMAR alias SANJEEV KUMAR alias SANJEEV KUMAR SHARMA S/o GIAN CHAND SHARMA, Permanent R/o H. No. 10124, Street No. 32, Janta Nagar, Janta Nagar, PO: Janta Nagar, Dist: Ludhiana, Punjab - 141003, and Present R/o PS KN Katju Marg Rohini, North West Delh, Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as SANJEEV KUMAR SHARMA.

NAME CHANGE
I, SUBHAS is legally father of No.2801553W Rank-HAV Name-YADAV RADHESHYAM SUBHAS, R/ VILL-BIRPURA, POST-BIRPURA, TEH-RASRA, DIST-BALLIA, STATE-UTTAR PRADESH, PIN-221709, have changed my name from SUBHAS to SUBHAS YADAV and date of birth from 22/11/1956 to 01/07/1951 for all future purposes. Vide affidavit dated 23.08.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Manju Devi Wife of Babu Singh Residing at House No-B84, Panchsheel Colony, Dadri, Chipyana Buzurg, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009 have changed my name and shall hereafter be known as Ram Shree.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ST SAMER MAITY Alias SAMIRAN MAITY S/O NANDA KUMAR MAITY R/O 368, AMBEDKAR MARG, MANDAWALI, VTC: MANDAWALI FAZALPUR, PO: LAXMI NAGAR DIST: EAST DELHI, DELHI-110092, have changed my name and shall hereafter be known as SAMER MAITTY.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Deepak Kumar Verma S/O Braham Singh R/O Near Shiv Mandir Gijhore, Sector 53,Noida , Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as Deepak Kumar and Ritu in my minor Son namely Chitransh Kumar aged 14 years in his School record. The actual name of mine and my wife are Deepak Kumar Verma and Reetu Rani

PUBLIC NOTICE
Be it known to all, through this Public Notice that my clients Bodhan Yadav Sto Lt. Sh. Pooran Yadav, Kaili Devi Wo Sh. Bodhan Yadav permanently R/o Gram Sewai, Barachatti, PO. Barachatti, Dist. Gaya, Bihar-824201 and presently at WZ-573, Tihar Village S.O. West Delhi, Delhi-110018 and disowned, debarred and disinherited their son namely Vikas Kumar S/o Sh. Bodhan Yadav from all their movable and immovable properties with immediate effect and also severe all kinds of relationship with him as he is not in their control and not respecting, caring and obeying them and he used to misbehave with my clients. If anyone dealing with him, shall be doing so at his/her own risks, cost and consequences
Himani Advocate
Ch. No 301A, Dwarka Courts, New Delhi-110075

NAME CHANGE
I, Anil Kumar Chaudhary S/O Ram Bir Singh R/O 221,Ahera , Baghpat, Uttar Pradesh -250609,have changed the name of my minor daughter Jhanvi Chaudhary aged 16 years and she shall hereafter be known as Anna Chaudhary

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as Charu Arya W/O Satyendra Singh,R/O Flat No-5 First Floor Prop No 330, Ward No-4, Shiv Aapartment, Mehrauli, South Delhi, Delhi 110030,have changed my name and shall hereafter be known as CHAARU ARYA.

PUBLIC NOTICE
I, Satyendra S/O Chandrapal Singh, R/O Flat No-5 First Floor, Prop No-330, Shiv Apartment, Ward No-4, Mehrauli, PO: Mehrauli, DIST: South Delhi, Delhi 110030, have changed the name of my minor daughter namely Anaya Singh aged 5 years and she shall hereafter be known as AANAYA ARYA SINGH.

NAME CHANGE
I hitherto known as Md Parveen W/O Saddam,R/O H-310, Aman Vihar, Madina Masjid, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi 110086, have changed my name and shall hereafter be known as NAHID PARVEEN.

NAME CHANGE
I hitherto known as SANGEETA alias SANGEETA BISHT daughter of Shri JATAR SINGH and wife of Shri VIJAY SHARMA, residing at KD00011404, Tower-KD-1, Klassic Shaurya, Jaypee Greens, Wish Town, Sector-134, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304, have changed my name and shall hereafter be known as SANGEETA SHARMA.

NAME CHANGE
I Dinesh Chandra S/O Bachchu Singh, R/O village sultanpur, Dhadhau, Hathras, Uttar Pradesh -281307, Have changed the name of my minor son namely Aditya aged 9 years and he shall hereafter be known HARSH DIWAKAR.

NAME CHANGE
I, No.15692381N Rank- L/HAV NAME-DHARMENDRA KUMAR residing at-VPO-GHOGHRI, TEHSIL-AMARWARA, DISTT-CHHINDWARA, M.P-480221, have changed my mother's name from RAMKANTI SURYAWANSHI to RAMA BAI SURYAWANSHI for all future purposes vide Affidavit dated 28/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.15730743W, Rank-NK Name-YADAV BABLU SHRISHYAM SINGH Residing at-H. NO.-21/B, SHIVSAMBHU SOCIETY, AMRAIWADI, AHMEDABAD, GUJARAT-380026, have changed my wife's name from SADHANA YADAV to SADHANA for all future purposes vide Affidavit dated 28/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Bharti Bhasin w/o Sarvesh kumar Chadha R/o WZ-52A/J-42 Upper Ground floor Beri wala Bagh Hari Nagar New Delhi-110064 have changed my name to Bharti Chadha for all Purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, KAPIL AGHI S/O HARISH AGHI R/O A-2/78, SECOND FLOOR, RAJOURI GARDEN, WEST DELHI, DELHI 110027, declare that name of my daughter name has been wrongly written as SAMYA AGHI. That my minor daughter name is SAMMYA AGHI aged 14 years in her Birth Certificate & Adhaar Card. The actual name of my daughter name is SAMMYA AGHI.

NAME CHANGE
I, ABHISHEK TYAGI S/O VINOD TYAGI R/O Flat No. -19, Sector-17 E, Pippal Apartment, Dwarka Sector 19, South West Delhi, Delhi - 110075 declare that name of my minor son has been wrongly written as SIDHANT TYAGI in my minor son namely SIDDHANT TYAGI aged 14 years in his school record. The actual name of my minor son is SIDDHANT TYAGI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DAKHODE ASHWINI AMOL is wife of No. 2811367N Hank- SEP Name- DAKHODE AMOL MOHAN, R VILL-DIGARGAVHAN, POST-PIMPALVIHIR, TEH-AMRAVATI, DIST-AMRAVATI, STATE-MAHARASTRA, PIN NO-444902,have changed my name from DAKHODE ASHWINI AMOL TO ASHWINI AMOL DAKHODE for all future purposes. Vide affidavit dated 23.08.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I Yash Kumar Meena S/O Gokal Chand Meena R/O 119-120 third floor, Block G pocket 4, Sector 11 Rohini, Rohini Sec-11, North West Delhi, Delhi, 110085, declare that name of mine, my father and my mother have been wrongly written as Yash Kumar, Gokal Chand and Lalita in my 12 class educational document. The actual name of mine, my father and my mother are YASH KUMAR MEENA, GOKAL CHAND MEENA and LALITA MEENA.,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RAJ KUMAR KANOJIA S/O KANHAIYA LAL resident of H NO-Z-925, GROUND FLOOR TYPE-2, TIMARPUR, DELHI-110054. have changed my name to RAJ KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I VINOD KUMAR KARIR S/O RAM PRAKASH KARIR R/O H NO-1 FIRST FLOOR RAJINDRA PARK NEW RAJINDER NAGAR NEW DELHI 110060 HAVE CHANGED MY NAME VINOD KARIR

NAME CHANGE
I, hitherto known as MAHESH KUMAR S/O HEMRAJ TALREJA R/O A-28, PRIYADARSHINI VIHAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as MAHESH KUMAR TALREJA. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, Omprakash Sharma S/o Ram Prakash Sharma R/o RZF-43, 2nd Floor, Back Side, Street No.3, Kh No.84/6, Opp- Sulabh Bhawan, Mahavir Enclave-1, Palam, New Delhi-110045, have changed my name to Om Prakash Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ramprakash Sharma S/o Late Pyare Lal Sharma R/o RZF-43, 2nd Floor, Back Side, Street No.3, Kh No.84/6, Opp- Sulabh Bhawan, Mahavir Enclave-1, Palam, New Delhi-110045, have changed my name to Ram Prakash Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I MOHD SITAB ALI CHAUDHARI S/O ZULFEQAR ALI CHAUDHARY R/O FLAT NO.1, FIRST FLOOR, A-12, OKHLA VIHAR JAMIA NAGAR DELHI-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD SITAB ALI CHAUDHARY FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I MUSKAN D/O MALKHAN SINGH R/O 2997 OLD BUS STAND ROAD, TRI NAGAR DELHI-110035 HAVE CHANGE MY NAME TO MUSKAN KHARI FOR ALL PURPOSE

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **1.विक्रम सक्सेना उर्फ विकास गुप्ता पुत्रः विरेन्दर सक्सेना, पताः** मकान नं. 1702, ए-1, टॉवर सेव्यर, ग्रीनीसेल, कॉसिंग रिपब्लिक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **2.सौरभ सिंह पुत्रः संजय कुमार, पताः** मकान नं. 007, टी-7, ड्रीम्स होम, वेव सिटी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 63/2025, U/s 318(4)/319(2)/336(3)/340(2), भारतीय न्याय संहिता, 2023,** थानाः कनॉट प्लेस, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम सक्सेना उर्फ विकास गुप्ता** और **सौरभ सिंह** मिल नहीं रहें है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम सक्सेना उर्फ विकास गुप्ता** और **सौरभ सिंह** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 63/2025, U/s 318(4)/319(2)/336(3)/340(2), भारतीय न्याय संहिता, 2023,** थानाः कनॉट प्लेस, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **विक्रम सक्सेना उर्फ विकास गुप्ता** और **सौरभ सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री यशदीप चहल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01
कमरा नं. 21, पहली मंजिल, मैन बिल्डिंग, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/11044/NDD/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदे से छापकर प्रकाित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

चकबंदी पर मुख्यमंत्री का आश्वासनः यमुनानगर से पलवल तक की समस्या का जल्द समाधान होगा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में चकबंदी से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान पानीपत जिले में चकबंदी से संबंधित एक प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि चकबंदी की समस्या केवल पानीपत तक सीमित नहीं है। यह समस्या यमुना नदी के किनारे बसे यमुनानगर से लेकर पलवल तक के सभी गांवों में है। उन्होंने कहा कि सरकार इस व्यापक समस्या को गंभीरता से ले रही है और पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रभावी समाधान निकालने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने सदन में आश्वासन दिया कि चकबंदी की प्रक्रिया का सरलीकरण करने के लिए जल्द ही प्रभावी कदम उठाए जाएंगे और इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। यह घोषणा उन हजारों किसानों के लिए राहत लेकर आई है, जो लंबे समय से इस जटिल समस्या से जूझ रहे थे।

ढाबा मैनेजर हत्या में दोषी को 10 साल कारावास

गुरुग्राम। एडिशनल सेशन जज सौरभ गुप्ता ने बादशाहपुर स्थित श्रीराम ढाबा के मैनजर को गोली मारने के मामले में दोषी को 10 साल की सजा सुनाई है। अदालत ने अलग-अलग मामलों में दोषी पर 85 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि मामला 15 जनवरी 2019 का है। उत्तरखंड के उद्यम सिंह नगर के रहने वाले किशन लाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह श्रीराम ढाबा पर मैनेजर के पद पर नौकरी करता है। अपनी शिकायत में किशन लाल ने बताया कि 9 जनवरी 2019 को 3 लड़के शराब पीकर ढाबा पर शोर मचाने लगे और गाली गलौच करने लगे। 15 जनवरी 2019 रात करीब 9 बजे वह कैश काउंटर पर खड़ा था तभी 3 लड़के हाथों में पिस्टल लेकर आए और छह दिन पहले की रंजिश को लेकर जान से मारने की नीयत से उस पर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली कोहनी और दूसरी गोली पेट को छूते हुए निकल गई। अपनी जान बचाने के लिए वह वहां से भाग गया। पुलिस ने श्याम लाल की शिकायत मामला दर्ज कर गांव शामलो कलां जिला जींद के रहने वाले अमन को गिरफ्तार कर लिया। एडिशनल सेशन जज सौरभ गुप्ता ने आरोपी को दोषी करार देते हुए धारा 307 आईपीसी के तहत 10 साल की सजा और 50 हजार का जुर्माना लगाया।

आंगनवाड़ी हेल्परों के लिए बढ़ा प्रमोशन कोटा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने निर्णय किया है कि प्रदेश में अन्य विभागों की तरह महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आते आंगनवाड़ी हेल्परों की भी प्रमोशन की जाएगी। सरकार ने प्रमोशन कोटा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है, ताकि अनुभवी हेल्परों को आगे बढने् का मौका मिले। प्रमोशन पूरी होने के बाद खाली पदों पर नई भर्ती की जाएगी। हरियाणा विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान झज्जर की विधायक गीता भुक्कल ने आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या, हेल्परों तथा वर्करों की संख्या तथा नई भर्तियों के बारे में पूछा। इसके जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि हरियाणा में कुल 25 हजार 962 आंगनवाड़ी केंद्र हैं। इन केंद्रों के लिए 25 हजार 962 वर्कर और 25 हजार 450 हेल्पर के पद स्वीकृत हैं। फिलहाल प्रदेश में 23 हजार 106 वर्कर और 20 हजार 641 हेल्पर ही काम कर रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी वर्करों और हेल्परों के खाली पदों को भरने का प्रस्ताव विभाग के पास काफी समय से विचाराधीन था। भारत सरकार के अगस्त 2022 के दिशा-निर्देश के मद्देनजर, नियुक्ति के लिए भर्ती नियमों के कारण भर्ती प्रक्रिया अटकी रही। अब सरकार इसे शुरू करने जा रही है।

विधानसभा में राई हलके की समस्याओं के समाधान की मांग

सोनीपत। राई विधायक कृष्णा गहलावत ने विधानसभा सत्र में हलके की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग रखी। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, तालाबों की सफाई, स्वच्छ पेयजल व सड़क व्यवस्था को लेकर गंभीर मुद्दे रखे। विधानसभा सत्र में राई हलके के विधायक कृष्णा गहलावत ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को उठाते हुए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा अधिग्रहित भूमि के संबंध में कहा कि वर्ष 2019 से चल रही समस्या का अब तक कोई हल नहीं हुआ। भूमि का विकास, प्लानिंग या प्रभावित परिवारों को आस्टी प्लॉट देने की प्रक्रिया अधूरी है।

गहलावत ने मांग की कि इस पर तुरंत कार्रवाई कर स्थाई समाधान किया जाए। इसके साथ ही विधायक ने हलके के लगभग 40 गांवों के तालाबों में गंदे पानी की समस्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री का गंदा पानी तालाबों में भरा हुआ है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। कई बार इस विषय पर मुख्यमंत्री के माध्यम से पौंड डेवलपमेंट अथॉरिटी को अनुरोध किया गया, लेकिन अभी तक सफाई या सौंदर्यीकरण का कोई काम शुरू नहीं हुआ।

वोट चोरी पर मुख्यमंत्री नायब सैनी का पलटवार, बोले- कांग्रेस का इतिहास फर्जीवाड़े का रहा है

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का 22 से 27 अगस्त तक चला मानसून सत्र संपन्न हो गया। सत्र की समाप्ति के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कई मुद्दों पर विपक्ष, खासकर कांग्रेस, पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने बताया कि इस सत्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष पर एक प्रस्ताव और 6 विधेयक सर्वसम्मति से पारित किए गए। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के %फर्जी वोटिंग% के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस का पूरा राजनीतिक इतिहास फर्जीवाड़े, भ्रष्टाचार और लोकतंत्र की हत्या से भरा पड़ा है। उन्होंने 1946 के कांग्रेस के आंतरिक चुनाव का हवाला दिया, जिसमें सरदार पटेल को 14 वोट मिले थे, जबकि जवाहरलाल नेहरू को केवल एक। फिर भी, नेहरू को विजेता घोषित

कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने इसे 'असली बूथ कैप्चरिंग' बताया। उन्होंने 2009 के हरियाणा विधानसभा चुनावों के 'बोगस वोटिंग' मामले का भी जिक्र किया, जिसमें सुखबीर कटारिया पर फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का आरोप लगा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने आपातकाल लगाकर लोगों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया और चुनावों में धांधली की परंपरा शुरू की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम पर विपक्ष के विरोध को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम इसलिए शुरू करना पड़ा, क्योंकि 2014 में कांग्रेस जब सत्ता से गई थी, तब हरियाणा में लिंगानुपात केवल 871 था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने इस कलंक को मिटाने का काम किया, जिसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश में लिंगानुपात सुधरकर 910 हो गया है। अन्य मुद्दों पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष सरकार के हर फैसले का विरोध करता है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों की दुनिया सराहना कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर कलेक्टर रेट और शराब ठेकों के मामलों में सदन को गुमराह करने का आरोप भी लगाया।

पीएम व सीएम आवास योजना में रिहायशी प्लाट की रजिस्ट्री पर स्टाम्प ड्यूटी खत्म

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज विधानसभा में घोषणा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत शहरों में 50 गज और ग्रामीण क्षेत्र में 100 गज तक के रिहायशी प्लॉट की रजिस्ट्री पर स्टाम्प ड्यूटी पूरी तरह से समाप्त कर दी है, इससे प्रदेश के गरीब परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री सदन में कलेक्टर रेट वृद्धि से संबंधित विपक्ष द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर वक्तव्य दे रहे थे। विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए उन्होंने कहा कि इस विषय पर विपक्ष केवल जनता को गुमराह करने की नाकाम कोशिश कर रहा है। उन्होंने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2004-05 से 2014 तक विपक्ष के शासनकाल में कलेक्टर रेट में औसतन 25.11 प्रतिशत वृद्धि की गई थी, जबकि वर्तमान सरकार के 2014 से 2025 तक के कार्यकाल में यह वृद्धि मात्र 9.69 प्रतिशत रही है। साथ ही, सरकार ने रजिस्ट्री पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि स्टाम्प ड्यूटी 2008 से अब तक पुरुषों के लिए 7 प्रतिशत (जिसमें 2 प्रतिशत विकास शुल्क शामिल है) तथा महिलाओं के लिए 5 प्रतिशत की दर से लागू है और आज भी यही दरें लागू हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर रेट में संशोधन एक नियमित और पारदर्शी प्रक्रिया है, जो हर साल बाजार मूल्य के अनुरूप की जाती है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते कि पिछली सरकारों में कलेक्टर रेट तय करने का कोई केंद्रीय फार्मूला नहीं था, बल्कि बिल्डरों और भू-माफिया को फायदा पहुंचाने के लिए संशोधन किए जाते थे। यहां तक कि उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए उस क्षेत्र में कलेक्टर रेट कम रखा जाता था।

हरियाणा के हर औद्योगिक शहर में बनेंगे ईएसआई अस्पताल

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने बताया कि बावल में ईएसआई अस्पताल का निर्माण कार्य 85 फीसद पूरा हो चुका है और तीन माह में फर्नीचर, उपकरण और स्टाफ नियुक्ति के बाद इसे जनता को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि जहां पर भी श्रमिकों की अधिक मांग है, वहां पर 100 बिस्तर का एक अस्पताल जरूर बनाया जाए ताकि श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने बताया कि रोहतक, हिसार, अंबाला, सोनीपत और करनाल में 100-100 बिस्तर के अस्पताल बनाए जाने हैं जिसके तहत भूमि हस्तांतरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है ताकि ये परियोजनाएं जल्द ही पूरी की जा सकें। विज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बावल विधायक डॉ. कृष्ण कुमार द्वारा लगाए गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जहां पर भी श्रमिकों की अधिक मांग है वहां पर 100 बिस्तर का एक अस्पताल जरूर बनाया जाए तथा इस संबंध में सरकार ने जमीन रियायत दरों पर देने की बात की है।

उन्होंने कहा कि बावल का

ईएसआई अस्पताल हरियाणा सरकार ने नहीं बनाना है बल्कि यह ईएसआई अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा बनाया जाना है। इसका निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है। विज ने कहा कि उनके द्वारा यह पता किया गया था कि अभी तक इस अस्पताल का निर्माण कार्य 85 प्रतिशत हुआ है और इस अस्पताल के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए केन्द्रीय श्रम मंत्री से उनके द्वारा पत्राचार किया गया है। विज ने विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में ईएसआई द्वारा चलाए जा रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में भी उनके द्वारा लिखा है। इसके तहत बल्लभगढ़ में 100 बिस्तर का ईएसआई अस्पताल, पंचकूला में बनाई जा रही ईएसआई डिस्पेंसरी, सोनीपत का ईएसआई अस्पताल और डिस्पेंसरी का निर्माण कार्य के बारे में पत्राचार किया गया है। केंद्रीय श्रम मंत्रालय के साथ राज्य के श्रम विभाग के अधिकारी विभिन्न परियोजनओं को पूरा करने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रोहतक, हिसार, अंबाला, सोनीपत और करनाल में 100-100 बिस्तर के अस्पताल बनाए जाने हैं जिसके तहत भूमि हस्तांतरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है ताकि ये परियोजनाएं जल्द ही पूरी हो जाए।

मीडिया अपराधियों के महिमामंडन की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करे, हरियाणा विधानसभा में प्रस्ताव पारित

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण रहा। कानून एवं व्यवस्था पर विपक्ष द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान यह चिंता व्यक्त की गई कि कुछ सोशल मीडिया मंचों पर गैंगस्टरों और अपराधियों को महिमामंडित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस विषय पर गंभीर चर्चा के बाद सदन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मीडिया मंचों को यह प्रस्ताव भेजने पर सहमति जताई।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सरकार की ओर से यह प्रस्ताव सदन में रखा। उन्होंने कहा कि अपराधियों का महिमामंडन हमारे युवाओं में उनकी छवि को एक नायक के रूप में प्रस्तुत करता है। यह प्रवृत्ति न केवल समाज की सांस्कृतिक एवं नैतिक नींव को कमजोर करती है, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-रात कार्यरत पुलिस बल की मेहनत को भी आघात पहुँचाती है। उन्होंने कहा कि सदन का मत है कि सभी

मीडिया संस्थानों को अपराधियों और गैंगस्टरों के किसी भी प्रकार के महिमामंडन से परहेज करना चाहिए। उनके नाम और तस्वीरें तो बिल्कुल नहीं प्रकाशित की जानी चाहिएं सदन में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया जिसमें मीडिया मंचों से पुरजोर आग्रह किया गया कि वे अपराधियों के महिमामंडन की प्रवृत्ति को पूरी सजगता से हतोत्साहित करें और इसके स्थान पर ऐसे विचारों और व्यक्तित्वों को प्राथमिकता दें जो नई पीढ़ी को शिक्षा, परिश्रम और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने भी स्वयं को इस प्रस्ताव से जोड़ा और आश्वासन दिया कि हरियाणा विधानसभा की ओर से यह प्रस्ताव सभी मीडिया मंचों तक पहुँचाया जाएगा।

विधानसभा कर्मचारियों और अधिकारियों को दी जाएगी विधायी प्रारूपण की ट्रेनिंग- हरविंदर कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सभा विधान सचिवालय के साथ-साथ प्रदेश सरकार के संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों को विधायी प्रारूपण की ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही लोक सभा की तर्ज पर विधान सभा की एआई बेस?ड रिकॉर्डिंग व अनुवाद की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके लिए लोक सभा की सहमति मिल चुकी है। यह घोषणा हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सदन को संबोधित करते हुए की। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की कि हरियाणा विधान सचिवालय सेवा नियम 1981 में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए भारत सरकार के पूर्व विधि एवं न्याय सचिव डॉ. के.एन. चतुर्वेदी की सेवाएं ली जा रही हैं। उन्हें हरियाणा विधान सभा सचिवालय में वरिष्ठ विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया है।

हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि

प्रधानमंत्री के 'एक राष्ट्र-एक विधान मंडल' के दृष्टिकोण के तहत तथा पटना सम्मेलन के प्रस्ताव के अनुसार भारत के संविधान के सिद्धांतों और विशेषताओं को जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी की गई है। इसके लिए यूएलबी, पंचायती राज, सहकारिता, युवा, महिला, शिक्षा, डीआईपीआर विभागों के सहयोग से हरियाणा में राज्य स्तरीय सम्मेलन किए जाएंगे।हरियाणा विधान सभा के सदस्यों की संसदीय कार्यों में सहायता देने के लिए अनुसंधान विंग को सुदृढ़ बनाया जाएगा। हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा की पत्रिका का प्रकाशन पुनः शुरू करने की भी घोषणा की। विधान सभा में डिजीटल एवं प्रिंट गैलरी स्थापित करने की भी योजना बनाई जा रही है। यूटी प्रशासन से इसके लिए अनुमति मांगी गई है। इस गैलरी में लोकतंत्र के अंतर्गत आनेवाली ससंदीय प्रणाली को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही एमएलए हॉस्टल का विस्तार तथा नई डिस्पेंशरी की योजना भी बनाई जा रही है।

मानसून सत्र का हरियाणा में गीतों के साथ समापन

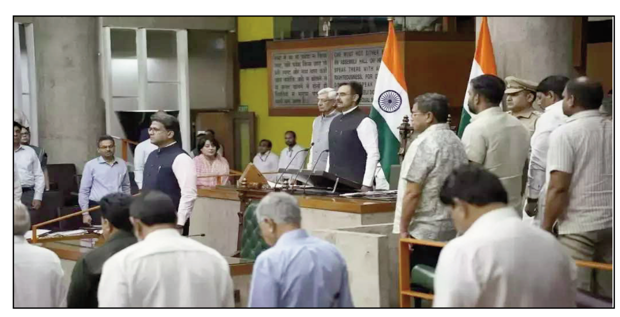

एजेंसी

चंडीगढ़। मानसून सत्र के अंतिम दिन वधिानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सभी सदस्यों से सदन की कार्यवाही में सहयोग देने के लिए आभार जताया। उन्होंने विनम्रतापूर्वक आग्रह कयिा क‍ि सदन के सभी सदस्य चार दनि के गिले शकिवों को यहीं भुलाकर खुशी खुशी यहां से जाएं। उन्होंने कहा क‍ि मानसून सत्र के चार दनि आप सभी के सहयोग से सदन की कार्यवाही संपन्न हुई है जसिके लिए सदन के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। सदन की कार्यवाही के समापन से पहले वधिानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के आहवान पर सदन में मौजूद सभी मंत्रियों, पक्ष वपिक्ष के वधियकों, अधिकारयिों व दर्शक दीर्घा में उपस्थति सभी अतथियों ने हरियाणा के राज्यगीत जय जय हरियाणा गीत गाया । मानसून सत्र के सत्रावसान की औपचारकि घोषणा के बाद हरयिाणा के राज्यगीत व राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम गाकर संवधिान सम्मत प्रक्रिया अनुरूप संपन्न हुआ ।

कालांवाली उपमंडल कार्यालय ट्रस्ट भवन में संचालित

ट्रस्ट भवन में चल रहा कालांवाली उपमंडल कार्यालय : शीशपाल केहरवाला

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा जिले के कालावांली सब-डिवीजन का खुद का कार्यालय नहीं है। अस्थाई तौर पर डीएवी स्कूल के पास स्थित गुरु प्रेमसुख आदिनाथ भक्ति संघ ट्रस्ट भवन में कार्यालय चल रहा है। विधानसभा में विधायक शीशपाल केहरवाला ने यह सवाल उठाया। इसके जवाब में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि उपमंडल कार्यालय के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया चल रही है। यह प्रक्रिया पूरी होते ही भवन निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। महेंद्रगढ़ के खुड़ाना में प्रस्तावित आईएमटी के लिए सरकार को पूरी जमीन अभी तक नहीं मिली है। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा का यह ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इसके लिए वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के सामने भी कई बार मांग उठा चुके हैं। प्रश्नकाल में यहां से विधायक कंवर सिंह यादव के सवाल पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि आईएमटी के लिए कम से कम 1500 एकड़ जमीन चाहिए। लेकिन खुड़ाना में अभी तक

इतनी जमीन का प्रबंध नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित आईएमटी की जगह नेशनल हाईवे से करीब ढाई किमी दूर है। ऐसे में इस सडक़ का विस्तार करने के लिए भी जमीन चाहिए। अगर किसान ई-भूमि पोर्टल पर जमीन देते हैं तो सरकार इस दिशा में आगे कदम बढ़ाएगी। नारायणगढ़ की प्राइवेट शुगर मिल में गन्ना डालने वाले किसानों को उनके बकाया का भुगतान दिसंबर तक हो पाएगा। विधायक शैली चौधरी के सवाल पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि वर्तमान में किसानों का 16 करोड़ 74 लाख रुपये बकाया है। 5 करोड़ 40 लाख रुपये 5 सितंबर तक जारी होंगे। बाकी के 11 करोड़ 34 लाख का भुगतान 15 दिसंबर तक होगा। विधायक अनिल ढहीना ने कोसली बाईपास का मुद्दा उठाया। पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बताया कि 3.83 किमी लम्बाई वाले बाईपास के लिए 24 एकड़ के करीब जमीन की जरूरत है। ई-भूमि पोर्टल के जरिये 11 एकड़ से अधिक जमीन की खरीद प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बाकी की जमीन भी जल्द खरीद करके सरकार बाईपास का निर्माण शुरू करवाएगी। अनिल ढहीना ने कहा कि सरकार किसानों को 60 लाख रुपये प्रति एकड़ दे रही है। किसानों की मांग है कि उन्हें अधिक मुआवजा दिया जाए। बादली विधायक कुलदीप वत्स ने मेवात कैडर में जेबीटी शिक्षकों की भर्ती के नतीजों का मुद्दा उठाया। शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा ने बताया कि 1456 पदों के लिए 24 जुलाई, 2024 को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को डिमांड भेजी गई थी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा इस पर स्टे लगाया हुआ है। स्टे हटते ही चयन आयोग आगामी प्रक्रिया शुरू कर देगा। कुलदीप वत्स ने हाईकोर्ट में मजबूत पैरवी करवाने की मांग की।

बारिश से छत गिरी, महिला की मौत

गुरुग्राम। क्षेत्र में कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण बादशाहपुर के टीकली गांव में देर रात एक मकान की छत गिर गई। छत के मलबे के नीचे दबने से वहां सो रही 60 वर्षीय महिला महादेवी की मौत हो गई जबकि महिला का पति श्याम छत के मलबे के नीचे दबने से गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार महादेवी और उसका पति श्याम लाल टीकली गांव में रह रहे थे। इनके अलावा घर में और कोई नहीं था। घर की छत कच्ची बनी हुई थी, जो लगातार हो रही बारिश के कारण कमजोर हो गई और मंगलवार की रात अचानक छत गिर गई। आस पास के लोगों ने किसी तरह दोनों लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल लेकर गए। छत के मलबे के नीचे दबने से महादेवी की मौत हो गई जबकि उनका पति श्याम लाल गंभीर रूप से घायल हो गया। श्याम लाल का दिल्ली सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भारतीय जनता पार्टी, ओबीसी मोर्चा 31 अगस्त को देशभर में मुक्ति दिवस मनाएगा

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने आज एक वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए घोषणा की कि ओबीसी मोर्चा आगामी 31 अगस्त को 'मुक्ति दिवस' के रूप में पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित करेगा। डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि वर्ष 1952 में तत्कालीन सरकार द्वारा विमुक्त, घुमंतु और अर्ध-घुमंतु समाजों को अंग्रेजों द्वारा थोपी गई 'अपराधी जनजाति अधिनियम' से मुक्त किया गया था।

इसी ऐतिहासिक क्षण की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 31 अगस्त को 'मुक्ति दिवस' मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह समाज लंबे समय तक सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से उपेक्षित रहा है। कांग्रेस और अन्य दलों ने इन्हें केवल वोट बैंक समझा और कोई ठोस कदम नहीं उठाए। इसके विपरीत भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी पीड़ा को समझा और ठोस कार्य किया। डॉ लक्ष्मण ने बताया कि जनवरी 2015 में ईदाते आयोग का गठन हुआ, जिसने 2018 में अपनी

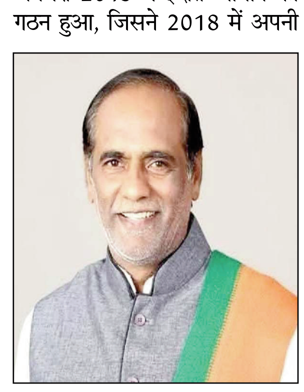

रिपोर्ट सौंपी और उसकी सिफारिश पर विमुक्त घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु कल्याण एवं विकास बोर्ड बनाया गया। डॉ लक्ष्मण ने बताया कि भाजपा सरकार ने ही सीड योजना शुरू की जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और आवास के क्षेत्र में ठोस खत्म उठाए गए। उन्होंने कहा इस योजना के अंतर्गत हजारों परिवारों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य लाभ मिला और 3700 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह गठित हुए जिनमें लगभग 47000 महिलाएं आजीविका से जुड़ी। डॉ लक्ष्मण ने बताया की 11 अगस्त 2025 को मैंने राज्यसभा में विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतु समुदाय के मुद्दों को विस्तार से रखा है। मैंने जनगणना में उनके लिए अलग से कलम जोड़ने और राष्ट्रीय स्तर पर स्थाई आयोग के गठन की सिफारिश की है। उन्होंने बताया कि यह समुदाय आज भी शिक्षा और विकास में एससी, एसटी, ओबीसी की अन्य जातियों से 100 वर्ष पीछे है। केवल 6 राज्य डी एन टी, एन टी,एस एन टी प्रमाण पत्र जारी कर रहे हैं और वह भी अत्यंत कठिन प्रक्रियाओं से। अब समय आ गया है कि इन समुदायों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर स्थाई आयोग बने और जनगणना में अलग कॉलम जोड़कर इनकी वास्तविक जनसंख्या की पहचान हो।

हरियाणा में आंकड़ों की बाजीगरी से अपराध कम होने वाले नहीं: कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कहा कि केंद्र सरकार ने 130 वां संविधान संशोधन बिल लाकर एक प्रकार से देश में अघोषित इमरजेंसी लागू की है, और इसके सहारे सरकार लोकतंत्र की हत्या करना चाहती है। दूसरी ओर हरियाणा की भाजपा सरकार द्वारा 1984 के दंगा पीड़ितों के परिजनों को 11 साल बाद नौकरी देने की घोषणा केवल पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर की गई है यह एक राजनीतिक चाल है इसके सिवाय कुछ नहीं। मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि 130 वां संविधान संशोधन बिल के बाद अब 30 दिन की हिरासत किसी भी एजेंसी के दुरुपयोग से हासिल की जा सकती है। यह बिल लोकतंत्र के लिए खतरनाक मिसाल बन सकता है। सत्ता पक्ष इसका गलत इस्तेमाल कर सकता है। ये सरकार ताकत का इस्तेमाल करके जन विरोधी कानून लाने की कोशिश कर रही है, मनमानी तरीके से कानून ला रही है। ये भारतीय संविधान का काला अध्याय है। विपक्ष को बोलने ना देना अधिकारों का हनन है। ये विधेयक न्यायपालिका की स्वतंत्रता खत्म कर देगा। यह विधेयक संविधान के मूल ढांचे को रौंदता है। विधेयक देश के कानूनों के मौलिक सिद्धांतों के खिलाफ है। यह विधेयक न्याय के खिलाफ है। हरियाणा सरकार द्वारा 1984 के दंगा पीड़ितों के परिजनों को नौकरी दिए जाने को कुमारी सैलजा ने एक राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुए कहा कि पिछले 11 सालों में भाजपा सरकार को सिख दंगा पीड़ितों की याद नहीं आई पर पंजाब में विधानसभा चुनाव को देखकर उसे सब कुछ याद आने लगा। भाजपा पंजाब में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है, जो उसके लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। भाजपा पंजाब में लोकसभा चुनावों में कोई सीट नहीं जीत पाई, जबकि 2022 के विधानसभा चुनावों में केवल दो सीटें जीतने में सफल रही। पंजाब में सैनी समुदाय के सदस्य हरियाणा की तुलना में अधिक संख्या में हैं। उनका होशियारपुर, नवांशहर (शहीद भगत सिंह नगर), जालंधर, रोपड़ (रूपनगर) और गुरदासपुर में 10 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में प्रभाव है। ऐसे में भाजपा सरकार का यह फैसला पंजाब में बीजेपी की पैठ बढ़ाने की कोशिश है।

जीएसटी में सुधार.....अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करेगा

रेटिंग एजेंसी की सहायक कंपनी का अनुमान

मुंबई । रेटिंग एजेंसी फिच सॉल्यूशंस की सहायक कंपनी बीएमआई ने कहा कि आगामी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार, जिनका उद्देश्य दरों में कटौती और निजी खपत को बढ़ावा देना है, अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करेगा। साथ ही, कंपनी ने कहा कि भारत इस दशक में एशिया में सबसे तेजी से बढ़ती उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। बीएमआई के अनुसार, भारत की जीडीपी 6 प्रतिशत से ऊपर बने रहने का अनुमान है, भले ही अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ कुछ उद्योगों को प्रभावित कर रहे हों। बीएमआई ने कहा, हमारा अनुमान है कि दशक के अंत तक भारतीय आर्थिक वृद्धि दर धीरे-धीरे धीमी होकर 6.0 प्रतिशत से थोड़ी अधिक होगी, जो 2010-2019 के महामारी-पूर्व औसत 6.5 प्रतिशत से थोड़ा कम है, फिर भी भारत एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहेगा। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि आने वाले दशक में उत्पादकता में करीब 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिससे जीडीपी वृद्धि को पर्याप्त गति मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार हमने अपने पहले अनुमान में बताया था कि रेसिप्रोकल टैरिफ में 25 प्रतिशत की वृद्धि वित्त वर्ष 2025/26 (अप्रैल-मार्च) और वित्त वर्ष 2026/27 में रियल जीडीपी वृद्धि को 0.2 प्रतिशत और धीमा कर देगी। इसलिए, हमने अपने पूर्वानुमानों को तदनुसार संशोधित किया है और अब उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025/26 में अर्थव्यवस्था 5.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026/27 में 5.4 प्रतिशत बढ़ेगी। मोदी सरकार के द्वारा किए जा रहे जीएसटी सुधारों पर बीएमआई ने कहा, जीएसटी सुधार टैरिफ से विकास पर पड़ने वाले दबाव को कम कर सकता है। क्योंकि डिटेल्स की अभी पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए हम जीएसटी सुधार को फिलहाल हमारे विकास पूर्वानुमान के लिए एक मामूली वृद्धि जोखिम के रूप में देखते हैं। दो-स्लैब टैक्स स्ट्रक्चर के आगामी जीएसटी स्लैब रेशनलाइजेशन से ऑटोमोबाइल, वित्तीय सर्विस, सीमेंट और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में खपत बढ़ने और लाभप्रदता में सुधार होने की उम्मीद है। वहीं एसबीआई रिसर्च की नई रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी सुधारों और हाल ही में आयकर में की गई कटौती से उपभोग में 5.31 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हो सकती है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 1.6 प्रतिशत के बराबर है।

प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, सेमीकंडक्टर, निवेश और मेक इन इंडिया पर होगा फोकस

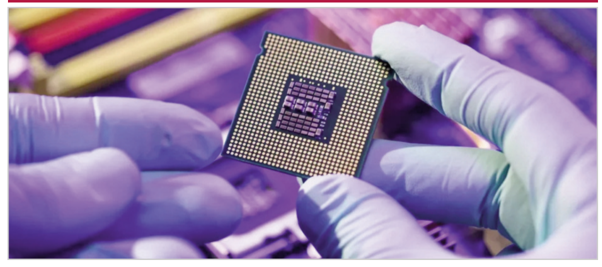

मोदी जापान के शीर्ष अधिकारियों से भारत में निवेश के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम जापान की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। 29-30 अगस्त को होने वाली इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल को बढ़ावा देना और जापान के साथ आर्थिक-तकनीकी साझेदारी को मजबूत करना है। यात्रा के दौरान पीएम मोदी सोनी, हिताची, निप्पॉन और नोमूरा जैसी प्रमुख जापानी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मिलेंगे और भारत में निवेश के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे। मोदी और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा मिलकर बुलेट ट्रेन से सेंडाई तक यात्रा करेंगे, जहां वे सेमीकंडक्टर निर्माता टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड के प्लांट का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी जापान के कुछ प्रांतों के गवर्नरों से भी मिलेंगे ताकि भारतीय राज्यों और जापानी प्रांतों के बीच साझेदारी को और मजबूती मिल सके। भारत में जापानी कंपनियों की संख्या फिलहाल 1,400 है, जिनमें से आधी विनिर्माण क्षेत्र में सक्रिय हैं। विदेश सचिव के अनुसार हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच तकनीकी, आर्थिक और राजनयिक संबंध और गहरे हुए हैं। 2018 के बाद यह मोदी की पहली द्विपक्षीय जापान यात्रा है और कुल मिलाकर यह उनकी आठवीं जापान यात्रा है।

अब तक 170 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, जिनमें करीब 13 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। यह यात्रा भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगी।

रघुराम राजन ने अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ को बताया गंभीर

- आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा, व्यापार में विविधता और आत्मनिर्भरता जरूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और जाने-माने अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को गंभीर चिंता बताया है। अमेरिका ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जिससे भारत से अमेरिका निर्यातित वस्तुओं पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। राजन ने इसे वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में व्यापार और निवेश के हथियार बन जाने की दिशा में एक गंभीर संकेत माना है। राजन ने कहा कि भारत को किसी एक देश पर निर्भरता कम करनी होगी। उन्होंने पूर्वी देशों, यूरोप और अफ्रीका जैसे अन्य बाजारों की ओर देखने और व्यापार के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें आत्मनिर्भरता के साथ-साथ विकल्पों की व्यवस्था भी करनी चाहिए ताकि संकट के समय निर्भरता कम रहे। रघुराम राजन ने रूस से तेल आयात नीति की समीक्षा करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यह देखना होगा कि इससे किसे लाभ और किसे नुकसान हो रहा है। रिफाइनर इस मामले में भारी मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि निर्यातक टैरिफ के बोझ तले दब रहे हैं। अगर लाभ कम है तो भारत को इस नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार में आसानी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ बेहतर एकीकरण और घरेलू कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए संरचनात्मक सुधार आवश्यक हैं। इस टैरिफ का खास असर झींगा किसानों और कपड़ा निर्माताओं जैसे छोटे निर्यातकों की आजीविका पर पड़ सकता है। राजन ने कहा कि भारत को इस संकट को अवसर के रूप में देखना चाहिए। वैश्विक रिश्तों में विविधता और संतुलन बनाकर ही देश आर्थिक चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाएगा।

सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कपास के आयात पर शुल्क मुक्त अवधि तीन महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक कर दी है। इससे पहले यह अवधि 30 सितंबर तक थी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को इस फैसले की घोषणा की है।

इसका उद्देश्य अमेरिकी बाजार में 50 प्रतिशत उच्च टैरिफ का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को राहत प्रदान करना है। सरकार ने 5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क, 5 प्रतिशत कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर, और 10 प्रतिशत सामाजिक कल्याण अधिभार समेत कुल 11 प्रतिशत आयात शुल्क से छूट दी है। इस निर्णय से कपड़ा क्षेत्र में कच्चे माल की लागत में कमी आएगी, जिससे उत्पादन सस्ता होगा।

कपड़ा, धागा, परिधान और सिले हुए उत्पादों सहित पूरे कपड़ा वैल्यू चेन को इसका लाभ मिलेगा। घरेलू बाजार में कपास की उपलब्धता बढ़ने से कपास की कीमतों में स्थिरता आएगी और तैयार वस्त्रों की महंगाई पर दबाव कम होगा।

अमेरिका द्वारा भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण और चमड़ा उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद यह कदम निर्यातकों के लिए राहत साबित होगा। इससे लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण मिलेगा और भारतीय कपड़ा उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में मजबूती आएगी। सरकार का यह निर्णय कपड़ा उद्योग को वैश्विक बाजार में टिकाऊ बनाए रखने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्योग जगत ने इस निर्णय का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे उत्पादन लागत कम होकर व्यवसाय बढ़ेगा।

कच्चा तेल सस्ता, कंपनियों का मुनाफा बंपर, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत नहीं

- मार्च से तेल कीमतों में गिरावट, फिर भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । बीते कुछ महीनों से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन इसका फायदा अब तक आम जनता को नहीं मिल पाया है। मार्च 2025 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। वहीं भारत को रूस से और 5 फीसदी अतिरिक्त छूट भी मिल रही है, जिससे आयातित तेल की कीमत में और गिरावट आ गई है। इसके बावजूद देश की तीन प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां—इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें घटाने से बच रही हैं। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कुल 16,184 करोड़ का मुनाफा कमाया, जो बीते वर्ष की तुलना में ढाई गुना ज्यादा है।

इस अवधि में बीपीसीएल को सबसे अधिक 6,124 करोड़ का लाभ हुआ, जबकि आईओसी ने 5,689 करोड़ और एचपीसीएल ने 4,371 करोड़ कमाए। मौजूदा समय में कंपनियां पेट्रोल पर प्रति लीटर 11.20 रुपए और डीजल पर 8.10 रुपए का विपणन मार्जिन कमा रही हैं, जो विश्लेषकों के अनुसार सामान्य से कहीं अधिक है। हालांकि सरकार ने अप्रैल में उत्पाद शुल्क 2 प्रति लीटर बढ़ाया था, पर खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय गिरावट से समायोजित कर दी गई थी। वहीं एलपीजी पर भारी सब्सिडी के बावजूद कंपनियों का लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिक डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.60 पर बंद हुआ। वह गत कारोबारी दिवस मंगलवार को रुपया 87.69 पर बंद हूआ था। वहीं बुधवार को गणेश चतुर्थी के कारण बाजार बंद था। इससे पहले आज सुबह के कारोबारी दिन डॉलर के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 87.59 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये को सर्वकालिक निचले स्तर से नीचे गिरने से बचाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप किया, जिससे रुपया और समर्थन पाया। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू करने और कमजोर घरेलू शेयर बाजार की वजह से रुपये की तेजी सीमित रही। गुरुवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और बाद में 87.59 पर पहुंच गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई का कदम रुपये को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण रहा।

1 साल में 8 फ़ीसदी बढी सीमेंट की कीमतें

मुंबई । पिछले 1 साल में सीमेंट की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। अभी तक लगभग 8 फ़ीसदी दाम सीमेंट के बढ़ चुके हैं। मई 2025 में सीमेंट की औसत कीमत 360 रुपए प्रति बोरी थी। ईंधन और जिप्सम के दाम लगातार बढ़ने से सीमेंट के दामों में लगातार वृद्धि होती रही है। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा सीमेंट के रेट बढे हैं। भारत में सीमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले 1 वर्ष में 9 फ़ीसदी सीमेंट की मांग बढ़ी है। मांग बढने के कारण सीमेंट की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है।

पावर मेक प्रोजेक्ट को महान इनर्जी से बड़ा ऑर्डर मिला

नई दिल्ली । पावर मेक प्रोजेक्ट लिमिटेड को महान इनर्जी लिमिटेड से 370.84 करोड़ रुपए का ठेका प्राप्त हुआ है। यह कार्य सिंगरौली, मध्य प्रदेश स्थित महान फेस- (2×800 एमडब्ल्यू) थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए है। ऑर्डर में बीटीजी यूनिट 1 और 2 के लिए सिविल कार्य और प्रीफैब्रिकेटेड स्ट्रक्चरल स्टील निर्माण शामिल है। महान इनर्जी लिमिटेड जो पहले एस्सार पावर एमपी के नाम से जानी जाती थी, अब अडानी पावर की एक सहायक कंपनी है। इस परियोजना में मुख्य पावरहाउस, सेंट्रल कंट्रोल बिल्डिंग, ईएसपी, एफजीडी लाइमस्टोन हैंडलिंग सिस्टम, स्विच यार्ड आदि का निर्माण किया जाएगा। यह ऑर्डर घरेलू परियोजना के तहत आता है और पावर मेक प्रोजेक्ट के लिए यह एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक उपलब्धि मानी जा रही है। इससे कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत होगी और भविष्य की परियोजनाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे।

राकेश गंगवाल ने ब्रिकी किए शेयर.....इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 4 प्रतिशत तक गिरा

मुंबई । इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक गिरे। इसका कारण प्रमोटर राकेश गंगवाल की ओर से ब्लॉक डील के द्वारा 7,000 करोड़ से अधिक के शेयर बेचना है। इंटरग्लोब एविएशन का शेयर 4.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,757.50 रुपए पर कारोबार कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रमोटर की ओर से 7,085 करोड़ रुपए मूल्य के 1.2 लाख शेयर 5,830 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर ब्रिकी किए गए हैं। इसके पहले रिपोर्ट्स में दावा किया था कि गंगवाल परिवार ब्लॉक डील के द्वारा से इंटरग्लोब एविएशन में 3.1 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना पर विचार कर रहा है, जिसकी वैल्यू करीब 7,020 करोड़ रुपए है। इस ब्लॉक डील के लिए फ्लोर प्राइस 5,808 रुपए प्रति शेयर रहा, जो पिछले सत्र के बंद भाव से करीब 4 प्रतिशत कम है। फरवरी 2022 में गंगवाल के बोर्ड छोड़ने के बाद से वे एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। उन्होंने अब तक कंपनी में करीब 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेच दी है। इंटरग्लोब एविएशन में अपनी हिस्सेदारी कम करके, गंगवाल और उनके परिवार ने 2022 से अब तक 45,300 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसके पहले, गंगवाल परिवार ने सितंबर 2022 में 2,005 करोड़ रुपए में 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी, फरवरी 2023 में उनकी पत्नी शोभा गंगवाल ने 2,944 करोड़ रुपए में 4 प्रतिशत और अगस्त 2023 में 2,800 करोड़ रुपए में 2.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। इंडिगो ने हाल ही में वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में आय में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद में मुनाफा में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 706 , निफ्टी 211अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार का टैरिफ लागू करना गिरावट का सबसे बड़ा कारण रहा क्योंकि इससे बाजार पर दबाव पड़ा है। उससे भी बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 705.97 अंक टूटकर 80,080.57 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.15 अंक फिसलकर 24,500.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718.70 अंक की गिरावट के साथ ही 56,047.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 254.25 अंक की कमी के के साथ ही 17,294.35 पर आ गया । बाजार में आई गिरावट का कारण आईटी और रियल्टी शेयरों में आई कमजोरी रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.59 फीसदी और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.50 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और सर्विसेज इंडेक्स एक फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में टाइटन, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं एचसीएल टेक, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयर सबसे अधिक गिरे। बीएसई पर 1,458 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान जबकि 2,651 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए जबकि 149 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। जानकारों के अनुसार भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के टैरिफ लगाने के बाद निवेशकों के उससे दूर होने से बाजार में गिराट आई। वहीं कुछ उत्पादों पर टैरिफ नहीं लगने से बाजार में कुछ हद तक रिकवरी भी हुई।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 620 अंक टूटकर 80,162 पर और निफ्टी 180.85 अंक नीचे आकर 24,528 पर खुला था। इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर भी करीब 4.14 लाख करोड़ रुपए घटकर 445.80 लाख करोड़ रुपए रह गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा फिसले। दुनिया भर के बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। जहां अमेरिका के एसएंडपी 500 और डाउ जोंस बढ़त के साथ बंद हुए, वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हुआ।

लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने पर एनएफआरए का जोर

नई दिल्ली । एनएफआरए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनियों की लेखापरीक्षा समितियों को लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए। यह कदम सुदृढ़ वित्तीय रिपोर्टिंग और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बाहरी लेखा परीक्षकों की भूमिका वित्तीय विश्वास और सटीकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने आंतरिक नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन प्रणाली को भी मजबूत बनाने पर ज़ोर दिया, जो कॉर्पोरेट कामकाज के अच्छे तरीकों का हिस्सा होनी चाहिए। यह बातें उन्होंने फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन 'चुस्त प्रशासन- पारदर्शिता को बढ़ावा देना एवं विश्वास का निर्माण' में कही। उनका मानना है कि लेखा परीक्षा समितियों की सक्रिय भूमिका से वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी की कीमतें बढ़ीं

10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,01,398, चांदी 1,16,450 पर प्रति किलो

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में गुरुवार को 0.14 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,398 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। साल की शुरुआत से लेकर अब तक सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है। 1 जनवरी 2025 को सोने का भाव 76,162 था, जो अब बढ़कर लगभग 1,00,884 तक पहुंच चुका है। इस साल सोने की कीमतों में कुल मिलाकर लगभग 24,722 की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल भी सोने की कीमतों में लगभग 12,810 की वृद्धि दर्ज हुई थी। वहीं वहीं चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। आज 1 किलो चांदी का भाव 1,16,450 पर पहुंच गया है। इस साल 1 जनवरी से अब तक चांदी की कीमतों में 29,853 की बढ़ोतरी हुई है। चांदी का भाव 1 जनवरी को 86,017 प्रति किलो था, जो अब 1,15,870 के करीब पहुंच चुका है। गोल्ड ज्वेलरी खरीदते समय हमेशा यह ध्यान रखें कि वह बीआईएस (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड) का प्रमाणित हो। बीआईएस हॉलमार्क वाला सोना ही खरीदा जाना चाहिए, जिसमें 6 अंकों का यूनिक हॉलमार्क कोड मौजूद होता है। यह कोड अल्फान्यूमेरिक होता है और यह सोने की शुद्धता और कैरेट की पुष्टि करता है। हॉलमार्किंग से उपभोक्ता को यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि खरीदा गया सोना असली और उच्च गुणवत्ता वाला है।

सीमलेस पाइप उद्योग ने चीनी पाइप आयात पर अंकुश लगाने सरकार से की मांग

नई दिल्ली ।

सीमलेस ट्यूब मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसटीएमएआई) ने सरकार से घरेलू सीमलेस पाइप उद्योग की सुरक्षा के लिए चीन से आने वाले कम लागत वाले पाइपों के आयात पर सख्त रोक लगाने का आग्रह किया है। एसटीएमएआई का कहना है कि देश में सीमलेस पाइप और ट्यूब की उत्पादन क्षमता घरेलू मांग से कहीं अधिक है, इसलिए आयात को नियंत्रित करना जरूरी है ताकि स्थानीय उद्योगों को बचाया जा सके। एसटीएमएआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारत में सीमलेस पाइप एवं ट्यूब की स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 19.5 लाख मीट्रिक टन है, जबकि देश की कुल मांग लगभग 13.2 लाख मीट्रिक टन है।

यह स्पष्ट करता है कि घरेलू उत्पादन मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। हालांकि सरकार की सुरक्षा नीतियों के बावजूद पिछले 3-4 वर्षों में चीन से सीमलेस पाइप के आयात में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि चीन से आयात करने वाले आयातक सीमा शुल्क निकासी के समय अधिक मूल्य दिखाते हैं, लेकिन बाद में वे भारतीय बाजार में इन उत्पादों को

घरेलू निर्माताओं की तुलना में काफी कम कीमत पर बेच रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है।

घरेलू पाइप उद्योग ने ऑक्सीजन सिलेंडर पाइप, ड्रिल पाइप सहित कई महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए भारी निवेश किया है। इसके बावजूद घरेलू उद्योग ठेके प्राप्त करने में संघर्ष कर रहा है और उत्पादन क्षमता पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पा रही है। एसटीएमएआई सरकार से आग्रह करता है कि चीन से सस्ते पाइप के आयात पर रोक लगाकर घरेलू उद्योग को प्रोत्साहित किया जाए।

विल्मर ने अदाणी समूह से एडब्ल्यूएल में हिस्सेदारी बढ़ाने सीसीआई से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली ।

सिंगापुर की कृषि कंपनी विल्मर इंटरनेशनल ने अपनी इकाई लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी अडानी समूह से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। यह प्रस्ताव पिछले महीने 7,150 करोड़ रुपये में हुआ अधिग्रहण करने की घोषणा के बाद आया है।वर्तमान में, विल्मर के पास लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में लगभग 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद यह हिस्सेदारी बढ़कर 54.94 से 63.94 प्रतिशत के बीच हो जाएगी। इससे विल्मर इस कंपनी का बहुमत मालिक बन जाएगा। सीसीआई में दाखिल किए गए नोटिस के अनुसार अधिग्रहणकर्ता लेंस प्राइवेट लिमिटेड ने लक्ष्य कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का न्यूनतम 11 प्रतिशत और अधिकतम 20 प्रतिशत अधिग्रहित करने का प्रस्ताव रखा है। इस अधिग्रहण के लिए सीसीआई की मंजूरी जरूरी है ताकि प्रतिस्पर्धा पर इसका प्रभाव आकलित किया जा सके।

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल: क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

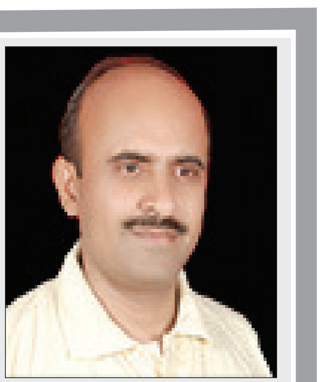

कमलेश पांडे

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं।

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है।

समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में ह्यएक-चीनह्ल नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने ह्यआश्चर्यह्ल व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं।

मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरूआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा।

यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि, ह्यह्यहम भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैं।ह्लह्ल वह जयशंकर की टिप्पणियों यानी भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। दरअसल, यह स्पष्टीकरण भी तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है।

चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को ह्यतथ्यों के साथ असंगतह्ल पाता है। ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमजोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। इसलिए मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ.एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीन को उम्मीद है कि भारत ह्यएक-चीनह्ल के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देगा।

उल्लेखनीय है कि अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे वांग ने गत 18 अगस्त 2025 को जयशंकर के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीनी पक्ष ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। लेकिन भारतीय पक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उसने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत का ताईवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित रिश्ता है और यह आगे भी जारी रहेगा। भारतीय पक्ष ने कहा कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान के साथ सहयोग करता है।

उल्लेखनीय है कि अतीत में भी, भारत ने ह्यएक-चीनह्ल नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से किसी भी द्विपक्षीय दस्तावेज में इस नीति को शामिल नहीं किया गया है। जबकि चीन ने अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आग्रह किया है। यद्यपि भारत और ताईवान के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, फिर भी उनके द्विपक्षीय व्यापार संबंध लगातार बढ़ रहे हैं।

संपादकीय

भारत पर टैरिफ बम

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है, और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब ड़ॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है, जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़.रहा है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सरार्फा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका भारत के कृषि और ड़ेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है, लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है। इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेय़री क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सर्वोपरि हैं। भारत, अमेरिका को 79 अरब ड़ॉलर का कुल निर्यात करता है, इसमें से 45 अरब ड़ॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है। दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है। इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है।

व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है। जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

राष्ट्रीय खेल दिवस: ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दशार्या गया है। भारत में उनके जन्मदिन को ह्यराष्ट्रीय खेल दिवसह्ल घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

उर्दू: समान तासीर है हिन्दी-उर्दू की

विवेक शुक्ला

इधर देखने में आ रहा है कि अपने को उर्दू का सबसे बड़ा प्रवक्ता बताने वाले कुछ विद्वान कहते मिल जाते हैं कि अब भारत में उर्दू का कोई मुस्तकबिल (भविष्य) नहीं है। क्या इस तरह की कोई बात है? कतई नहीं। बीते दिनों पटना में भारत में उर्दू इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा हुई। निष्कर्ष यह निकला कि उर्दू का भारत में रोशन भविष्य है। यह एक भाषा होने के साथ-साथ, तहजीब, परंपरा और प्यार की भाषा भी है, जो भारत की कोख से जन्मी है, और हर भारतीय भाषा, क्षेत्र, समाज, धर्म और संस्कृति की सुगंध शामिल है इसमें।

यह भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा है। यह विकसित भारत की भाषा है। अगर बात हिन्दी और उर्दू के संबंधों की करें तो हिन्दी और उर्दू, दोनों ही हिन्दुस्तानी भाषा की दो प्रमुख शाखाएं हैं। दोनों व्याकरणिक संरचना और मूल शब्दावली में लगभग समान हैं, लेकिन लिपि, शब्दावली का चयन और सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग पहचान रखती हैं। सिनेमा और मीडिया में भी दोनों भाषाएं एक-दूसरे की पूरक के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे बॉलीवुड फिल्मों में हिन्दी-उर्दू का मिश्रित प्रयोग। हालांकि, राजनीतिक और सांप्रदायिक कारणों ने इन भाषाओं को अलग करने की कोशिश की, फिर भी इनके साझा मूल और सांस्कृतिक विरासत ने इन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखा। हिन्दी और उर्दू का यह अनोखा रिश्ता भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। उर्दू के साथ नाइंसाफी यह हुई कि इसे मुसलमानों की भाषा समझ लिया गया। विभाजन और पाकिस्तान बनने का जिम्मेदार तक समझ लिया गया, जो गलत है। उर्दू के गैर-मुस्लिम लेखकों और शायरों की भी कोई कमी नहीं है। इनमें फिराक गोरखपुरी, कृष्ण चंदर, मोहिंदर सिंह बेदी, राजेंद्र सिंह बेदी, जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, गोपी चंद नारंग शामिल हैं। क्या केंद्र की मौजूदा सरकार देश में उर्दू के हक में काम कर रही है? इस बारे में सहमति थी कि मोदी सरकार ने उर्दू से जुड़ी संस्थाओं और संस्थानों को अपने राष्ट्र विकास मंत्र, 'सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वास और सब का प्रयास' से जोड़ा है जिसका जीता जगता उदाहरण नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज का पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का त्रि-दिवसीय समागम-उर्दू भाषा का भविष्य, विकसित भारत 2047-था।

देखिए, उर्दू भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनमोल रत्न है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी है और इसके लोगों के दिलों में बसी है। यह भाषा न केवल शब्दों का समूह है, बल्कि ऐसी सांस्कृतिक धारा भी है जो विभिन्न समुदायों को प्रेम और भाईचारे के सूत्र में बांधती है। उर्दू की मधुरता, शायरी, गजलें और कविताएं भारतीय साहित्य और कला को अनूठा आयाम प्रदान करती हैं। यह भाषा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता और सौहार्द का संदेश देती है। उर्दू का जन्म भारत की मिट्टी में हुआ, और यह संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के मेल से विकसित हुई। इसकी उत्पत्ति दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुई, जहां इसे 'हिन्दवी' या 'देहलवी' के रूप में जाना जाता था। समय के साथ, उर्दू ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और आज भारत की प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत के संविधान में उर्दू को 22 अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया है, जो इसकी महत्ता को दशार्ता है।

उर्दू की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी समावेशी प्रकृति में निहित है। उर्दू ने हमेशा से सभी को गले लगाया है, और इसे हिन्दुस्तान के हर कोने में प्रेम मिला है। चाहे उत्तर प्रदेश की गलियों में गूंजती गजलें हों, हैदराबाद की दक्कनी उर्दू हो, या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के साहित्यिक समारोह हों, उर्दू हर जगह अपनी छाप छोड़ती है। इसकी शायरी और साहित्य में वह जादू है, जो सुनने वाले को भावनाओं के सागर में डुबो देता है। मिर्जा गालिब, दाग देहलवी, मीर तकी मीर और फैज अहमद फैज जैसे शायरों ने उर्दू को ऐसी ऊंचाई दी, जो विश्व साहित्य में बेमिसाल है। उर्दू को बढ़ावा देने के लिए भारत में कई संस्थान और संगठन काम कर रहे हैं। उर्दू अकादमियां, साहित्यिक समारोह और स्कूलों में उर्दू की पढ़ाई इस भाषा को जीवित और समृद्ध रखने में योगदान दे रही हैं। ईमानदारी की बात तो यह है कि जहां-जहां कोई उर्दू बोलता है, वहां-वहां हिन्दुस्तान बोलता है। राजा राम मोहन रॉय, ड़ॉ. राजेंद्र प्रसाद, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, मुरली मनोहर जोशी आदि सभी मदरसों के छात्र रहे हैं। उर्दू ने विकसित और सुरक्षित भारत के लिए 'चमन', 'गुलजार', ह्यगुलशन', 'बाग-ओ-बहार', 'गुल-ए-बहार' आदि शब्दों का प्रयोग किया है। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि उर्दू का वर्तमान और भविष्य रोशन है। हां, अब उर्दू के दोस्तों और दुश्मनों की पहचान करना लाजिमी है।

संक्षिप्त समाचार

टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट पर हमले की साजिश

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी की एक अदालत ने मंगलवार को एक 16 वर्षीय लड़के को आतंकवादी हमले की साजिश में मदद करने का दोषी पाया है। यह साजिश अमेरिकी पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के ऑस्ट्रिया में होने वाले कॉन्सर्ट पर हमला करने की थी, जिसे पिछले साल नाकाम कर दिया गया था। दोषी लड़का सीरिया का नागरिक है और जर्मनी में रहता है। गोपनीयता नियमों के चलते उसका नाम मोहम्मद ए. बताया गया है। अदालत ने उसे 18 महीने की निलंबित सजा सुनाई है। इसका मतलब है कि अगर वह भविष्य में कोई और अपराध नहीं करता, तो उसे जेल नहीं भेजा जाएगा। अदालत ने टिप्पणी कि जब वह लड़का सिर्फ 14 साल का था, तब वह इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रभावित था। वह सोशल मीडिया के जरिए ऑस्ट्रिया में रहने वाले एक अन्य युवक के संपर्क में था, जो विएना में टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट पर हमला करने की योजना बना रहा था। मोहम्मद ने न केवल उसे बम बनाने की वीडियो भेजी, बल्कि उसे ग्रुप के एक सदस्य से संपर्क भी कराया। इस साजिश के उजागर होने के बाद 7 अगस्त 2024 को विएना में होने वाले टेलर स्विफ्ट के तीन कॉन्सर्ट रद्द कर दिए गए थे।

अमेरिका से निर्वासितों को लेने के समझौते पर घिरा युगांडा

कंपाला, एजेंसी। युगांडा और अमेरिका के बीच एक विवादित समझौता सुर्खियों में है, जिसके तहत युगांडा अमेरिकी निर्वासितों को अपने देश में लेने के लिए तैयार हुआ है। इस समझौते को लेकर युगांडा में तीखी आलोचना हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि इसे संसद की मंजूरी के बिना ही तय कर लिया गया। यह समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, युगांडा में इस डील को राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी पर अमेरिकी दबाव कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी सरकार हाल ही में युगांडा के कई अधिकारियों, जिनमें संसद की स्पीकर भी शामिल हैं, पर प्रतिबंध लगा चुकी है।

पाकिस्तान में पोलियो के दो और नए मामले, 2025 में अब तक कुल 23 केस

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो के दो नए मामले सामने आए हैं, जिससे इस साल देशभर में कुल मामलों की संख्या 23 हो गई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, ये नए केस टैंक जिले के मल्लाजई यूनियन काउंसिल की 16 महीने की बच्ची और उत्तर वज़ीरिस्तान के मीरान शाह-3 यूनियन काउंसिल की 24 महीने की बच्ची में पाए गए हैं। पोलियो अब भी पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। सुरक्षा चुनौतियों, वैक्सीन को लेकर झिझक और अफवाहों की वजह से पोलियो उन्मूलन की कोशिशें धीमी पड़ रही हैं। इस्लामाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिपोर्ट में बताया गया है कि 2025 में अब तक केपी से 15, सिंध से 6, पंजाब और गिलगित-बाल्टिस्तान से 1-1 पोलियो केस सामने आ चुके हैं। एनआईएच ने दोहराया कि पोलियो बेहद संक्रामक और लाइलाज बीमारी है, जिससे जीवनभर के लिए लकवा हो सकता है। इससे बचने का एकमात्र तरीका बार-बार पोलियो की दवा (ओरल पोलियो वैक्सीन) देना है। एनआईएच ने बताया कि जिन बच्चों तक वैक्सीन पहुंचना मुश्किल है या जहां लोगों में वैक्सीन को लेकर संकोच है, वहां खतरा सबसे अधिक बना रहता है। इसलिए केंद्र और राज्य स्तर पर पोलियो वैक्सीनेशन अभियानों को और मजबूत किया जा रहा है। सितंबर 2025 में एक विशेष पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा।

गांधी को जिन्ना से बड़ा रहनुमा मानने वाला मौलाना गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में मोहम्मद अली जिन्ना के बजाय महात्मा गांधी को बड़ा रहनुमा मानने वाले मौलवी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एक शिकायत के बाद इंजीनियर मोहम्मद अली मिर्जा को पंजाब के झेलम शहर में 30 दिनों के लिए पकड़ा गया। झेलम के उपायुक्त मोहम्मद मीसम अब्बास ने बताया कि मौलवी को एमपीओ अध्यादेश की धारा-3 के तहत पकड़ा गया है। यह धारा अधिकारियों को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए हानिकारक कार्य करने से रोकने या सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है। यह कार्रवाई सोमवार को एक धार्मिक समूह की ओर से मिर्जा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई। उसमें एक साक्षात्कार के दौरान उनकी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए कार्रवाई की मांग की गई थी। पेशे से इंजीनियर मिर्जा ने वर्षों पहले धर्म के क्षेत्र में स्वतंत्र करिअर शुरू करने के लिए अपना पेशा छोड़ दिया था व सोशल मीडिया पर प्रवचन और व्याख्यान देकर प्रसिद्धि अर्जित की। झेलम शहर के मशीन मोहल्ला निवासी मिर्जा अपने रूढ़िवादी धार्मिक विचारों के कारण विवादों में रहे हैं।

बिगड़ता जा रहा है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वास्थ्य, मनोवैज्ञानिकों ने जताई चिंता, दिमाग से जुड़ी है बीमारी

वाशिंगटन, एजेंसी। दो प्रमुख मनोवैज्ञानिकों- डॉ. हैरी सेगल और डॉ. जॉन गार्टनर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक और शारीरिक स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विशेषज्ञों का दावा है कि 79 वर्षीय ट्रंप में डिमेंशिया (मनोभ्रंश) के स्पष्ट लक्षण दिखाई दे रहे हैं, जो समय के साथ बदतर होते जा रहे हैं। यह दावा उनके हालिया कार्यक्रम श्रिंकिंग ट्रंप में किया गया, जिसमें ट्रंप के व्यवहार और शारीरिक गतिविधियों में असामान्य बदलावों पर चर्चा की गई।

मनोवैज्ञानिकों का दावा-ट्रंप में फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया के लक्षण

डॉ. गार्टनर ने कहा कि ट्रंप की मनो-मोटर कार्यप्रणाली में स्पष्ट गिरावट देखी जा रही है, जो डिमेंशिया का एक प्रमुख संकेत है। उन्होंने बताया कि ट्रंप संभवतः फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया से पीड़ित हो सकते हैं, जो एक असामान्य प्रकार का डिमेंशिया है। यह बीमारी मस्तिष्क के सामने और किनारे के हिस्सों को प्रभावित करती है, जिसके कारण व्यवहार और भाषा से संबंधित समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह बीमारी धीरे-धीरे वर्षों में और गंभीर होती जाती है।

डॉ. गार्टनर ने बताया, पिछले साल एक न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट ने हमें बताया था कि फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया का एक प्रमुख लक्षण है वाइड-बेस्ड गेट, जिसमें व्यक्ति का एक पैर असामान्य रूप से अर्ध-वृत्ताकार गति में हिलता है। उन्होंने हाल ही में अलास्का में ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई मुलाकात के दौरान के वीडियो का हवाला दिया, जिसमें ट्रंप को लाल कालीन पर चलते समय असामान्य तरीके से डगमगाते देखा गया।

ट्रंप लाल कालीन पर डगमगा रहे थे

डॉ. गार्टनर ने वीडियो का विश्लेषण करते हुए कहा, ट्रंप लाल कालीन पर इधर-उधर डगमगा रहे थे। उनके दाहिने पैर की गति उन्हें बाईं ओर धकेल रही थी, और फिर वह इसे ठीक करने के लिए दूसरी ओर बढ़ रहे थे।

उन्होंने मजाक में कहा, अगर आपको ड्रंक ड्राइविंग टेस्ट के लिए रोका जाता और आप इस तरह चलते, तो आप निश्चित रूप से फेल हो जाते। डॉ. सेगल ने भी इस पर सहमति जताई और कहा, यह बहुत असामान्य है। ट्रंप नशे में नहीं दिख रहे, फिर भी वे अपने एक पैर पर नियंत्रण खोते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ट्रंप का स्वास्थ्य और उनकी प्रतिक्रिया

इन चिंताओं के बावजूद, ट्रंप ने अपनी संज्ञानात्मक क्षमताओं की बार-बार प्रशंसा की है। अप्रैल में अपनी वार्षिक मेडिकल जांच के बाद, ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने संज्ञानात्मक परीक्षण में सर्वोच्च अंक हासिल किए। हालांकि, डॉ. सेगल और डॉ. गार्टनर ने पहले ही इस दावे को खारिज करते हुए कहा था कि यह परीक्षण सामान्य रूप से आसान होता है और इसे पास करना कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है।

ट्रंप की सेहत को लेकर बढ़ती चिंता

मनोवैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि ट्रंप अपनी सेहत से जुड़ी चिंताओं को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के दिनों में उन्हें अपने हाथ के पिछले हिस्से को छिपाते हुए देखा गया है, जिसे विशेषज्ञ उनके स्वास्थ्य में गिरावट का एक संकेत मान रहे हैं। डॉ. गार्टनर ने कहा, ट्रंप की सार्वजनिक उपस्थिति, भाषा और मौखिक अक्षमता के साथ-साथ अब उनकी मोटर क्षमता में भी गिरावट स्पष्ट हो रही है।

फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया क्या है?

फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया एक दुर्लभ प्रकार का डिमेंशिया है, जो मस्तिष्क के फ्रंटल और टेम्पोरल लोब्स को प्रभावित करता है। इसके लक्षणों में व्यवहार में बदलाव, भाषा संबंधी कठिनाइयां, और शारीरिक गतिविधियों में समस्याएं शामिल हैं। यह बीमारी आमतौर पर 40 से 65 वर्ष की आयु के बीच शुरू होती है, लेकिन यह बुजुर्गों में भी देखी जा सकती है।

कोलंबिया में 34 सैनिकों का अपहरण, सरकार ने कहा- सूचना देने वाले को 5000 डॉलर का इनाम

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण कोलंबिया में विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे 34 सैनिकों को एक विद्रोही समूह के इशारे पर काम कर रहे ग्रामीणों ने अपहरण कर लिया है। यह जानकारी कोलंबिया सरकार ने दी है। कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने मंगलवार को कहा कि सेना ग्वावियारे प्रांत में बंधक बनाए गए सैनिकों की रिहाई के लिए अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग करेगी और अपहरण में शामिल विद्रोहियों की सूचना देने वाले को 5000 डॉलर का इनाम देने की घोषणा की।

सैनिकों को बंधक बनाकर रखे हैं ग्रामीण : सांचेज ने पत्रकारों से कहा कि यह कार्रवाई गैरकानूनी है और इससे क्षेत्र में बड़े खतरे के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में रुकावट आ रही है। उन्होंने बताया कि सैनिकों को रविवार से एल रेटोर्नो गांव के पास बंधक बनाकर रखा गया है, जहां एफएआरसी (रेवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस ऑफ कोलंबिया) के 10 विद्रोही एक मुठभेड़ में मारे गए थे। ग्रामीण, जो सैनिकों को बंदी बनाए हुए हैं, एक मृत विद्रोही के शव की मांग कर रहे हैं, जिसे प्रांतीय राजधानी के मुर्दाघर में ले जाया गया है।

सुरक्षित रिहाई के लिए प्रयास जारी : गौरतलब है कि 2016 में कोलंबिया सरकार और एफएआरसी के बीच शांति समझौता होने के बावजूद, कुछ असंतुष्ट विद्रोही समूह अब भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो हिंसा और तनाव को बढ़ा रहे हैं। वर्तमान में सरकार बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए प्रयास कर रही है, लेकिन स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। फिलहाल इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि बहुत जल्द सफलता मिल जाएगी।

इंडोनेशिया में दो लोगों को सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को चूमने के लिए मारे गए 76 कोड़े

बांदा आचे, एजेंसी। इंडोनेशिया के बांदा आचे प्रांत में दो मर्दों को सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को चूमने के लिए कोड़े मारे गए। शरिया अदालत ने उन्हें इस्लामी कानून का उल्लंघन करने का दोषी ठहराया था। मंगलवार को बांदा आचे के बुस्तानुस्सलातिन शहर के एक पार्क में मंच पर लगभग 100 लोगों की भीड़ ने यह सजा देखी। समलैंगिक यौन संबंध बनाने वालों को यहां 100 कोड़े की सजा दी जाती है। आचे में जुआ खेलने, शराब पीने, तंग कपड़े पहनने वाली महिलाओं और शुक्रवार की नमाज में शामिल न होने वाले पुरुषों को भी कोड़े मारे जाते हैं।

दोनों को 80-80 कोड़े की सजा

अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, दोनों व्यक्तियों को 80-80 कोड़े की सजा सुनाई गई थी। इस्लामी धार्मिक पुलिस ने बताया कि उन्हें एक सार्वजनिक पार्क के शौचालय में गले मिलते और चूमते हुए पाया गया था। इस सार्वजनिक पिटाई में प्रत्येक व्यक्ति को एक छड़ी से 76 कोड़े मारे गए। दोनों की 80 कोड़ों की सजा को कम किया गया, क्योंकि वे चार महीने तक हिरासत में थे। यह सजा प्रांतीय राजधानी बांदा आचे के एक पार्क में दी गई, जहां भीड़ ने बेंतों की सजा देखी।

बताया जाता है कि ये दोनों 10 लोगों के उस समूह का हिस्सा थे, जिन्हें मंगलवार को बांदा आचे के एक पार्क में विभिन्न अपराधों के लिए कोड़े मारे गए। दोनों को भीड़ के सामने अलग-अलग छड़ी से पीटा गया। बांदा आचे शरिया पुलिस के कानून प्रवर्तन प्रमुख रोसलीना ए जलील ने बताया कि अप्रैल में स्थानीय शरिया पुलिस ने दोनों को उसी पार्क के सार्वजनिक शौचालय में एक साथ पाया था। रोसलीना ने कहा कि एक आम नागरिक ने संदिग्ध गतिविधि देखी और इसकी सूचना पुलिस को दी थी।

अन्य लोगों को भी सजा

इन दोनों के अलावा मंगलवार को तीन महिलाओं और पांच पुरुषों को विवाहेतर यौन संबंध, विपरीत लिंग के लोगों के साथ निकटता और ऑनलाइन जुआ खेलने के लिए दोषी ठहराकर कोड़े मारे गए। गौरतलब है कि शराब पीने जैसे अपराधों के लिए बेंत मारने की सजा को आचे में जनता का मजबूत समर्थन प्राप्त है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल की निंदा

दूसरी ओर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस सजा की निंदा की। एमनेस्टी के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक मोंटसे फेरर ने कहा कि समान लिंगीय आचरण को अपराध घोषित करना न्यायपूर्ण और मानवीय समाज में स्वीकार्य नहीं है। गौरतलब है कि 2001 में विशेष स्वायत्तता मिलने के बाद इस क्षेत्र ने धार्मिक कानून लागू करना शुरू किया। जकार्ता ने लंबे समय से चले आ रहे अलगाववादी विद्रोह को दबाने की कोशिश की थी।

संघर्षविराम पर इस्राइल की चुप्पी से कतर नाराज; इस्राइली रक्षा मंत्री और आईडीएफ प्रमुख के बीच बैठक

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच बीते 23 महीनों से चल रहे संघर्ष में गाजा की स्थिति दिन-प्रतिदिन और घातक होती जा रही है। गाजा में युद्ध को खत्म करने को लेकर किए जा रहे प्रयास भी असफल होते दिख रहे हैं। क्योंकि अभी तक इस मामले में इस्राइल का साफ रुख सामने नहीं आया है। इसी कारण युद्ध को खत्म करने की इन कोशिशों के बीच कतर ने भी इस्राइल के रवैये से नाराजगी जताई है। मामले में कतर ने कहा कि इस्राइल अब तक संघर्षविराम प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक जवाब नहीं दे रहा है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने कहा कि इस्राइल ना प्रस्ताव को स्वीकार कर रहा है, ना ही खारिज कर रहा है और ना ही कोई नया प्रस्ताव सामने ला रहा है। उन्होंने बताया कि हमास पहले ही इस महीने मिस्र और कतर को सूचित कर चुका है कि वह संघर्षविराम के प्रस्ताव को मान चुका है और बातचीत फिर से शुरू करने को तैयार है। बता दें कि इस बार के संघर्षविराम प्रस्ताव के तहत इस्राइली सेना 60 दिनों तक सैन्य कार्रवाई बंद करेगी, इस दौरान राहत सामग्री पहुंचने दी जाएगी और बचे हुए बंधकों में से आधे को रिहा कर दिया जाएगा।

कतर का कहना है कि यह वही प्रस्ताव है जिसे पहले इस्राइल ने भी मंजूरी दी थी और अब हमास ने 98 प्रतिशत हिस्से पर सहमति जता दी है। अल-अंसारी ने कहा कि अब गेंद इस्राइल के पाले में है, लेकिन इस्राइल न तो सहमत दिखता है, न कोई जवाब दे रहा है।इसके साथ ही कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह इस्राइल पर दबाव बनाए ताकि वह युद्ध रोकने के लिए आगे आए। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो हमास की सहमति के बाद से संघर्षविराम प्रस्ताव पिछले 10 दिनों से टेबल पर है, लेकिन इस्राइल की तरफ से सिर्फ और अधिक हमले, तबाही और गाजा के और जमीन पर कब्जे की योजना सामने आई है, समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं। इसको लेकर कतर ने दोहराया कि वह शांति की कोशिशें जारी रखेगा, लेकिन समय निकलता जा रहा है और हालात और भी बदतर होते जा रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर मंगलवार को इस्राइल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज और इस्राइली सेना (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल एयाल जामीर के बीच एक अहम बंद कमरे में बैठक हुई। इस बैठक में दोनों अधिकारियों ने सेना में वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्तियों की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया।

बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि अब भी रक्षा मंत्री से पूर्व सलाह लेना इस प्रक्रिया का हिस्सा बना रहेगा। इसका उद्देश्य सेना में नेतृत्व की निरंतरता बनाए रखना, पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करना और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की सेना की क्षमता को मजबूत करना है। इस दौरान दोनों नेताओं ने कहा कि आईडीएफ की नियुक्ति प्रक्रिया हमारे सैन्य संसाधनों की देखभाल का एक मूल स्तंभ है, और हम इसे पेशेवर तरीके से आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे।

गौरतलब है कि यह बैठक ऐसे समय हुई है जब इस्राइली रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख के बीच कथित मतभेद की कई खबरें सामने आ रही थीं, खासतौर पर वरिष्ठ पदोन्नति और सैन्य नीतियों को लेकर। अब माना जा रहा है कि इस बैठक से दोनों के बीच तनाव कम हुआ है और IDF में नियुक्तियों की प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया- गायब हो गया पूरा विमान, 22 दिन पहले तस्मानिया से भरी थी उड़ान, ना मलबा मिल रहा ना सुराग

तस्मानिया , एजेंसी। मलेशियाई फ्लाइट एनएच370 आपको याद ही होगी। 8 मार्च, 2014 को कुआलालंपुर से बीजिंग के लिए रवाना हुई यह फ्लाइट अचानक लापता हो गई थी। विमान में 239 लोग सवार थे। दस साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद दुर्घटना का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है। अब ऑस्ट्रेलिया में हुई एक घटना ने इस विमान की यादें ताजा कर दी हैं। यहां दो लोगों और उनके कुत्ते को लेकर जा रहा एक यात्री विमान 2 अगस्त 2025 से लापता है। 22 दिन बीत जाने के बाद भी विमान का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक विमान में 72 वर्षीय ग्रेगरी वॉन, उनकी 66 वर्षीय पार्टनर किम वार्नर और उनका कुत्ता मौली सवार थे। विमान को ग्रेगरी ही चला रहे थे। फ्लाइट ने बीते 2 अगस्त को तस्मानिया के जॉर्जटाउन हवाई अड्डे से दोपहर लगभग 1 बजे उड़ान भरी थी। रिपोर्ट के मुताबिक विमान को पहले विक्टोरिया ले जाया गया और फिर वे न्यू साउथ वेल्स के हिलस्टन एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए थे। लेकिन बास स्ट्रेट के ऊपर विमान अचानक गायब हो गया।

जानकारी के मुताबिक जब शाम तक भी विमान से कोई सूचना नहीं मिली, तो परिवार ने अलार्म बजाया। इसके बाद खोज शुरू की गई। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने उत्तरी तस्मानिया, बास स्ट्रेट और विक्टोरिया में कई हेलीकॉप्टरों, नावों और जहाजों की मदद से तलाशी शुरू की। हालांकि 22 दिनों के बाद भी अधिकारियों को कोई सफलता नहीं मिल पाई है। उन्हें न तो कोई मलबा मिला है और न ही एक्सीडेंट के कोई संकेत। वहीं विमान से कोई इमरजेंसी संकेत भी नहीं भेजे गए थे, जिसे लेकर हैरानी जताई जा रही है।

राष्ट्रपति के पास फेड गवर्नर को हटाने का अधिकार नहीं, ट्रंप के फरमान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगी लिसा कुक

वाशिंगटन, एजेंसी। फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक ने कहा कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ मुकदमा करेंगी ताकि उन्हें बर्खास्त करने से रोका जा सके। उनकी वकील ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वाशिंगटन में लंबे समय से वकील रहीं एब्बे लोवेल ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को हटाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि केवल एक रेफरल पत्र के आधार पर उन्हें बर्खास्त करने का राष्ट्रपति ट्रंप का प्रयास तथ्यात्मक या कानूनी आधार से रहित है। हम इस अवैध कार्रवाई को चुनौती देने के लिए मुकदमा दायर करेंगे।

दरअसल, ट्रंप ने अपने इस फैसले के पीछे फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के डायरेक्टर विलियम पल्प के क्रिमिनल रेफरल को आधार बनाया है। पल्प ने लिसा कुक पर मॉर्गेज फ्रॉड का आरोप लगाया, जिसमें कहा गया कि कुक ने मिशिगन और जॉर्जिया में कई प्रॉपर्टीज को अपनी प्राइमरी रेजिडेंस बताकर ऋण शर्तें हासिल की थीं। लिसा कुक ने इस फैसले को गैरकानूनी बताते हुए तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास उन्हें हटाने का कोई अधिकार नहीं है। कुक ने स्पष्ट किया कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अपना काम जारी रखेंगी।

सुप्रीम कोर्ट तक जा सकता है मामला : कुक की वकील एब्बे लोवेल ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि ट्रंप का यह कदम पूरी तरह अवैध है। उनका कहना है कि केवल एक रेफरल पत्र के आधार पर किसी गवर्नर को हटाया नहीं जा सकता। अब कुक अदालत का रुख करने जा रही हैं। जानकारों का मानना है कि फेडरल रिजर्व एक्ट 1913 के तहत किसी गवर्नर को केवल फॉर कॉज यानी गंभीर कदाचार या लापरवाही की स्थिति में ही हटाया जा सकता है। ऐसे में यह मामला अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकता है और फेड जैसी स्वतंत्र संस्था पर राष्ट्रपति के कानूनी अधिकार की सीमाओं को और स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकता है। हालांकि, अभी तक वाइट हाउस और जस्टिस डिपार्टमेंट ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

ट्रंप बोले- ईमानदार लोगों की जरूरत : वहीं, ट्रंप ने एक बैठक में पत्रकारों से कहा कि हमें पूरी तरह ईमानदार लोगों की जरूरत है, और ऐसा नहीं लगता कि वह थीं। उन्होंने कहा कि कुक की जगह लेने के लिए उनके पास कई अच्छे लोग हैं, लेकिन वह अदालत के किसी भी फैसले का पालन करेंगे जो उन्हें उनकी नौकरी से हटा दे। बता दें कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान फेड पर ब्याज दरें कम करने का दबाव

डाला था और हाल के महीनों में इस अभियान को और तेज किया है। राष्ट्रपति ने ब्याज दरों में कई प्रतिशत की कटौती की मांग की है और फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को बर्खास्त करने की धमकी दी है, हालांकि हाल ही में उन्होंने इससे इनकार किया है।

ट्रंप को मिल जाएगा बहुमत हासिल करने का मौका : कुक के जाने से ट्रंप को फेड के सात सदस्यीय बोर्ड में बहुमत हासिल करने का मौका मिलेगा, जिसमें दो मौजूदा सदस्य और वाइट हाउस के अर्थशास्त्री स्टीफन मिरान का लंबित नामांकन शामिल है। ट्रंप ने कहा कि अगर कुक की जगह खाली होती है, तो वह मिरान को, जिन्हें उन्होंने फेड बोर्ड में अस्थायी पद के लिए नामित किया था, नियुक्त करने पर विचार कर सकते हैं, जिनकी नियुक्ति जनवरी में समाप्त हो रही है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व बैंक समूह के पूर्व अध्यक्ष डेविड मालपास, जो ट्रंप के लंबे समय से सहयोगी रहे हैं, के नाम पर भी इस पद के लिए चर्चा हुई थी।

फेड की स्वतंत्रता पर खतरा : ट्रंप के सफल होने पर फेड की राजनीतिक स्वतंत्रता कमजोर हो सकती है। फेडरल रिजर्व अमेरिका की ब्याज दरें तय करता है, जो घर, कार, बिजनेस लोन, निवेशकों के भरोसे, महंगाई और पूरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर असर डालती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार मांग कर चुके हैं कि चेयरमैन जेरोम पॉवेल और फेड की दर-निर्धारण समिति अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और सरकार के 37 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण पर ब्याज भुगतान को कम करने के लिए ब्याज दर में कटौती करें। अगर ट्रंप कुक को फेड के गवर्नर बोर्ड से हटाने में सफल हो जाते हैं, तो इससे फेड की राजनीतिक स्वतंत्रता पर असर पड़ सकता है।

लिसा कुक को हटाने पर ट्रंप का बहुमत : राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में फेड बोर्ड के दो सदस्यों क्रिस्टोफर वालर और मिशेल बोमन को नियुक्त किया था। साथ ही एड्रियाना कुग्लर की जगह व्हाइट हाउस के शीर्ष अर्थशास्त्री स्टीवन मिरान की नियुक्ति की। कुग्लर ने एक अगस्त को अपना पद छोड़ दिया था। अब अगर ट्रंप लिसा कुक को हटा देते हैं और नए सदस्य को लाते हैं, तो फेड बोर्ड में उनका बहुमत (4-3) हो जाएगा, जिससे ब्याज दरें तय करने में उनका सीधा असर बढ़ जाएगा।

कुक पर क्या आरोप? : ट्रंप के समर्थक बिल पल्टे ने आरोप लगाया है कि कुक ने 2021 में मिशिगन के एन आर्बर और अटलांटा में अपने घरों पर गलत जानकारी देकर सस्ती मॉर्गेज ली थी। लेकिन अभी तक इन आरोपों का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है।

बरसात के मौसम में बच्चों के पहनावे में ये करें बदलाव, रहेंगे स्वस्थ

बरसात का मौसम वैसे तो मौज मस्ती का समय होता है, क्योंकि बारिश झुलसे हुए खेत-खलिहानों के लिए जीवन प्रदान करती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये समय छोटे बच्चों के अभिभावकों के लिए चिंता का विषय होता है, क्योंकि मौसम के बदलने से तेज बुखार होना, नाक बहना, संक्रमण फैलना आदि होना आम बात है। ऐसे समय में बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए बरसात के मौसम में पहनने वाले कपड़े पहनाना आवश्यक होता है।

आमतौर पर बरसात का मौसम देश में 15 जून से लेकर सितंबर के मध्य तक रहता है। वहीं भोपाल सहित कई हिस्सों में जुलाई और अगस्त में बारिश बहुत तेज होती है। इसके अलावा प्रदेश के कुछ हिस्सों में अप्रैल और अक्टूबर में भी हल्की-फुल्की बारिश होती है जो कि बहुत ज्यादा तो नहीं होती, परंतु बच्चों की सेहत पर आवश्य असर करती है। बारिश के मौसम में बच्चों को सेहतमंद रखने के लिए इन दिनों में सिर, छाती और पेरों को ढककर रखें, जो कपड़े पानी को सोख लेते हैं और बच्चों को सूखा रखते हैं और वही कपड़े इस मौसम के लिए बेहतर विकल्प होते हैं।

यह हो ऊपरी पोशाक

फैशन की जानकार के अनुसार यह सुनिश्चित करें कि अधिकतम बरसाती मौसम में बच्चा पूरी तरह सूखा रहे और आरामदायक मह्सूस करे। इसके लिए हमें उसे रैक्जीन, प्लास्टिक और कठोर प्लास्टिक से बने पार्दर्शी कपड़े पहनाने चाहिए। बरसात में भीगने से बचने के लिए शिफोन व नाइलोन पहनना अनुकूल होगा, क्योंकि इस प्रकार के कपड़े गीले होने पर भी जल्दी सूख जाते हैं ।

जींस, डेनिम और दूसरे भारी कपड़े न पहनाएं

चूंकि बरसात के मौसम में कीचड़ और पानी दोनों होते हैं इसलिए हल्के कपड़े जैसे सूती, गाबर्डीन और रेशम मिश्रित कपड़े पहनना ठीक नहीं होता, क्योंकि आप इनमें लगे जिद्दी दागों से आसानी से छुटकारा नहीं पा सकते हैं। इसके अलावा जींस, डेनिम और दूसरे भारी कपड़े भी नहीं पहनाना चाहिए, क्योंकि उनमें पानी ठहर जाता है और उन्हें सूखने में बहुत देर लगती है, क्योंकि धूप न निकलने के कारण कपड़े सूख नहीं पाते। साथ ही बुने हुए और ऊनी कपड़े पानी सोखने लेने के कारण सिकुड़ जाते हैं और तेज धूप न निकलने के कारण ऐसे कपड़े जल्दी सूख नही पाते ।

ऐसे हों कपड़े

- बरसात में सिर को टोपी, छाते और टोपीदार कोट से ढककर रखना चाहिए।
- छोटे बच्चों के लिए बाजार में छाते की शक्ल में कई रगों में हैट और टोपियां मिलती हैं और दोनों ही हैंड-फ्री होने के साथ-साथ बारिश से बचाव भी करती हैं।
- बारिश से बचाव के लिए रैनकोट जैसे वजन में हल्के कपड़ों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।
- शरीर से लगे छोटे बच्चों के लिए भी कुछ रैनकोट बेल्ट के साथ मिलते हैं, जो पूरी तरह सुरक्षित होते हैं विशेषकर जब तेज हवा चलती है।
- इसके अलावा आजकल कपड़ों के ऊपर पहने जाने वाले जैकट और कंधों को ढककर रखने वाले कपड़े भी मिलते हैं, जो बच्चों के लिए सुरक्षित होने के साथ-साथ फैशन के अनुरुप भी होते हैं।
- पानी से बचने के लिए टखनों से ऊपर पहने जाने वाले या बरसाती जूतों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जो पैरों को तब भी पूरी तरह सूखा रखते हैं जब उनका पैर गलती से दलदल में फंस जाए।
- रबड के सलीपर खरीदें, क्योंकि यदि बरसात के कारण वे गंदे हो जाएं या उन पर कीचड़ लग जाए, तब उन्हें साफ करना आसान होता है।
- बरसात में सैंडिल, चप्पल, बक्कल वाले जूते सभी बच्चों के लिए उपयुक्त होते हैं। इन सभी प्रकार के जूतों में कई तरह के रंग और कार्टून करैक्टर भी मिलते हैं, जिन्हें देख बच्चे खुश हो जाते हैं।

स्टाइलिश के साथ आरामदायक हो फुटवियर

मौसम ने अपना रुख बदल दिया हैं, भीगे मौसम के लम्हों के साथ आपका स्टाइल बेहद मायने रखता है। आज का दौर बहुत ही स्टाइलिश हो गया हैं। ऐसे मौसम में भी अपने आपको स्टाइलिश बनाए रखना और कंफर्टेबल रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे में इस मौसम के लिहाज से आपके पहनावे में आपका स्टाइलिश लुक आरामदायक कैसे हो, इसके लिए पेश हैं आपके लिए कुछ टिप्स...

कहा जाता हैं कि किसी इंसान के स्टाइल की पहचान उसके जूतों से होती है। जी हां, यहां हम बात कर रहे हैं आपके फुटवियर की जो आपके स्टाइलिश लुक को बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी हैं। आपके स्टाइलिश आउटफिट्स के साथ ही आपके फुटवियर का भी स्टाइलिश होना जरूरी हैं। स्टाइलिश फुटवियरर्स इन दिनों कुछ ज्यादा ही छाए हुए हैं। तो इस मॉनसून सीजन में आपके लुक में कोई कमी ना आए...इसलिए आइए हम आपको बताते हैं कि कैसा हो बारिश में फुटवियर का फैशन...

लड़कियों के लिए कैंडी कलर्स के रबर के शूज

बारीश के दिनों में चटखदार रंग कपड़े आपकी स्टाइल में चार चांद लगा देते हैं, अगर इनके साथ अगर कैंडी कलर्स के रबर के शूज को पहना जाए तो इस मौसम में आपका स्टाइल निखर के सामने आएगा। मार्केट में इस तरह के कई फुटवियरर्स उपलब्ध हैं।

लड़कों के लिए स्टाइलिश लॉफर्स

आज के इस दौर में लड़के भी फैशन करने में और खुद को स्टाइलिश लुक देने में पीछे नहीं हैं। ऐसे मौसम में भी लड़कों को अपने स्टाइलिश लुक को बनाए रखने के लिए मार्केट में उपलब्ध खूबसुरत लॉफर्स कैरी करने चाहिए।

इस मौसम में हील्स को कहें अलविदा

बारिश के मौसम में इस खास बात का ध्यान जरूर रखे कि इन दिनों में हील्स 2 इंच से ज्यादा न पहनें, ताकि आप कंफर्टेबल चल सकें और इससे आपके फिसलने का खतरा भी न रहे। वैसे फैशन के ट्रेंड के हिसाब से भी फ्लैट फुटवियर ज्यादा ट्रेंड में हैं तो फ्लैट फुटवियर ही कैरी करें।

वेस्टर्न आउटफिट्स के साथ बूट्स देंगे स्मार्ट लुक

अगर आप वेस्टर्न आउटफिट्स पहन रही हैं तो आप केक लेदर शूज जरूर ट्राई करें। बारिश के मौसम को देखते हुए लेदर के शूज की ग्रिप अच्छी नहीं होती और इनमें पानी भर जाने पर भी फंगल इंन्फेक्शन का खतरा भी बना रहता हैं। इसीलिए बिल्कुल लेदर जैसे दिखने वाले केक लेदर शूज पहने।

ट्रेंडी लुक में स्टाइलिश रेन शूज

अगर आप इस मौसम में अपनी स्टाइल को बरकरार रखना चाहती हैं तो अभी ट्रेंडी लुक में चल रहे रेन शूज को जरूर आजमाएं। ये पैरों की सुरक्षा तो करते ही है साथ में स्टाइलिश भी दिखते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2570

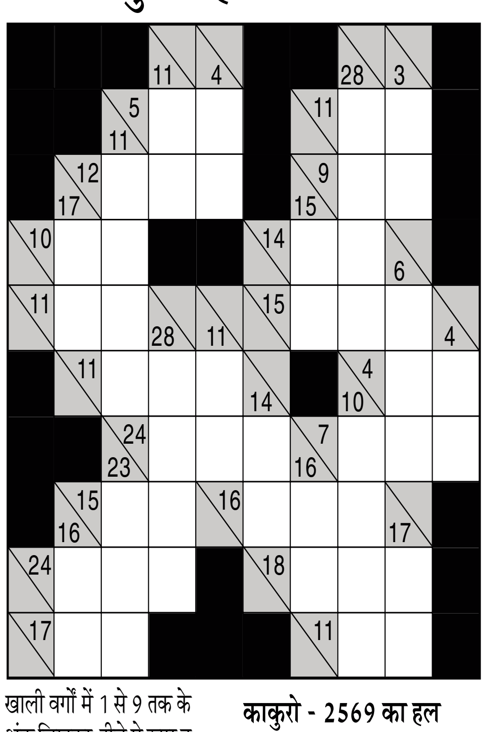

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

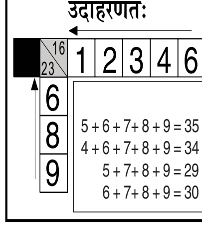

काकुरो - 2569 का हल

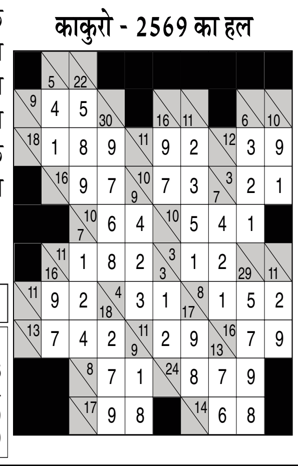

लॉफिंग ज़ोन

एक टीवी सेल्समैन एक गृहिणी को अपनी कंपनी के नये कलर टीवी की विशेषताएं बता रहा था. यह दिखाने के लिए कि रिमोट कंट्रोल कितना शक्तिशाली है, वह रंगीन टीवी को बैठक में छोड़कर रसोईघर में गया और वहीं से टीवी का चैनल बदलकर दिखाया.

एक माह बाद वह फिर पहुंचा और उस गृहिणी से टीवी के बारे में पूछा.

गृहिणी ने कहा, 'टीवी तो अच्छा है पर चैनल बदलने के लिए हर बार मुझे रसोईघर में जाना पड़ता है.'

☺ ☺ ☺

वकील साहब (मुजरिम से)- 'क्या यह सही है कि तुमने दस हजार रुपये के साथ-साथ गहने भी चुराए हैं?'

मुजरिम (वकील से)- हां साहब. मेरी मां का कहना है कि केवल रुपये से ही खुशी नहीं मिल सकती.'

☺ ☺ ☺

मालिक (नौकर से)- 'इन सारे मच्छरों को मार दो.'

थोड़ी देर बाद मालिक फिर गुस्से से बोला, 'तुमने इनको मारा नहीं इनकी भिनभिनाहट सुनकर मेरे कान पक गए हैं.'

नौकर (मालिक से)- साहब जी, 'मच्छरों को तो मैंने कभी का मार दिया. ये तो उनकी विधवाएं हैं जो उनकी याद में विलाप कर रही हैं.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2570

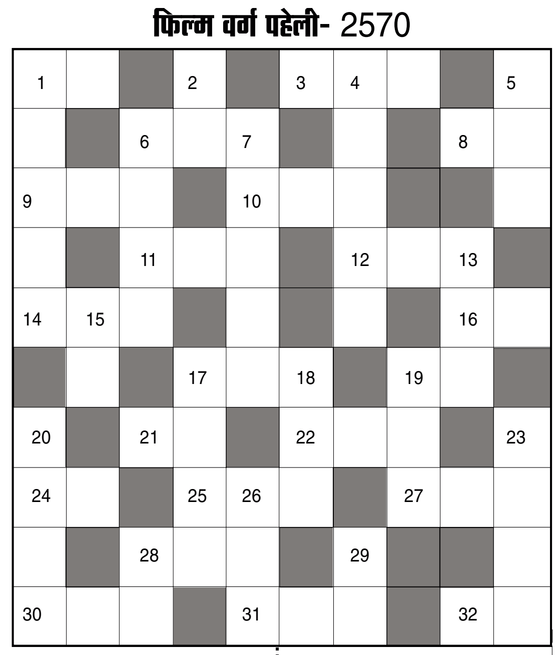

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू. रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2569

सूडोकु -2570

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2569 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 2570

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली -2569 का हल

भूपेन हजारिका की जयंती पर 100 रुपये का स्मारक सिक्का होगा जारी, मुख्यमंत्री सरमा ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

एजेंसी
गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में 100 रुपये का विशेष स्मारक सिक्का जारी करने की अधिसूचना जारी कर दी। मुख्यमंत्री ने इसे 'भूपेन हजारिका के प्रति कालजयी सम्मान' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुधाकंठ को हमेशा वह सम्मान दिया है, जिसके वे हकदार थे। इस कदम ने उनके जन्म शताब्दी समारोह को और भी विशेष बना दिया है।सरमा ने कहा कि यह सिक्का न केवल डॉ. हजारिका की जन्म शताब्दी को अमर बना देगा, बल्कि संगीत, साहित्य और असम की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाने में उनकी अमूल्य भूमिका को भी रेखांकित करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डॉ. हजारिका की विरासत को निरंतर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है, जिससे यह शताब्दी वर्ष असम के लोगों और उनके विश्वभर के प्रशंसकों के लिए अविस्मरणीय बन गया है।

राहुल गांधी का शब्दों की मर्यादा लांघ जाना बहुत ही अशोभनीयः भाटिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए शब्दों की मर्यादा को लांघ जाना बहुत ही अशोभनीय है। भाटिया ने भाजपा मुख्यालय में मीडिया से कहा कि राहुल गांधी के डीएनए में अब तू तड़ाक करना शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री जैसे तमाम संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्ति के लिए तू-तड़ाक करके अपनी बात रखना बहुत ही अशोभनीय है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने बिहार के मुजफ्फरपुर में आयोजित एक में प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। यहां राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान को आधार बनाते हुए प्रधानमंत्री को झूठा बताया और तू तड़ाक वाले लहजे में बात रखी।

असम के कार्बी आंगलोंग में 11 करोड़ की मॉर्फीन जब्त, दो गिरफ्तार

कार्बी आंगलोंग (असम)। खुफिया सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए पुलिस टीम ने कार्बी आंगलोंग जिले में 11 करोड़ की मॉर्फीन जब्त की है। 10.71 किलो प्रतिबंधित पदार्थ को बीती मध्य रात्रि को असम-नगालैंड सीमा के पास गश्त के दौरान बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कार्बी आंगलोंग ज़िले में पुलिस ने लगभग 11 करोड़ रुपये मूल्य की मॉर्फीन ज़ब्त की है। डिलाई इलाके में 6 माइल क्षेत्र में एक ट्रक को रोका गया, जहां अधिकारियों को ड्राइवर की सीट के पीछे छिपाई गई मॉर्फीन मिली। वाहन में सवार दो लोगों को अवैध आपूर्ति नेटवर्क में शामिल होने के संदेह में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने कहा कि उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। अधिकारी इस जब्ती को क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता बता रहे हैं।

सरकार आंकड़ों की बाजीगरी में व्यस्त, गरीब गंवा रहे जान : अजय राय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि एक तरफ अव्यवस्था से गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार झूठे आंकड़ों और चमकदार तस्वीरों से इनाम बटोरने में लगी है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में अजय राय ने कहा कि लखनऊ के जानकीपुरम सेक्टर-7 निवासी राजेश कौशल की मौत डायरिया से हुई, जिसका कारण दूषित सीवर युक्त पानी था। राजेश कौशल फेरी करके परिवार चलाते थे, उनकी मौत पूरे सिस्टम की पोल खोलती है। दुर्भाग्य यह

है कि सरकार मौत का असली कारण छिपा रही है और भाजपा के किसी नेता ने उनके परिजनों की सुध तक नहीं ली। अजय राय ने मौके पर तस्वीरें भी दिखाई, जिनमें नालों का दूषित पानी और लीक होती पाइपलाइन साफ नजर आ रही थी। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ, जिसे देशभर में स्वच्छता रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है और जो रक्षा मंत्री का संसदीय क्षेत्र है, वहां लोग गंदगी और बीमारियों से मर रहे हैं। यह सरकार की संवेदनहीनता का सबूत है। कांग्रेस नेता अजय राय ने बेरोजगारी पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि युवा निराश हैं और सरकार तथाकथित 'कुंभ रोजगार' जैसे आयोजन करके छलावा कर रही है। वहां बच्चों और युवाओं के सीवी और डिग्रियां कूड़े में पड़ी मिल रही हैं। यह युवाओं के साथ घोर मजाक है।

थारू जनजाति की बेटियों का चयन निष्पक्ष प्रक्रिया का जीवंत उदाहरण- सीएम योगी

एजेंसी
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले जहां योजनाएं सुदूर इलाकों तक नहीं पहुंच पाती थीं, आज वही लोग नौकरी पा रहे हैं। विशेष रूप से थारू जनजाति और सुदूर क्षेत्रों की बेटियों का चयन इस निष्पक्ष प्रक्रिया का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम में यूपी के विभिन्न क्षेत्रों से आई लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा कर सीएम योगी को धन्यवाद दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि

आज नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान मैंने देखा कि आजमगढ़, अमरोहा, शामली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज जैसे जनपदों के युवाओं को अवसर मिला। वहीं लखीमपुर खीरी और दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से थारू जनजाति की बेटियों का चयन हुआ, जो इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सूची में दो थारू बेटियों का चयन हुआ है, जो साबित करता है कि प्रतिभा हर जगह है, बस अवसर चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि थारू जनजाति और सुदूर इलाकों की बेटियों का चयन निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से ही संभव हुआ।

सीएम योगी ने कहा कि अगर आजमगढ़, अमरोहा, बिजनौर, शामली, ललितपुर, जालौन या सोनभद्र की बेटी चयनित होती है, तो यह साफ है कि प्रतिभा वहां भी थी और प्रक्रिया निष्पक्ष रही। यह कदम न केवल युवाओं को रोजगार दे रहा है, बल्कि सुदूर क्षेत्रों के लोगों में उम्मीद जगाने वाला है। सीएम योगी ने लाभार्थियों से कहा कि यह अवसर उनकी मेहनत का फल है और अब उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदारी निभानी है। आपके चयन से यह साबित होता है कि प्रतिभा की कोई सीमा नहीं।

इंडी गठबंधन के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने समर्थन जुटाने के लिए भाकपा-माकपा नेताओं से की मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली। इंडी गठबंधन के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने नई दिल्ली में भाकपा और माकपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर उप-राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन मांगा। उनके साथ तेलंगाना कांग्रेस सांसदों के

संयोजक डॉ. मल्लू रवि भी मौजूद थे। रेड्डी ने भाकपा के राष्ट्रीय कार्यालय अजय भवन में महासचिव राजा से और माकपा के सुरजीत भवन में महासचिव बेबी से बातचीत की। इन बैठकों में दोनों दलों के अन्य महत्वपूर्ण नेताओं के साथ भी चर्चा हुई। इससे पहले, रेड्डी ने समर्थन जुटाने के लिए चेन्नई और लखनऊ का दौरा किया था। 21 अगस्त को चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और डीएमके सांसदों से मुलाकात की। इसके बाद 22 अगस्त को लखनऊ में समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से बातचीत की। इन मुलाकातों का मकसद इंडी गठबंधन के उम्मीदवार के लिए देशभर में समर्थन को मजबूत करना है।

उज्जैन की आध्यात्मिक धरोहर पूरे विश्व को दे रही है दिशा : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी
उज्जैन। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि उज्जैन की आध्यात्मिक धरोहर न केवल भारत की सांस्कृतिक धारा को समृद्ध कर रही है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी आध्यात्मिक पर्यटन को नई दिशा दे रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन नीति में हमने देश की सांस्कृतिक ताकत बढ़ाने वाले धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन केन्द्रों के विकास के लिए बड़े प्रावधान किए हैं। केन्द्रीय पर्यटन मंत्री उज्जैन के होटल अंजुश्री में दूसरे ग्लोबल स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉन्क्लेव *'M¤ãMantic'* के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन भारत की संस्कृति और पर्यटन को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्व में अनेक संस्कृतियों का जन्म हुआ, लेकिन भारतीय संस्कृति आज भी जीवंत है। हमारी संस्कृति ने 2000 साल तक आक्रमण झेला, 200 साल की गुलामी तक झेली, लेकिन आज भी भारतीय संस्कृति समृद्ध है। आज से ढाई हजार साल पहले दुनिया में जब मानव अपना वजूद खोज रहा था, तब भारत में

तीर्थाटन की परंपरा थी। उन्होंने बताया कि तीर्थाटन हमारे संस्कारों में हैं। उनकी दादी बैलगाड़ी से तीर्थाटन करने जाया करती थीं। शेखावत ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने केरल से पर्सिया तक 24 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारतीय संस्कृति से दुनिया का परिचय कराया। देश में ब्रिटिश काल में लेखकों ने भारतीय विविधता की अपने तरीके से व्याख्या की, परन्तु आज भी भारत एक और अखंड भारत है। इसका उदाहरण प्रयागराज महाकुंभ है, जहां हर मत, पंथ, संप्रदाय के लोग एक मंच पर आए और विश्व शांति का संदेश दिया। सैकड़ों साल पहले जब इंफ्रास्ट्रक्चर इतना डेवलप नहीं था, तब भी लोग केदारनाथ और बद्रीनाथ तीर्थाटन के लिए जाते थे।

सीएसडी ने एयरबोर्न व हेलीबोर्न अभियानों के लिए किया संयुक्त सिद्धांत का विमोचन

एजेंसी
इंदौर। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मध्य प्रदेश के डॉ. अंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय त्रि-सेवा सेमिनार 'रण संवाद' के दौरान विशेष बल और एयरबोर्न एवं हेलीबोर्न संचालन के लिए संयुक्त सिद्धांतों का विमोचन किया। कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह भी उपस्थित थे। तीनों सेनाओं की सक्रिय भागीदारी से एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के डॉक्ट्रिन डायरेक्टरेट के तत्वावधान में तैयार किए गए ये सिद्धांत विशेष बल मिशनों और हवाई अभियानों के संचालन के लिए मार्गदर्शन, परिचालन अवधारणाओं और अंतर-संचालन ढांचे को निर्धारित करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल चौहान ने तीनों सेनाओं की पेशेवराना अंदाज, अनुकूलनीयता और

परस्पर जुड़ाव को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की तथा कहा कि ये सिद्धांत उभरते युद्धक्षेत्र में योजनाकारों, कमांडरों और ऑपरेटरों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ के रूप में काम करेंगे। इन सिद्धांतों का प्रकाशन संयुक्त परिचालन क्षमता को बढ़ाने, सभी सेनाओं में तालमेल लाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सटीकता और दृढ़ता के साथ सामना करने की तत्परता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देश की आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है उज्जैन और बाबा महाकाल ऊर्जा के श्रोत : डॉ. मोहन यादव

एजेंसी
उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन देश की आत्मा है। देश की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रमुख केंद्र है और इस ऊर्जा का मूल आधार स्वयं बाबा महाकाल हैं। बाबा महाकाल सम्पूर्ण चराचर जगत को गतिमान रखने वाली नैसर्गिक ऊर्जा के केंद्र हैं। उनके आशीर्वाद से ही यह शहर आज देश की धार्मिक आस्था और परम्पराओं के संवाहक के रूप में प्रसिद्धि पाकर ÷द बेस्ट रिलीजिएस एण्ड स्पिरिचुअल डेस्टिनेशन÷ बन चुका है। उज्जैन का यह गौरवशाली स्वरूप ऐसे ही नहीं बना। इसके पीछे एक लंबी कहानी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्री महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद से उज्जैन शहर की पहचान, आकर्षण और आस्था विश्वव्यापी हो गए हैं।

अब यहां देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री उज्जैन के होटल अंजुश्री में दूसरे ग्लोबल स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉन्क्लेव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर इस कॉन्क्लेव का विधिवत् शुभारंभ किया। इस अवस पर उज्जैन में फेथ एंड फ्लो पुस्तक का विमोचन किया। सम्मेलन को केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन काल गणना की नगरी है। आज भारत का समय है और पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। पहले दुनिया के जो देश भारत से प्रतियोगिता कर रहे थे, आज वे सभी खुद को भारत के अनुगामी हैं। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने अनेक कलाएं और विद्या ग्रहण कीं। आत्म चिंतन के लिए भारत से अच्छा दुनिया में कोई स्थान नहीं है। आज देश की सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन धर्म और संस्कृति की कोई सीमा नहीं हैं। भारतीय संस्कृति ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान तक फैली हुई है।

राहुल-तेजस्वी लोकतंत्र के लिए खतरा, जनता सिखाएगी सबक : सम्राट चौधरी

एजेंसी
पटना । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार निशाना साधते हुए उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता दोनों राजकुमारों को सबक सिखाएगी। बातचीत में उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल होने पर लालू परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार उन लोगों को बिहार बुला रहा है, जिन्होंने बिहार की जनता का अपमान किया और सनातन धर्म का विरोध किया। उन्होंने स्टालिन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का जिक्र करते हुए कहा कि ये लोग बिहार के लोगों का अपमान करते हैं, सनातन धर्म का विरोध करते हैं। ऐसे नेताओं को राजद संरक्षण दे रहा है, जो बिहार और उसके सांस्कृतिक मूल्यों के खिलाफ हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता इस सियासी खेल को समझती है और वह एनडीए के साथ मजबूती से खड़ी है। 'वोटर अधिकार यात्रा' और एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की जनता के लिए एसआईआर कोई बड़ा मुद्दा नहीं है, बल्कि विकास, तरक्की और रोजगार उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने एनडीए सरकार के तहत पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को समृद्ध बनाने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' में रेवंत रेड्डी और स्टालिन के जुड़ने को 'घुसपैठिया' करार दिया। डिप्टी सीएम के अनुसार, घुसपैठिये आए हैं, चले जाएंगे। यह बिहार यहां पर था और रहेगा।

आंध्र प्रदेश में अगले 24 से 48 घंटे भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी
अमरावती। ओडिशा तट के निकट बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनता जा रहा है। इससे अगले 24 घंटों में इसके धीरे-धीरे ओडिशा की ओर बढ़ने की संभावना है। इस गंभीर निम्न दबाव के कारण आंध्र प्रदेश में कई स्थानों विशेष कर तटवर्ती क्षेत्र पर मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। तट पर 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। अधिकारियों ने मछुआरों को मछली पकड़ने समुद्र में ना जाने की सलाह दी है। इसे लेकर अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने के साथ ही आंध्र में विनायक मंडपम के आयोजकों को सावधानी बरतनी की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि निम्न दबाव से श्रीकाकुलम, विजयनगरम, मन्यम, अल्लूरी, पश्चिम गोदावरी, एलुरु, एनटीआर और गुंटूर जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। विजयवाड़ा में एनटीआर की जिलाधिकारी जी. लक्ष्मी ने लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर सभी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम और वार्ड सचिवालय की एक इकाई के रूप में चौबीसों घंटे विशेष निगरानी दल और बाढ़ प्रतिक्रिया दल सक्रिय रहें। सुझाव दिया कि जलग्रहण क्षेत्र के गांवों के लोगों को समय-समय पर बाढ़ की स्थिति से

अवगत कराया जाना चाहिए। डीएम कार्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जिसका नंबर 91549 70454 है।

जिलाधिकारी ने नियंत्रण कक्ष से राजस्व, सिंचाई, पंचायत राज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अग्निशमन, विद्युत एवं अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ मंडल एवं निर्वाचन क्षेत्र के विशेष अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति पर सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने एमपीडीओ और तहसीलदारों को मंडल के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा। उन्होंने जरूरतमंदों के लिए पुनर्वास शिविर स्थापित करने और नगर प्रशासन के अधिकारियों को सतर्क करने के निर्देश दिए ताकि पहाड़ी इलाकों में लोग सावधान रहें। उन्होंने निचले इलाकों पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा के बुदमेरु, मुन्नरु और प्रकाशम बैराजों की लगातार निगरानी की जा रही है और फिलहाल कोई चिंताजनक स्थिति नहीं है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुठभेड़, तीन महिला समेत चार नक्सली ढेर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के सीमावर्ती महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए। इनमें तीन महिला और एक पुरुष हैं। गढ़चिरौली के अपर पुलिस अधिक्षक एम. रमेश ने मुठभेड़ की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गढ़चिरौली डिवीजन के नक्सलियों की कोपरशी वन क्षेत्र (गढ़चिरौली-नारायणपुर सीमा) में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद तलाशी अभियान के लिए गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 यूनिट और सीआरपीएफ की क्यूआरटी टीम रवाना की गई। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के बीच सुरक्षाबल के जवान उस क्षेत्र में पहुंचकर तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी फायरिंग की। इस दौरान दोनों तरफ से रुक-रुक कर करीब 8 घंटे तक फायरिंग होती रही। इस मुठभेड़ में तीन महिला और एक पुरुष नक्सली मारे गये।

कटरा भूस्खलन में 32 मृतकों के परिवारों को 9-9 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान

एजेंसी
जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कटरा में हुए भूस्खलन की घटना के 32 मृतकों के परिवारों को 9-9 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से बात की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तत्परता से राहत और बचाव कार्यों में लगा हुआ है। उपराज्यपाल ने आज कटरा स्थित एसएमवीडी नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल जाकर भूस्खलन में घायल हुए श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि श्राइन बोर्ड की नीति के अनुसार 5 लाख रुपये दिए जाते हैं और आपदा प्रबंधन विभाग भी मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपये प्रदान करेगा। उपराज्यपाल ने कहा कि कटरा भूस्खलन की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कल दोपहर बादल फटने के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन अर्धकुंवारी के पास बादल फटने के कारण कई लोग पानी के बहाव में बह गए। उन्होंने कहा कि कई अनमोल जानें गईं और कई घायल हुए। उन्होंने कहा कि कई

मृतकों की पहचान हो गई है और उनके शवों को घर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। कटरा स्थित एसएमवीडी नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल जाकर भूस्खलन में घायल हुए श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। डॉक्टरों से सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने आपातकालीन सेवाकर्मियों, एसएमवीडीएसबी कर्मचारियों और नागरिकों के प्रति कृतज्ञता जताई, जिनके अनुकरणीय प्रयासों से कई लोगों की जान बच गई। उपराज्यपाल सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया है। विभिन्न जिलों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है और मैंने अधिकारियों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने और अपने-अपने पदों पर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उपराज्यपाल ने जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बात की और बाढ़ की स्थिति तथा बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी कम हो रहा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर बिजली, संचार और जल आपूर्ति बहाल की जाए। निचले बाढ़ग्रस्त इलाकों से 5000 से ज़्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, मंडलायुक्त कार्यालय के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। भारतीय सेना ने एक बयान में बताया कि जम्मू और पठानकोट क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ से निपटने के लिए राहत एवं बचाव अभियानों में 13 बाढ़ राहत और बचाव टुकड़ियां तैनात की गई हैं।

राजधानी हैदराबाद समेत तेलंगाना में भारी बारिश , सचिवालय में मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक, एनडीआरएफ अलर्ट

एजेंसी
हैदराबाद। हैदराबाद समेत तेलंगाना के कई हिस्सों में बारिश हो रही है. लिंगमपल्ली, मियापुर, गाचीबोवली, माधापुर, कोंडापुर, रायदुर्गम, जुबली हिल्स, अमीरपेट, नामपल्ली, दिलसुखनगर, एलबी नगर, हयातनगर, मेडचल, शमीरपेट और शहर के अन्य इलाकों में मंगलवार रात से लगातार बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण तेलंगाना में मूसलाधार बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण हैदराबाद के दो नो जलाशय उस्मानसागर और हिमायतसागर भारी बाढ़ आ रही है। राजधानी के कॉलोनियों की सड़कें नदियां बन रही हैं। गांव तालाबों में तब्दील हो रहे हैं। लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ग्रामीण तेलंगाना में सड़कें बह गई हैं, जिससे यातायात बाधित हो गया है। खासकर मेडक और कामारेड्डी में तेज बारिश से हवेलीघनपुर मंडल के धूप सिंह थांडा, थिम्मईपल्ली, नागपुर और वाडी गांवों में बाढ़ आ गई है। पानी घरों में घुस गया है और गांवों की सड़कों से हिंसक रूप से बह रहा है। पिल्लीकोट्टल में सबस्टेशन पानी में डूब गया.. मेडक जिला केंद्र की बिजली आपूर्ति रोक दी गई है.. बारिश के कारण मेडक जिला केंद्र में पानी भर गया है। हवेलीघनपुर और नागपुर राजमार्ग पर बाढ़ की धारा में एक कार बह गई। स्थानीय लोगों को संदेह है कि कार में चार लोग हो सकते हैं। राजस्व और पुलिस विभाग इस हादसे पर तहकीकात में जुटे हैं। निजामाबाद में भारी बारिश हुई। कई बस्तियाँ जलमग्न हो गईं। टेकरियाल में दो बेडरूम वाले घर पानी में फंस गए। विधायक ए. मदन मोहन राव ने सरकार से जलधारा में फंसे लोगों के लिए हेलीकॉप्टर भेजने का अनुरोध किया। बिक्कनूर मंडल के तलमाटला में रेलवे पटरियों के ऊपर से बाढ़ का पानी तेज़ी से बह रहा है। बाढ़ के पानी में रेलवे ट्रैक बह गया। पटरियाँ पानी पर तैर रही हैं। सतर्क रेलवे अधिकारियों ने निज़ामाबाद-सिकंदराबाद मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी। कामारेड्डी-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग बाढ़ के पानी के ऊपर बहने के कारण बंद कर दिया गया। राजन्ना सिरिसिला जिले के गंभीरावपेट मंडल के नरमला गाँव निवासी पम्पुकाडी नागय्या, मनेरू नदी में बह गए। पुलिस को सूचित करने के बाद, तलाशी अभियान शुरू किया गया।

गिल, जुरेल, ईश्वरन दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से बाहर, इन प्लेयर्स को मिला कप्तानी का मौका

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के पहले दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ नहीं खेल पाए, जो गुरुवार को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू हुई। उत्तर क्षेत्र की टीम के कप्तान बनाए गए गिल से पहले मैच में कप्तानी करने की उम्मीद थी, लेकिन बीमारी के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा। 9 सितंबर से अबू धाबी में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले उनके इस सप्ताह के अंत में बेंगलुरु पहुंचने की संभावना है।

गिल की अनुपस्थिति में हरियाणा के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अंकित कुमार ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली, जबकि सर्विसेज के बल्लेबाज शुभम रोहिल्ला ने उनकी जगह अंतिम एकादश में जगह बनाई। उत्तर क्षेत्र की टीम में एशिया कप के लिए जाने वाले दो अन्य खिलाड़ी हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं, जो मैच में बाद में गेंदबाजी करेंगे।

सेंट्रल जोन के खेमे को एक और झटका लगा, जहां उनके नियुक्त कप्तान, विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल कमर में दर्द की शिकायत के बाद नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। रजत पाटीदार, जिन्हें पहले उप-कप्तान बनाया गया था, अब टीम की कमान संभाल रहे हैं। सेंट्रल जोन की प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के साथ-साथ बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी शामिल हैं।

ईस्ट जोन को भी झटका लगा जब नियमित कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन बुखार के कारण मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह, ऑलराउंडर रियान पराग टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम की कप्तानी कर रहे हैं। गिल घरेलू सीजन में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में भारत का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने 5 मैचों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। उन्हें आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल 4 सितंबर से और फाइनल 11 सितंबर से एक ही स्थान पर होगा।

भारत को एशिया कप में पाकिस्तान से खेलना चाहिए? मोहम्मद शमी ने दिया सीधा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट एशिया कप 2025 के अब कुछ ही दिन बचे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर बोर्ड की स्थिति स्पष्ट है लेकिन बड़ा वर्ग चाहता है कि ये मैच ना हो खासकर कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद। टीम का हिस्सा नहीं होने के बावजूद मोहम्मद शमी अपने घर से सूर्यकुमार यादव की टीम पर नजर रखेंगे और उन्होंने भारत-पाक मैच को लेकर अपने भाव व्यक्त किए हैं।

एक मीडिया हाउस से बातचीत में शमी ने कहा, 'मैं विवादों से दूर रहता हूं। सरकार और बोर्ड फैसला करते हैं और हम उसका पालन करते हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य टीमों की तुलना में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना अलग है, या इसे किसी अन्य खेल की तरह ही माना जाता है, शमी ने कहा कि यह वास्तव में अलग है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के खिलाफ खेलना प्रशंसकों के जुनून के कारण अलग है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह प्रदर्शन करने के बारे में है।'

शमी से पाकिस्तान के खिलाफ खेलते समय स्लेजिंग की संभावित घटनाओं के बारे में भी पूछा गया, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'किसी ने नहीं। मैं सिर्फ एक बार टेस्ट मैच में नाराज हुआ था जब कोई समय बर्बाद कर रहा था। मैंने उन्हें अपना खेल खेलने के लिए कहा। यही मेरी आक्रामकता है।'

दलीप ट्रॉफी ~ दानिश मालेवार और रजत पाटीदार के शतक, मध्य क्षेत्र की मजबूत शुरुआत

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ के रणजी ट्रॉफी नायक दानिश मालेवार और अनुभवी रजत पाटीदार ने शतक जमाकर गुरुवार को यहां उत्तर पूर्व क्षेत्र के कमजोर आक्रमण की धज्जियां उड़ा दी जिससे मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन बारिश के कारण खेल रोके जाने से पहले 77 ओवर में दो विकेट पर 432 रन बना लिए।

पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक लगाने वाले 21 वर्षीय मालेवार ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दिन का खेल समाप्त होने के समय वह 198 रन बनाकर खेल रहे थे। RCB के IPL विजेता कप्तान पाटीदार ने 96 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली।

मालेवार ने अब तक अपनी पारी में एक छक्का और 35 चौके लगाए हैं, जबकि पाटीदार ने 21 चौके और तीन छक्के लगाए। मालेवार और पाटीदार ने तब मोर्चा संभाला जब सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 60) को पेट में गेंद लगने के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा। मालेवार ने चौका लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना तीसरा शतक पूरा किया।

दूसरी तरफ पाटीदार ने शानदार कवर ड्राइव से अपना 14वां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। वह तेज गेंदबाज फीरोइजम जोतिन की गेंद पर स्वीप करने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री पर अंकुर मलिक को कैच देकर पवेलियन लौटे। पाटीदार के आउट होने के बाद मालेवार और उनके रणजी साथी यश राठौड़ ने तीसरे विकेट के लिए 85 रन की अटूट साझेदारी की। जब बारिश के कारण खेल रुका तब राठौड़ 32 रन बनाकर खेल रहे थे।

ऑलराउंडर विजय शंकर अब तमिलनाडु से नहीं खेलेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। ऑलराउंडर विजय शंकर अब आने वाले घरेलू सत्र 2025-26 में तमिलनाडु की ओर से नहीं खेलेंगे। विजय शंकर ने राज्य की टीम छोड़ने की जानकारी तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) को देते हुए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मांगा था जो उन्हें दे दिया गया है। इस क्रिकेटर ने बुची बाबू टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मैच में खेला था पर महाराष्ट्र के खिलाफ दूसरे मैच में शामिल नहीं किये जाने से नाराज होकर इस क्रिकेटर ने टीम छोड़ने का फैसला कर लिया हालांकि इस क्रिकेटर का कहना है कि उसने बेहतर अवसरों के लिए ये टीम छोड़ी है। अब माना जा रहा है कि ये ऑलराउंडर किसी और राज्य से खेलेगा।

विजय शंकर ने ये फैसला अचानक ही नहीं लिया है। 2024-25 के घरेलू सत्र में भी उसे रणजी ट्रॉफी में पहले दो मैच ही खेलने को मिले थे। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के अधिकतर मुकाबलों में उसे अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। जिसके बाद से ही वह दूसरी टीम से खेलने की सोचने लगे थे। इस फैसले के साथ तमिलनाडु के साथ शंकर का एक दशक से अधिक समय का साथ समाप्त हो गया। उनकी कप्तानी में टीम ने विजय हजारे, देवधर और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी।

दिसंबर 2012 में रणजी ट्रॉफी डेब्यू के बाद उन्हें मध्य क्रम में एस बद्रीनाथ की जगह मिली थी। इस खिलाड़ी ने तमिलनाडु के लिए रणजी ट्रॉफी की 81 पारियों में 44.25 की औसत से 3142 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 16 अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने अपनी मध्यम गति की तेज गेंदबाजी से 53.93 की औसत से 43 विकेट भी हासिल किए। उनके लिए 2014-15 में रणजी सीजन बेहतरीन बीता जब उन्होंने 11 पारियों में 57.70 की औसत से 577 रन बनाए।

इसके बाद उन्हें इंडिया ए में जगह मिली ओर फिर 2019 के एकदिवसीय विश्वकप में शामिल किया गया। साल 2024-25 के रणजी सत्र में उन्होंने सेलम में चंडीगढ़ के खिलाफ 171 गेंदों पर 150 रनों की नाबाद पारी खेली जो कि उनके रणजी करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी रही है। शंकर से पहले कप्तान बी अपराजित भी तमिलनाडु का साथ छोड़कर केरल चले गये थे।

शंकर के जाने से अब टीम के पास आर एस अम्ब्रिश के तौर पर एक विकल्प है। इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड में अंडर-19 में शानदार प्रदर्शन किया था। शंकर का जाना नए सत्र से पहले तमिलनाडु के लिए एक और बड़ा झटका है क्योंकि आर साई किशोर हाथ की चोट से उबर रहे हैं।

पीवी सिंधु ने वर्ल्ड नंबर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराया, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

स्पोर्ट्स डेस्क ~ दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने गुरुवार को BWF विश्व चैंपियनशिप में विश्व की नम्बर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। सिंधु ने झीयी सीधे सेटों में हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। ओलिंपिक में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकीं सिंधु ने वर्ल्ड नंबर–2 वांग झी के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखा। सिंधु ने 5वें हेड टु हेड मैच में वांग को तीसरी बार हराया। वर्ल्ड नंबर 15 सिंधु ने पहला गेम कड़ी टक्कर के बाद 21–19 के अंतर से जीता। दूसरे गेम में भी सिंधु ने 12–6 के अंतर से बढ़त बनाने के बाद इसे कायम रखा। अंत में सिंधु ने दूसरा सेट 21–15 के अंतर से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना विश्व की नम्बर 1 बैडमिंटन खिलाड़ी साउथ कोरिया की आन से यंग से हो सकता है।

संजू सैमसन ने फिर किया कमाल, शतक के बाद ठोकी 2 फिफ्टी

स्पोर्ट्स डेस्क । केरल क्रिकेट लीग में संजू सैमसन आए दिन अपने बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। वह लगातार एक से बढ़कर एक पारियां खेल रहे हैं। संजू ने अपने प्रदर्शन से एशिया कप 2025 से पहले ही संजू सैमसन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की मुश्किल बढ़ा दी है। फिलहाल, एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में ओपनिंग के लिए 3 खिलाड़ियों में जंग देखने को मिल रही है। उपकप्तान शुभमन गिल के साथ अभिषेक शर्मा या फिर संजू सैमसन पारी का आगाज कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे थे कि हेड कोच गंभीर लेफ्ट राइट कॉम्बिनेशनल को तरजीह दे सकते हैं। ऐसे में संजू को बाहर बैठना पड़ता। अब संजू ने केरल क्रिकेट लीग में खुद को साबित कर गंभीर और सूर्या को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। इस लीग में संजू ने अब तक तूफानी अंदाज में 1 शतक के साथ दो अर्धशतक भी ठोके। लीग के 15वें मुकाबले में कोच्चि ब्लू टाइगर्स का सामना अदानी त्रिवेंद्रम रॉयल्स से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोच्चि ब्लू टाइगर्स को संजू सैमसन और विनूप मनोहरन ने तेज शुरुआत दिलाई। संजू ने 167.57 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 37 गेंदों पर 62 रन कूट दिए। इस दौरान संजू ने 4 चौके और 5 सिक्स लगाए। संजू के इस अर्धशतक की बदौलत कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए।

भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की संभावना नहीं : श्रीकांत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे के श्रीकांत ने कहा है कि भारत की जो वर्तमान टीम है उससे अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप को जीता नहीं जा सकता है। श्रीकांत ने कहा कि एशिया कप में ही ये टीम जीत सकती है। श्रीकांत ने कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं पर टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि छह माह बाद होने वाले विश्व कप की तैयारी इस टीम के साथ करने से कोई लाभ नहीं होने वाला। माना जा रहा है कि श्रीकांत एशिया कप क लिए चयनित टीम से नाराज हैं। अक्षर पटेल को हटाकर शुभमन गिल को टीम में उपकप्तान बनाने पर भी सवाल उठाये हैं। साथ ही कहा कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने का फैसला भी गलत है। उन्होंने कहा, । अक्षर पटेल को उप–कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू, शिवम और हर्षित कैसे टीम में आ गए। आईपीएल को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है पर लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने कहा कि 5वें नंबर के लिए भी टीम के पास बल्लेबाज नहीं है। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से किसी एक को रखा जाएगा। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने पाकिस्तान के हॉकी एशिया कप से बाहर होने की वजह बताई

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार तिर्की ने हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 में पाकिस्तान और ओमान पुरुष हॉकी टीमों के भाग न लेने के कारणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है, जबकि ओमान के निजी कारणों से प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया गया है। बिहार के राजगीर में होने वाले आगामी एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें पाकिस्तान और ओमान ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होने वाले इस आयोजन में अब बांग्लादेश और कजाकिस्तान की टीमें भाग लेंगी। पाकिस्तान, जो पारंपरिक रूप से एशियाई हॉकी के सबसे बड़े नामों में से एक है, भाग नहीं लेगा जिससे बांग्लादेश के लिए जगह बनाने का रास्ता साफ हो गया है। ओमान ने भी भाग न लेने का फैसला किया है और कजाकिस्तान ने उनकी जगह ले ली है।

हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 से बाहर रहने वाली टीमों के बारे में दिलीप तिर्की ने बताया, 'हॉकी पुरुष एशिया कप 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 8 टीमें भाग लेंगी... इस टूर्नामेंट के बेहद सफल होने की उम्मीद है... बिहार सरकार इस टूर्नामेंट के लिए भरपूर सहयोग दे रही है... पाकिस्तान सुरक्षा कारणों से और ओमान अपने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रहा है।' पुरुष एशिया कप बिहार के राजगीर में आठ शीर्ष एशियाई देश भारत, जापान, चीन, कजाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे हिस्सा लेंगे। यह आयोजन 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करता है जिससे हर खेल में अतिरिक्त तीव्रता और महत्व जुड़ जाता है। मेजबान भारत को जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। वे 29 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे उसके बाद 31 अगस्त को जापान से भिड़ेंगे और 1 सितंबर को कजाकिस्तान के खिलाफ उनका अंतिम पूल मैच होगा।

दानिल मेदवेदेव कोर्ट पर फोटोग्राफर के आने से गुस्साए, रैकेट भी तोड़ा, लगा 42500 डॉलर का भारी जुर्माना

न्यूयॉर्क । अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मिली हार के बीच कोर्ट पर एक फोटोग्राफर के आने पर अपना गुस्सा उतारने वाले रूस के मेदवेदेव पर उनकी मैच फीस 110000 डॉलर का एक तिहाई से भी अधिक 42500 डॉलर जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने खेल भावना के विपरीत आचरण पर मेदवेदेव पर 30000 डॉलर और रैकेट तोड़ने पर 12500 डॉलर जुर्माना लगाया। मैच खत्म होने के बाद मेदवेदेव ने अपना रैकेट तोड़ दिया था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रह चुके मेदवेदेव उस समय नाराज हो गए जब चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने फोटोग्राफर द्वारा बाधा पहुंचाये जाने के बाद विरोधी खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी को पहले सर्विस की अनुमति दे दी। बोंजी उस समय तीसरे सेट में 5.4 से आगे थे जब एक फोटोग्राफर कोर्ट के साइड में चलने लगा। बाद में उसकी मान्यता रद्द कर दी गई। चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने के लिए कहा और उसके बाद बोंजी को फिर सर्विस दे दी।

आज से राजगीर में शुरू होगा एशिया कप 2025, आठ प्रमुख टीमें इस टूर्नामेंट में लेंगी भाग

पटना (एजेंसी)। इंतज़ार खत्म हुआ क्योंकि 10 दिवसीय हीरो पुरुष एशिया हॉकी कप 2025 कल से बिहार के राजगीर में हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर शुरू होने वाला है। यह हॉकी एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ शीर्ष एशियाई देश - भारत, जापान, चीन, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे - हिस्सा लेंगे। सभी टीमें राजगीर पहुँच चुकी हैं जहाँ वे एशिया कप 2025 के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। राजगीर के विभिन्न होटलों में खिलाड़ियों के ठहरने के लिए पर्याप्त सुविधाएँ और सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जबकि भारतीय हॉकी टीम के सदस्य खेल परिसर में ठहरेंगे।

सभी मैच कल यानी 29 अगस्त से राजगीर स्थित अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर में खेले जाएँगे और 7 सितंबर, 2025 को समाप्त होंगे। यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में कार्य करता है, जिसने प्रत्येक खेल को और अधिक गहन और महत्वपूर्ण बना दिया है।

11 संस्करणों में से, गत विजेता कोरिया ने 5 बार एशिया कप जीता

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक-सह-सीईओ रवींद्रन शंकरन ने कहा, 'यह पहली बार है कि पुरुष एशिया हॉकी कप बिहार के राजगीर में आयोजित किया जा रहा है। यह एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ टीमें भाग ले रही हैं।'

उन्होंने बताया कि अब तक आयोजित 11 संस्करणों में से, गत विजेता दक्षिण कोरिया पुरुष एशिया कप में भाग लेने वाली सबसे सफल टीम है, क्योंकि उसने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में पाँच बार खिताब जीता है, जबकि मेज़बान भारत ने 2003, 2007 और 2017 में कप जीता है और पाकिस्तान ने भी 1982, 1985 और 1989 में तीन बार यह खिताब जीता है। हॉकी प्रशंसकों को स्टेडियम में मैच देखने के लिए आकर्षित करने हेतु, हॉकी इंडिया ने पहले ही घोषणा कर दी है कि राजगीर में होने वाले एशिया कप के सभी मैचों में प्रवेश निःशुल्क होगा।

हॉकी मैच देखने के लिए निःशुल्क टिकट

प्रशंसक www.ticketgenie.in या हॉकी इंडिया ऐप पर जाकर अपने निःशुल्क टिकट के लिए पंजीकरण कर सकते हैं, जहाँ प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें एक वर्चुअल टिकट प्राप्त होगा। आयोजन स्थल पर किसी भी तरह की भीड़भाड़ से बचने और प्रशंसकों को बिना किसी खर्च के विश्वस्तरीय हॉकी के रोमांच का आनंद लेने के लिए ये व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे यह खेल पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गया है।

कुल 24 मैच खेले जाएँगे; चार मैच 29 अगस्त को पहले दिन खेले जाएँगे।

मेजबान भारत को पूल ए में जापान, चीन और कज़ाकिस्तान के साथ रखा गया है। वे अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेंगे, उसके बाद 31 अगस्त को जापान से और 1 सितंबर को कज़ाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेंगे। पूल ए में, भारत-चीन मैच के अलावा, जापान और कज़ाकिस्तान भी पहले दिन भिड़ेंगे। जबकि, पूल बी में मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे शामिल हैं। उद्घाटन मैच मलेशिया और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा, जबकि पहले दिन का दूसरा मैच कोरिया और चीनी ताइपे के बीच खेला जाएगा।

हॉकी के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से बिहार के विभिन्न जिलों और देश के विभिन्न राज्यों में 'ट्रॉफी गौरव यात्रा' निकाली गई है। यह यात्रा 29 अगस्त को राजगीर पहुँचकर समाप्त होगी। 7 सितंबर, 2025 को होने वाले फाइनल मैच तक कुल 24 मैच खेले जाएँगे।

बिहार में पुरुष हॉकी एशिया कप की

मेजबानी, गर्व की बात

हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी को बिहार के लिए गर्व की बात बताते हुए, शंकरन ने कहा कि 'यह (एशिया कप की मेजबानी) न केवल राज्य की अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में बिहार की वैश्विक छवि को भी मज़बूत करेगा।' शंकरन ने कहा, 'राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का विश्व स्तरीय हॉकी स्टेडियम इस आयोजन को और भी भव्य बना देगा। हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन बिहार के लिए ऐतिहासिक है, जो राज्य को खेल, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा।'

बिहार द्वारा आयोजित प्रमुख खेल आयोजन

राजगीर स्थित खेल परिसर ने बिहार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है क्योंकि राज्य पहले ही कई टूर्नामेंट/चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुका है, जैसे नवंबर 2024 में महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, जिसमें छह टीमों - भारत, मलेशिया, जापान, चीन, थाईलैंड और कोरिया - ने भाग लिया था। इस वर्ष मई (2025) में खेलो इंडिया यूथ गेम्स राजगीर सहित पाँच शहरों में आयोजित किए गए, जहाँ प्रमुख आयोजन हुए। सेपक टकराव विश्व कप 2025 पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित किया गया था।

बदले हुए प्रारुप में आज से शुरु होगा प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र

विशाखापत्तनम । प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र शुक्रवार से शुरु होने जा रहा है। ये सत्र विशाखा स्पोर्ट्स क्लब, विशाखापत्तनम में शुरू होगा। इसका पहला मुकाबला तेलुगु टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच होगा। इस सत्र के लिए इसी प्रकार टाई–ब्रेकर के नियमों को भी बदला गया है। जिससे भी इस लीग का रोमांच बढ़ेगा। लीग को लेकर इसमें शामिल सभी टीमों के कोच उत्साह से भरे हैं और सभी ने अपनी–अपनी टीमों की जीत का दावा किया है। बेंगलुरु बुल्स में शामि बीसी रमेश ने कहा, 'मेरे ऊपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव है। प्रशंसकों को उम्मीद है कि टीम अच्छा करेगी।' बेंगलुरु बुल्स का पिछले साल प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था इसके बाद पूरी टीम बदल दी गई है।' तमिल थलाइवाज़ के कोच संजीव बालयन ने कहा कि उनकी टीम जीत के लिए बिना किसी दबाव के उतरेगी। उन्होंने कहा, 'हर कोच जीतना चाहता है. हम भी वहीं चाहते हैं पर वही टीम जीतेगी जो दबाव से उबरकर बेहतर खेलेगी।' मौजूदा चैंपियंस हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने कहा, 'लीग बड़ी हो रही है और प्रारुप में बदलाव से कबड्डी को लाभ होगा। ये प्रारुप बहुत अच्छा है क्योंकि इसमें जो टीमें पीछे भी रह जाती हैं, उनके पास वापसी का अवसर रहता है। हम पूरी कोशिश करेंगे कि अपनी ट्रॉफी का बचाव कर सकें। टीम भी पिछली बार से बेहतर हुई है।' वहीं पटना पाइरेट्स के कोच अनूप कुमार ने कहा, 'हमारी टीम काफी अच्छी रही है पर इससे यह एक तरह का दबाव भी है। खिलाड़ी बदलते रहते हैं। जब पटना ने लगातार तीन सत्र जीते, तब टीम अलग थी, कोच अलग थे जब दो बार फाइनल में पहुंचे, तब भी टीम अलग थी। ये सीजन एक नया सीजन है. कुछ खिलाड़ी बदले हैं तो कुछ पिछले सीजन से हैं. कोच भी बदला है. यही प्रयास यह है कि इस बार अच्छी शुरुआत हो और जो टीम पिछले सीजन में नहीं कर पाई, वो इस बार कर दिखाए।.' बंगाल वॉरियर्स के कोच नवीन कुमार ने कहा कि उनकी युवा टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'हमने एक युवा टीम बनायी है जो अपने को साबित करेगी।' पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, 'मैं फिटनेस पर बहुत काम कर रहा हूं. मुझे लगता है जो टीम कम डिफेंसिव गलतियां करती है, वही जीतती है। मैं कोशिश कर रहा हूं कि हमारी डिफेंस मजबूत हो।'

हैवान-हेरा फेरी 3 और इस फिल्म के बाद रिटायरमेंट की तैयारी में प्रियदर्शन

प्रियदर्शन इंडस्ट्री के चर्चित निर्माता–निर्देशक हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्मों हैवान और हेरा फेरी 3 को लेकर चर्चा में हैं। प्रियदर्शन अब फिल्म मेंकिंग से रिटायरमेंट लेने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुद उन्होंने ऐसी इच्छा जाहिर की। उन्होंने हैवान और हेरा फेरी 3 को पूरा करने के बाद फिल्म निर्माण से संन्यास लेने की अपनी योजना का खुलासा किया है।

कोच्चि में चल रही हैवान की शूटिंग

निर्देशक प्रियदर्शन ने फिल्म हैवान की शूटिंग शुरू कर दी है। इसे फिलहाल कोच्चि में फिल्माया जा रहा है। इस फिल्म में अक्षय कुमार अभिनेता सैफ अली खान के साथ नजर आएंगे। हैवान, प्रियदर्शन की 2016 की हिट फिल्म ओप्पम से प्रेरित है, लेकिन इसके डायलॉग और स्क्रिप्ट में कई बदलाव किए गए हैं। इस बीच निर्देशक ने अपनी फ्यूटर प्लानिंग को लेकर बात की।

मोहनलाल के साथ बनाएंगे 100वीं फिल्म

फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 99वीं फिल्म है। ओप्पम में मुख्य भूमिका निभाने वाले मोहनलाल भी हैवान में कैमियो भूमिका में दिखाई देंगे। हाल ही में प्रियदर्शन ने बातचीत में खुलासा किया कि उनका किरदार दर्शकों के लिए एक सरप्राइज होगा। उन्होंने आगे कहा कि हैवान के बाद वे मोहनलाल को लीड रोल में लेकर अपनी 100वीं फिल्म का निर्देशन करने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट अभी तय नहीं हुई है, लेकिन इसकी शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है।

थक गया हूं

प्रियदर्शन से जब लगातार अक्षय कुमार के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, यह सब कंफर्ट की बात है। सीक्वल के बारे में उन्होंने स्वीकार किया, मैं आमतौर पर सीक्वल के साथ अपनी मूल फिल्मों की नकल नहीं करता, यह मेरा काम करने का पसंदीदा स्टाइल नहीं है। उन्होंने चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए आगे कहा, इन फिल्मों को पूरा करने के बाद मैं उम्मीद है मैं रिटायर हो जाऊंगा। मैं थक गया हूं।

भरोसा तो मेरा बहुत पहले टूट चुका था

अब रियलिटी शो पर नजर आएंगी धनश्री

'बिग बॉस 19' की चर्चा के बीच एक रियलिटी शो लाइमलाइट में है। 'राइज एंड फॉल' नाम का यह शो जल्द शुरू होगा। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की एक्स वाइफ और कोरियोग्राफर धनश्री भी नजर आईं। इस शो के ट्रेलर में वह धोखे और विश्वास टूटने की बात करती दिखाई दीं।

धोखे की बात करती दिखीं धनश्री शो के ट्रेलर में अशनीर ग्रोवर नजर आते हैं, जो शो का कॉन्सेस्ट बताते हैं। इस बीच धनश्री नजर आती हैं, जो कहती हैं, 'भरोसा तो मेरा बहुत पहले ही टूट चुका था।' धनश्री के हाथ में क्रिकेट बॉल भी है। क्या इसके जरिए वह अपने एक्स हसबैंड और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल पर तंज कस रही हैं।

एंटरप्रेन्योर अशनीर ग्रोवर शो 'राइज एंड फॉल' के ट्रेलर में इसका कॉन्सेप्ट बताते हैं। वह कहते हैं, 'दोगले लोग तो बहुत देखे होंगे आपने। आपको एक दोगली दुनिया दिखाता हूं। 16 सेलिब्रिटी और दो हिस्सों में बंटा हुआ शो। ऊपर पेंटहाउस में रूलर करने ऐश और नीचे बेसमेंट में वर्कर्स पर टूटेगा सारा काम।' इस तरह शो में दो दुनिया दिखाई जाएगी। वर्कर ऊपर वाली दुनिया में आना चाहगा और रूलर कभी भी नीचे वाली यानी बेसमेंट की दुनिया में नहीं जाना चाहेगा। लेकिन सभी कंटेस्टेंट्स एक–दूसरे को धोखा देकर ऐसा करेंगे और शो में बने रहेंगे। इस शो में धनश्री, अर्जुन बिजलानी, कॉमेडियन कीकू शारदा और कुब्रा सेठ के अलावा कई सेलिब्रिटी शामिल होंगे। 'राइज एंड फॉल' रियलिटी शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर 6 सितंबर से दर्शकों को देखने को मिलेगा। शो के ट्रेलर को देखकर अर्जुन बिजलानी, धनश्री के फैंस काफी एक्साइटेड नजर आए। सोशल मीडिया पर वह इस ट्रेलर पर रिएक्शन दे रहे हैं और अपने फेवरेट सेलिब्रिटी को सपोर्ट कर रहे हैं।

अवनीत कौर की फिल्म 'लव इन वियतनाम' का ट्रेलर रिलीज

फिल्म 'लव इन वियतनाम' में प्यार की कहानी देश की सीमाओं को पार करके एक खूबसूरत दुनिया से दर्शकों को रूबरू कराएगी। इस फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन भी हैं। फिल्म में लव ट्राइएंगल है, जो इन तीनों के किरदार के बीच बनता है।

फिल्म 'लव इन वियतनाम' के ट्रेलर में पंजाब से शुरू होकर कहानी वियतनाम तक पहुंचती है। एक लड़का (शांतुन) और लड़की (अवनीत कौर) बचपन से एक–दूसरे को जानते हैं। लड़की की ख्वाहिश बड़े होकर लड़के की दुल्हन बनने की है। लेकिन लड़के पिता बड़े होने पर उसे वियतनाम भेज देते हैं। वियतनाम पहुंचकर उसे एक तस्वीर देखकर अनजान वियतनामी लड़की (खा नागन) से प्यार हो जाता है। लेकिन असल में वह उससे मिला भी नहीं है। इस वजह से पंजाबी की लड़की और उसकी दोस्त का दिल टूट जाता है। आखिरी ये प्रेम कहानी किस अंजाम पर जाकर खत्म होगी, यही फिल्म में दिखाया जाएगा। फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी और वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे नामी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी नजर आएंगी।

कब रिलीज हो रही है फिल्म

फिल्म 'लव इन वियतनाम' ने जल्द ही सिनेमाघरों में पहुंचेगी। ओमांग कुमार, कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस और राहत शाह काजमी निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को थिएटर में रिलीज होगी।

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट में सनी लियोनी की एंट्री

सनी लियोनी ने जिस्म 2, रईस, तेरा इंतजार और एक पहेली लीला जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। वेब सीरीज में भी वे नजर आ चुकी हैं। पोस्ट शेयर कर उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर डिटेल शेयर की हैं, जिसकी शूटिंग शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ काम करेंगी।

सनी ने जताई विक्रम भट्ट के साथ काम करने की खुशी

सनी लियोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ नजर आ रही हैं।सनी ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, अपने पसंदीदा निर्देशकों में से एक के साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। चलिए कुछ जादू करते हैं।

सीरीज अनामिका में साथ कर चुके हैं काम

बता दें कि इससे पहले सनी लियोनी विक्रम भट्ट के साथ वेब सीरीज अनामिका में काम कर चुकी हैं, जो साल 2022 में आई थी। एक्शन से भरपूर यह जासूसी थ्रिलर वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। इसका निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया।

नेटिजन्स ने दी बधाई सनी और विक्रम के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर नेटिजन्स रिएक्शन दे रहे हैं। दोनों को बधाई दे रहे हैं। सनी लियोनी के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से डेब्यू किया था। हालांकि, वो साल 2011 में ही चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस में आकर भारत में अपनी पहचान बना चुकी थीं। सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा था, लेकिन एडल्ट इंडस्ट्री में काम करने के लिए उन्होंने अपना नाम सनी लियोनी रख लिया।

किरदार को जीवंत बनाने के लिए नहीं किया प्रोस्थेटिक्स का इस्तेमाल

विवेक अग्निहोत्री और पल्लवी जोशी की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' अपनी रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है। कोलकाता में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में काफी हंगामा हुआ था। अब फिल्म की प्रोड्यूसर और अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने अमर उजाला से खास बातचीत में फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे की अपने किरदार के लिए तैयारी। 'द बंगाल फाइल्स' में पल्लवी जोशी ने एक 100 साल की महिला का किरदार निभाया है। जब उनसे किरदार की तैयारी और चुनौतियों को लेकर सवाल किया गया, तो अभिनेत्री कहा कि यह रोल मेरे लिए बहुत अनोखा और चुनौतीपूर्ण था। एक सदी का सफर झेल चुकी महिला की आत्मा को पकड़ना आसान नहीं था। डर भी लगता था कि मैं इसे सही तरह से निभा पाऊंगी या नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने विवेक से भी कई बार कहा था कि इस रोल के लिए सही कास्ट होनी चाहिए, वरना यह फिल्म के लिए सही नहीं होगा। लेकिन आखिरकार मुझे ही करना पड़ा और जब ऑडियंस की प्रतिक्रिया देखी, तो लगा कि मेहनत सफल रही। सबसे खास बात ये है कि पल्लवी ने अपने किरदार के लिए प्रोस्थेटिक्स का इस्तेमाल नहीं किया है। इसके पीछे की वजह के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि हम चाहते थे कि यह किरदार बहुत नेचुरल लगे, जैसे हमारी दादी या बुआ होती थीं। प्रोस्थेटिक्स से अक्सर चेहरे के भाव सीमित हो जाते हैं। हॉरर शोज में वह ठीक है, लेकिन हमें एक सहज, घरेलू और प्यारी महिला चाहिए थी। साथ ही सच कहूं तो बड़े–बजट वाले प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट हायर करना हमारे लिए संभव नहीं था। बंगाल जाकर शूटिंग भी नहीं कर पाए, इसलिए बड़ा सेट बनाना पड़ा जिससे लागत और बढ़ गई। ऐसे में मेकअप और वीएफएक्स के साथ ही किरदार को गढ़ा गया। हमारी कोशिश थी कि किरदार की आत्मा झलके।

रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है

अजय देवगन ने जब नई स्टारकास्ट के साथ गुजराती फिल्म वश का हिंदी रीमेक शैतान बनाया, तो फिल्म की मुख्य अदाकारा जानकी बोडीवाला को रिप्लेस नहीं कर सके। वश में आर्या और शैतान में जाह्नवी के रोल में जानकी ने गुजराती और हिंदी दोनों ही भाषाओं के दर्शकों का दिल जीता। अब वह वश लेवल 2 में नजर आने वाली हैं। यह 2023 में आई वश का ही सीक्वल है। फिल्म 27 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड और गुजराती फिल्मों में काम करने के अपने अनुभव, दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर पर खुलकर बात की। जानकी ने माना कि रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है, जबकि बॉलीवुड में बहुत हद तक यह मुमकिन नहीं हो पाता।

आप मेडिकल बैकग्राउंड से हैं, तो अचानक फिल्मों में आना कैसे हुआ?

मैं मतलब डॉक्टर बैग्राउंड से होने वाली थी। मगर मैंने वह पढ़ाई कम्पलीट नहीं की। इसी दौरान मुझे मेरे डायरेक्टर कृष्णदेव याग्निक (डेब्यू फिल्म के निर्देशक) मिल गए जिन्होंने मुझे गुजरात में पहचान दिलाई। यह उनका ही फैसला था कि वह मुझे अपनी पहली फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। और उन्होंने ही फिल्म वश भी बनाई जिसके लिए ना सिर्फ मुझे पूरे देश में पहचान मिली, बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

अभी आप वश 2 में काम कर रही हैं जो हिंदी में रिलीज हो रही है। बाद में हो सकता है कि आप शैतान के सीक्वल में भी हों, तो आपके लिए कितना चैलेंजिंग होगा उस समय, क्योंकि लोग वश 2 देख चुके होंगे?

शैतान का अंत गुजराती फिल्म वश से अलग था। तो शायद वह अपना एक अलग यूनिवर्स क्रिएट करेंगे। हालांकि उसके बारे में मुझे कुछ ज्यादा मालूम नहीं है, लेकिन हां, मुझे दोनों फिल्मों में काम करके बहुत अच्छा लगा, बहुत मजा आया। इतने बड़े–बड़े एक्टर्स के साथ काम किया, बहुत कुछ सीखने को भी मिला।

आप गुजरात फिल्म इंडस्ट्री के विकास को किस तरह से देखती हैं?

रीजनल सिनेमा में अच्छी बात यह होती है कि हमारे पास बहुत अलग–अलग तरह का कंटेंट ट्राय करने का स्पेस होता है। रीजनल सिनेमा में हमारे पास एक आज़ादी होती है और यही वजह है कि हम बहुत कुछ नया बना सकते हैं। मुझे रीजनल सिनेमा की यह बात बहुत अच्छी लगती है।

हिंदी हो या गुजराती, आपको कई सीनियर एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। आपका कैसा अनुभव रहा?

मुझे जब पता चला कि हीतू कनोडिया (गुजरात सिनेमा के जाने–माने कलाकार) फिल्म में मेरे पिता का रोल अदा करने वाले हैं और फिल्म में हितेन कुमार भी होंगे, तो मैं पहले तो अंदर से हिल गई थी। दरअसल, जब इतने बड़े एक्टर्स आपके साथ काम कर रहे होते हैं तो आपको परफॉर्म करना ही पड़ता है। ऐसे में मेरे पास भी तब परफॉर्म करने के अलावा कोई और ऑप्शन ही नहीं था। मगर यहां भी मेरी सफलता का क्रेडिट मेरे डायरेक्टर को जाता है जिन्होंने मुझे सिखाने के लिए वर्कशॉप करवाई और कॉन्फिडेंस दिया कि मैं कर सकती हूं।

अजय देवगन के साथ काम का कैसा एक्सपीरियंस कैसा था?

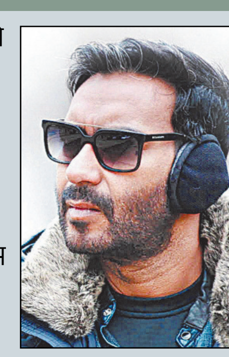

उनके साथ काम करने का अनुभव भी बहुत बढ़िया रहा। मैंने तो उम्मीद ही नहीं की थी कि वह मुझे उस स्तर का कम्फर्ट महसूस करवाएंगे, क्योंकि वह मेरी पहली हिंदी फिल्म थी। जिस हिसाब से मुझे वहां लोगों का ट्रीटमेंट मिला, खासकर एक्टर्स से, वह काफी अच्छा और यादगार था। उन्होंने मुझे महसूस ही नहीं होने दिया कि मैं एक न्यूकमर हूं। वहां मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और इन सभी सीनियर कलाकारों से मिली सीख को मैं अपनी आगे की फिल्मों में अप्लाई करूंगी।

हफ्ते में पाएं लाइट कॉम्प्लेक्शन

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइयां, रूखी त्वचा और डार्क स्पॉट साफनजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफऔर गोरी नहीं रह जाती। उस पर सीजन का असर भी होता है। विंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट अंबिका पिल्लै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉयस्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राउन शुगर व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें-चंदन पाउडर+नीबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

स्टाइलिश वेज हील

इन दिनों फैशन में हिट है वेज हील। कैजुअल से लेकर स्टाइलिश पार्टी वेयर तक हर अंदाज में उपलब्ध है यह फुटवेयर। वेज हील का मतलब सिर्फ हाई हील नहीं है। इसमें आपको हाई और कम हील दोनों ही मिलेंगी। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आपको क्या पसंद है। फैशन के अनुकूल होने के साथ ही वेज हील पांवों को भी आराम देती है। इन्हें पहनकर चलना सुविधाजनक होता है। वहीं इनसे पांवों की खूबसूरती भी उभरकर आती है। यदि आपका टखना भारी है तो आपके लिए वेज हील एकदम परफेक्ट है। वेज हील की डिजाइन ऐसी होती है कि इसे पहनने पर भारी टखना पतला प्रतीत होगा। हां, अगर टखना बेहद पतला है तो भारी वेज हील पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें वह और भी पतला लगे। बहरहाल इसमें कोई शक नहीं कि वेज हील की है ग्लोबल अपील। इसे पहनने मात्र से बढ़ जाता है आपका स्टाइल। किसी भी लेंथ की स्कर्ट या ड्रेस के साथ वेज हील आकर्षक लगती है।

कैसे करें हाथों की देखभाल

सही रख-रखाव वाले और साफ-सुथरे हाथ न केवल आकर्षक दिखते हैं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी भी हैं क्योकि ज्यादातर इंफेक्शन गंदे हाथों से ही फैलते हैं। आपके हाथों की सही केयर कोई मुश्किल काम नहीं है और हैंडवॉश तथा माइश्चराईजिंग का डेली सिम्पल रूटीन काफी है तथा ज़रूरत होने पर नाखूनों की ट्रिमिंग की जानी चाहिये। आपके हाथों को साफ रखने के लिये सोप बार और लिक्विड क्लींजर्स समान रूप से अच्छे हैं लेकिन अपने नाखून और अंगुलियों को स्क्रब करना मत भूलें जिससे नाखूनों के नीचे मैल न रहे। फिंगरनेल ब्रशेज भी मार्केट में उपलब्ध हैं जो आपके नाखूनों के हर तरफ की सभी गंदगी को सही से साफ करते हैं। हर पखवाडे अपने नाखूनों की ट्रिमिंग अच्छी आदत है लेकिन इसे करते समय सावधानी बरतें कि क्यूटिकल्स न कटने पायें जो नेल बेड की सुरक्षा करते हैं इसके बजाय अपने नाखूनों के नेचुरल कर्व को फॉलो करें। सही तरह से ट्रिम किये जाने वाले नाखूनों में दर्द की वजह बनने वाले इन्ग्रोन नेल्स या हैंगनेल्स के चास कम हो जाते हैं। ट्रिमिंग के बाद अपने नाखूनों को मॉइश्चराईज़ करके आप उन्हें कमजोर होने से बचा सकते हैं।

हाथों पर पिगमेंटेशन डेवलप होने से वे एजिंग के संकेत प्रदर्शित कर सकते हैं इसलिये मॉइश्चराईज़र के अलावा अपने हाथों को डैमेज होने से बचाने के लिये सनस्क्रीन का उपयोग करना चाहिये। साबुन से धोये जाने पर हाथ सूखे हो जाते हैं इसलिये त्वचा को ड्राइता और क्रैक होने से बचाने के लिये मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करना जरूरी हो जाता है।

इसके अलावा अपने हाथों की अच्छी केयर के लिये दूसरे उपाय भी अपनाने चाहिये हर माह मेनीक्योर कराना कोई बुरा विचार नहीं है क्योंकि इससे न केवल आपके हाथ संवरते हैं बल्कि आपकी ओवरऑल एपीयरेंस और हाइजीन का स्तर भी सुधरता है।

पैरों की केयर करने को अनेक लोगों द्वारा तब तक उपेक्षित किया जाता है जब तक कोई गंभीर समस्या उत्पन्न नहीं हो जाती जैसे एथलीट्स फुट या कोई दर्दयुक्त कार्न या फिर हर मौसम में पैर लगातार बदबू करने लगते हैं। पैरों के अंगूठे और अंगुलियों की ट्रिमिंग सावधानीपूर्वक की जानी चाहिये क्योंकि त्वचा के बिल्कुल पास ट्रिमिंग करने से इंफेक्शन का खतरा उत्पन्न हो सकता है। पैरों की अंगूठे-अंगुलियों की सही ट्रिमिंग न होने से दर्दयुक्त हैंगनेल्स या इनग्रोन टो-नेल्स बन सकते हैं। सही तरह से फिट न आने वाले जूतों या चलने-फिरने के गलत ढंग के कारण पैरों में कॉलसेस और कार्न्स विकसित हो सकते हैं। यदि ये बहुत कठोर नहीं हों तो इनको घर पर ही अपने पैरों को गुनगुने पानी में डुबोकर और उनको प्यूमिस स्टोन से रगड़ने से छुटकारा पाया जा सकता है। ज्यादा कड़े कार्न्स को मेडिकल सहायता की ज़रूरत होती है। फंगल इंफेक्शनों को दूर रखने के लिये फुट हाइजीन महत्वपूर्ण है। अपने पैरों को पूरी तरह से खास कर अंगूठों अंगुलियों के बीच अच्छी तरह धोकर सुखाना ज़रूरी है। यदि आपके पैरों में ज्यादा पसीना आने की परेशानी है तो मेडिकेटेड पाउडर का उपयोग करें और रोज धुले मोजे पहनें जिससे फंगल इंफेक्शन से बचाव हो सके। लम्बे समय से बदबू करने वाले पैरों में बैक्टीरियल इंफेक्शन हुआ हो सकता है जिसे डॉक्टर को दिखाना ज़रूरी होता है।

पेडीक्योर फीट केयर का अच्छा उपाय है क्योंकि यह पैरों की सभी समस्याओं को दूर रखते हुए आकर्षक बनाता है। पेडीक्योर पैरों से डेड त्वचा को हटाता है इन्ग्रोन टो-नेल्स से बचाव करता है और कॉलसेस और कार्न्स से छुटकारा दिलाता है। पेडीक्योर से बदबू करने वाले पैरों का भी ट्रीटमेंट किया जा सकता है!

दिखें दूसरों से जुदा

कॉलेज में हर दिन दूसरी गर्ल्स से अलग दिखने की चाहत में गर्ल्स कर रही है खास तैयारी। कानपुर की कुछ एक्सपर्ट की टिप्स अपनाकर आप दिख सकती है दूसरों से जुदा..

स्कूलिंग से फ्री होकर कॉलेज का रुख करने वाली गर्ल्स के बीच इन दिनों खास तैयारिया चल रही है। अगर आप भी उनमें से एक है तो नई ड्रेस की शॉपिंग जरूर की होगी। दूसरी कॉलेज गोइग ग ?र्ल्स की तरह ही आपको भी यह चिंता सता रही होगी कि हमारी जैसी ड्रेस और स्टाइल में कोई दूसरी गर्ल दिख गई तो मजा किरकिरा हो जाएगा। ऐसा मत सोचिए, डिफरेट लुक पाने के अन्य विकल्प भी है।

साथ रखें स्टोल्स

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल सलाह देती है, अपने बैग में कलरफुल स्टोल्स रखें। यह ब्राइट कलर में होने चाहिए। इनका फायदा आपको तब मिलेगा जब कोई दूसरी गर्ल आप जैसी ही कुर्ती या टॉप पहने होगी। आप कलरफुल स्टोल कैरी कर अलग लुक दिखा सकती है। इन दिनों फ्लोरल प्रिंट हॉट है, इसलिए ब्लैक, यलो और पिंक स्टोल खरीदें।

जंक जूड्ढेलि का जलवा

काशी ज्वैलर्स की जूड्ढेलि डिजाइनर कृति बताती है, डिफरेट लुक पाने का सिंपल ऑप्शन है जंक जूड्ढेलि। पर्स में इसके दो-तीन ऑप्शन रखें। अगर आपकी जूड्ढेलि किसी से मेल खाती है तो अपने पास रखे दूसरे ऑप्शन को ट्राय कर सकती है। अगर आपकी ड्रेस दूसरे से मैच खाती है तो भी यह काम की साबित होगी।

मेकअप हो कुछ खास

ब्यूटी एक्सपर्ट निहारिका त्रिपाठी बताती है, मेकअप में ब्राइट कलर्स से बचें। लाइट कलर को प्राथमिकता में रखें और नेचुरल लुक पाने की कोशिश करे। इन दिनों कॉलेज गोइग ग ?र्ल्स के लिए आरेंज या फ्लोरोसेंट ग्रीन कलर इन है। कलर्स में आप इन्हे आजमाएं।

बोल्ड इमेज से बचें

कॅरियर काउसलर व पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट एक्सपर्ट संजय मित्रा कहते है, कॉलेज में शुरु से ही बोल्ड इमेज बनाना ठीक नहीं है। ब्राइट कलर्स के शॉर्ट्स और कलरफुल कैप्री की जगह लाग स्कर्ट के ऑप्शन को फालो करे। ज्यादा बातें करना या हर मुद्दे पर तर्क रखना भी आपकी इमेज खराब करेगा। नए फ्रेंड्स से इतनी दूरी बनाकर रखें कि उनकी नजर में आपकी पर्सनॉलिटी औरों से जुदा रहे।

क्या रूप निखरा है

एक अंडे की सफेदी को एक चम्मच शहद के साथ मिला कर चेहरे पर 20 मिनट लगाएं। उसके बाद पानी से चेहरा धो लें।

- एक केले में शहद और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन व हाथ-पैरों पर लगाएं। आधा घटे बाद पानी से धो लें।
- आम के छिलकों को पीस लें। इसमें एक चम्मच पाउडर मिल्क मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से मलें। इसे हाथ, पैर और गर्दन पर भी लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।
- दो चम्मच कॉर्नफ्लोर को एक अंडे की सफेदी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। करीब 20-25 मिनट लगा रहने दें।

जब पेस्ट सूख जाए तो हाथों को हलके गरम पानी में डुबोएं और चेहरे को मलें। फिर चेहरा धो लें। ऐसा 10-15 दिन तक लगातार करें।

- खीरे का रस, गुलाबजल और नींबू का रस बराबर-बराबर मात्रा में लेकर मिला लें। फिर चेहरा धोकर सुखाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह चेहरा धोकर फर्क महसूस करें।
- इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस को चार चम्मच दही के साथ मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं।
- खीरे का रस और दही 1-1 चम्मच लें। चुटकी भर हल्दी पाउडर मिला लें। चेहरे पर 15 मिनट लगा कर रखें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धोएं।
- अनन्नास का रस और नारियल पानी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- एक अंडे का पीला भाग लें। इसमें एक टुकड़ा सीताफल का पेस्ट मिला लें। इसे आधा घटा चेहरे पर लगा कर रखें और इंस्टेंट ग्लो पाएं।